THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 145 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.13 2083 मंगलवार, 25 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'न डरेंगे, न भागेंगे' धमकी भरे पोस्टर के बाद कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीरी पंडित प्रवासियों को एक बार फिर धमकी मिली है। एक पत्र के माध्यम से धमकी दी गई है। इस बीच ऑल पीएम पैकेज कर्मचारी फोरम कश्मीर ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कश्मीर घाटी में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। इसमें सोशल मीडिया पर आ रही नई धमकियों का ज़िक्र किया गया है। 24 अगस्त के पत्र में फोरम ने प्रशासन का ध्यान एक कथित धमकी भरे पोस्टर की ओर दिलाया, जिसे कथित तौर पर खुद को यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल कहने वाले एक संगठन ने 23 अगस्त को जारी किया था।

'अनुमति न देना तेलंगाना का अपमान'

> गुजरात के सीएम की यात्रा को अनुमति मिली
> दावा-राजनीतिक आधार पर मंजूरी नहीं दी गई

कांग्रेस संसद में उठाएगी मुद्दा

रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस यह मुद्दा संसद में उठाएगी। उन्होंने कहा कि उनके दौरे का पूरा प्रोग्राम विदेश मंत्रालय के साथ शेयर किया गया था।

रेवंत रेड्डी ने कहा, 'उन्होंने मुझे यूएस जाने से क्यों मना किया, जबकि यूके जाने से नहीं?' न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान ममदानी से मीटिंग से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस संबंध में कोई अपॉइंटमेंट तय नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि ममदानी कोई असामाजिक तत्व नहीं हैं। वह एक चुने हुए मेयर हैं। इसी दौरान उन्होंने सवाल किया कि पीएम नरेंद्र मोदी साल 2015 में पाकिस्तान गए थे, क्या उन्होंने इसके लिए किसी से इजाजत ली थी।

हैदराबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विदेश मंत्रालय द्वारा उनकी अमेरिका यात्रा की अनुमति न दिए जाने को राज्य का 'अपमान' बताया। हैदराबाद में मीडिया से बातचीत में रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार गुजरात का पक्ष लेती है, तेलंगाना का नहीं। उन्होंने कहा, 'मुझे 'तेलंगाना राइजिंग' डेलिगेशन का नेतृत्व करने के लिए यात्रा करने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि गुजरात के मुख्यमंत्री को 'वाइब्रेंट गुजरात' के बैनर तले यात्रा करने की अनुमति दी गई। यह तेलंगाना के स्वाभिमान का अपमान है।'

आपको बता दें कि रेवंत रेड्डी ने विदेश मंत्रालय द्वारा अमेरिका की यात्रा की इजाजत न दिए जाने की वजह से उन्हें अपना दौरा कैंसिल करना पड़ा। रेवंत रेड्डी के कार्यालय की तरफ से दावा किया गया कि उनके अमेरिकी दौरे को 'राजनीतिक नजरिए से मंजूरी नहीं दी गई।

विदेश दौरे से लौटते ही पीएम मोदी से किए सवाल

यूके की अपनी तीन दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद रेवंत रेड्डी ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे अमेरिका जाने की अनुमति क्यों नहीं दी?' उन्होंने दावा किया कि क्योंकि वो कांग्रेस पार्टी और तेलंगाना से संबंध रखते हैं, इसलिए उन्हें अमेरिका जाने की इजाजत नहीं दी गई। तेलंगाना के सीएम ने कहा कि उनकी यात्रा से 'दलितों, आदिवासियों और बहुजन छात्रों समेत समाज के पिछड़े वर्गों' को मदद मिलती, जिन्हें शैक्षणिक और खेल संस्थानों का सहयोग मिल पाता। रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह तेलंगाना के आत्म-सम्मान और राज्य 4 करोड़ लोगों का अपमान है। यह गुजरात के दबदबे का मामला है। गुजरात के मुख्यमंत्री को कनाडा और अमेरिका जाने की इजाजत दी गई। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'वो यह संदेश देना चाहते हैं कि तेलंगाना में निवेश करने पर सजा मिलेगी। वे नहीं चाहते कि कोई भी राज्य एक हद से ज्यादा तरक्की करे। वे सिर्फ गुजरात और बीजेपी-शासित राज्यों का विकास चाहते हैं। यह भेदभाव है।

एनएसए अजीत डोभाल पहुंचे बीजिंग

एलएसी पर शांति से सीमा विवाद तक होगी बात

बीजिंग, 24 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल सोमवार को दो दिवसीय चीन दौरे पर बीजिंग पहुंच गए। वह भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत के 25वें दौर में हिस्सा लेंगे। इस दौरान सीमा पर शांति और स्थिरता के साथ दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। डोभाल चीन के विदेश मंत्री और भारत-चीन सीमा मुद्दे पर चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी के निमंत्रण पर बीजिंग पहुंचे हैं।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, डोभाल और वांग यी मंगलवार को सीमा विवाद से जुड़े मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता करेंगे। अपने चीन दौरे के दौरान अजीत डोभाल चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात करेंगे। यात्रा को भारत-चीन संबंधों में सीमा से जुड़े लंबित मुद्दों पर बातचीत आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहले 6 अगस्त को नई दिल्ली में भारत और चीन के बीच सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए बने कार्य तंत्र की 36वीं बैठक हुई थी। इसमें सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, विभिन्न समन्वय तंत्र और सीमा पार सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने स्पष्ट किया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना भारत-चीन संबंधों के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है। बैठक के दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने लंबित मुद्दों के समाधान के लिए मौजूदा कूटनीतिक और सैन्य संवाद के माध्यमों का इस्तेमाल जारी रखने पर सहमति जताई। इसमें डब्ल्यूएमसीसी, स्थानीय कमांडर स्तर की बैठकें और पहले से स्थापित अन्य तंत्र शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 24वें विशेष प्रतिनिधि दौर की बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, तंत्र निर्माण और सीमा पार सहयोग से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया था।

भारत ने सीमा पार बहने वाली नदियों से जुड़े एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म की अगली बैठक जल्द बुलाने की जरूरत दोहराई है। साथ ही, ऊपरी क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं से संबंधित तकनीकी जानकारी साझा करने के महत्व पर भी जोर दिया गया है।

35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की दोबारा जांच होगी

श्रीनगर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की जांच दोबारा शुरू कर दी है। साल 1998 के इस हत्याकांड में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, एसआईए ने मामले से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कश्मीर घाटी में कई जगहों पर तलाशी ली है। एजेंसी कश्मीरी पंडितों की दूसरी हत्याओं के मामलों की भी फिर से जांच कर रही है। इनमें कश्मीरी पंडित नेता टीका लाल टपलू और जस्टिस नीलकंठ गंजू की हत्या के मामले भी शामिल हैं। जांच एजेंसी हमलों में शामिल आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उनकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है। 25 जनवरी 1998 की रात गांदरबल के वंधामा गांव में हथियारबंद आतंकियों ने कश्मीरी पंडित परिवारों के घरों में घुसकर 23 लोगों की हत्या कर दी थी।

सीबीआई जांच वाली याचिका पर केंद्र-झारखंड सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने केंद्र और झारखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत के इस कदम से अब केंद्र और झारखंड सरकार को मामले में अपना पक्ष रखना होगा।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन की याचिका पर सुनवाई की। याचिका में 19 अप्रैल 2026 को आयोजित 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और व्यापक जांच कराने के साथ परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा आयोजित करने की मांग की गई है।

याचिका दो जुलाई को प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद सामने आए विवाद के बीच दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, एक सफल उम्मीदवार की ओएमआर उत्तर पुस्तिका की कार्बन कॉपी वायरल होने के बाद परीक्षा के मूल्यांकन को लेकर सवाल उठे। याचिका में दावा किया गया है कि संबंधित उम्मीदवार ने प्रथम प्रश्नपत्र में 100 में से केवल 48 सवालों के जवाब दिए थे, इसके बावजूद उसे सफल घोषित किया गया।

'भारत में चीनी की कोई कमी नहीं'

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में चीनी की उपलब्धता को लेकर इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने स्थिति स्पष्ट की है। संगठन के अध्यक्ष नीरज शिरगांवकर ने सोमवार को कहा कि देश में चीनी की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति की स्थिति मूल रूप से मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त चीनी का स्टॉक मौजूद है। नीरज शिरगांवकर के मुताबिक, चीनी की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का कारण बाजार में वास्तविक कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मौसम से जुड़ी परिस्थितियों के कारण उत्पादन में कुछ कमी आई है, जबकि कुछ लोगों द्वारा चीनी का स्टॉक जमा किए जाने से भी कीमतों पर दबाव बढ़ा है। ईसमा का कहना है कि बाजार में उपलब्ध स्टॉक और मौजूदा आपूर्ति त्योहारी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

मॉस्को में पुतिन से मिले जयशंकर दिया पीएम मोदी का खास संदेश

भारत-रूस आर्थिक सहयोग तेजी से बढ़ा

मॉस्को, 24 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने व्लादिमीर पुतिन को प्रधानमंत्री नरेंद्र का खास संदेश दिए। जयशंकर ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर अपनी बात शुरू करना चाहता हूं। उन्होंने आपको देने के लिए मुझे एक व्यक्तिगत संदेश दिया है, जिसे मैं आपको सौंपना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, हमने अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की। मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमारे पास आपको बताने के लिए एक अच्छी रिपोर्ट है। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारा आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु और अन्य क्षेत्रों में भी काफी प्रगति हुई है। मुझे इन सभी विषयों पर विस्तार से बात करने में खुशी होगी। एस जयशंकर ने कहा, कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि हमारा आर्थिक सहयोग काफी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में आपसे मिलने और फिर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। इसके बाद उचित समय पर, आप दोनों की सुविधा के अनुसार वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसलिए हमारे पास सहयोग की एक बहुत मजबूत तस्वीर पेश करने के लिए है। विदेश मंत्री रूस के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रविवार को मॉस्को पहुंचे थे। एस जयशंकर आज मॉस्को में भारत-रूस व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक सहयोग पर अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ बैठक की सह-अध्यक्षता की।

बंबीहा गैंग के 3 वांछितों को मलेशिया से भारत लाया गया अब तक 51 कुख्यात अपराधी गिरफ्त में : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय एजेंसियों ने मलेशिया में कार्रवाई करते हुए तीन फरार भारतीय गैंगस्टरों को पकड़ा है। उन्हें भारत वापस लाकर पुलिस हिरासत में सौंप दिया गया है। तीनों आरोपी कथित तौर पर बंबीहा गैंग से जुड़े हैं और उनके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। गृह मंत्रालय की ओर से कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी के 'सुरक्षित भारत' के विजन के तहत भारतीय एजेंसियां विदेशों में छिपे कुख्यात अपराधियों को भारत वापस लाने के लिए लगातार काम कर रही हैं। गृह मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा गया कि भारतीय एजेंसियों ने मलेशिया में तीन फरार भारतीय गैंगस्टरों को पकड़ा, उन्हें भारत वापस भेजा और पुलिस कस्टडी में सौंप दिया। ये फरार अपराधी जसप्रीत सिंह, अजय सिंह और पवनदीप सिंह हैं जो कि बंबीहा गैंग से जुड़े हैं और उन पर कई अपराधों के आरोप हैं। इनमें जबरन वसूली, सीमा पार हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी और लुधियाना में ग्रेनेड हमले की नाकाम कोशिश शामिल है।

कॉकरोच जनता पार्टी का 5 सितंबर को फिर दिल्ली मार्च

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने नीट पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले सीजेपी ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को सीजेपी ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

सरकारी आवास से बेदखली के आरोप पर तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा को सरकारी आवास से कथित तौर पर बेदखल किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में तत्काल सुनवाई और हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

महुआ मोइत्रा की ओर से अदालत में पेश वकील ने आरोप लगाया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन्हें आवंटित सरकारी आवास से स्थानीय अधिकारियों ने रात करीब 11 बजे उन्हें बेदखल कर दिया। वकील के मुताबिक, इस कार्रवाई में जिला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट भी शामिल थे। महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वकील ने बताया कि कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली महुआ मोइत्रा को उनके निर्वाचन क्षेत्र में आवंटित सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया गया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा वी. मोहना की पीठ के समक्ष वकील ने कहा, 'क्या मैं एक मौजूदा महिला सांसद की ओर से दायर अनुच्छेद 32 की याचिका का उल्लेख कर सकता हूं जिन्हें उनके निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय अधिकारियों, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और जिला मजिस्ट्रेट ने आधी रात के वक्त सरकारी आवास से बेदखल कर दिया।' भारतीय संविधान का अनुच्छेद 32 नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों के संरक्षण और उनके उल्लंघन की स्थिति में सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का अधिकार देता है।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद कार्रवाई का आरोप

सुप्रीम कोर्ट में महुआ मोइत्रा की ओर से दलील दी गई कि हाईकोर्ट पहले ही मामले में उन्हें संरक्षण देने वाला आदेश पारित कर चुका था। इसके बावजूद स्थानीय अधिकारियों ने देर रात उन्हें आवास से हटा दिया।

होर्मुज में जहाजों से टोल वसूलेगा ईरान, संसद की मंजूरी

होर्मुज, 24 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी टैक्स या फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी के मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा।

अमेरिका बोला-ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग शुरू

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अब ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है। बेसेंट के मुताबिक अमेरिका का मकसद ईरान की कमाई के बड़े रास्ते बंद करना है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी सभी सरकारी एजेंसियों और अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। इससे पहले ट्रम्प ने इसे किसी विरोधी देश के खिलाफ सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया था और दूसरे देशों से ईरान को अलग-थलग करने में साथ देने की अपील की थी। ईरान ने अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई में साथ देने वाले खाड़ी देशों को चेतावनी दी है। ईरान के नए राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने कहा कि जो देश ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने में अमेरिका का साथ देगा, उसे दुश्मन माना जाएगा

राहुल गांधी के विदेशी दौरे का खर्च कौन उठाता है?

निशिकांत दुबे ने सैम पित्रोदा-सोरोस कनेक्शन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सैम पित्रोदा को लेकर सोशल मीडिया पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दुबे ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेशी दौरों और कुछ विदेशी संगठनों के बीच गहरा संबंध है। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर निशिकांत दुबे ने लिखा- 'राहुल गांधी का सैम पित्रोदा,सोरोस फाउंडेशन और आईएसआई एजेंट के साथ मिलकर देश तोड़ने का ठेका समझिए।' उन्होंने आरोप लगाया कि सैम पित्रोदा का अमेरिकी संगठन से मिलने वाली फंडिंग से चलता है। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी के विदेशी दौरों का खर्च कौन उठाता है। बीजेपी सांसद ने अपने पोस्ट में राहुल गांधी की यूरोपीय दौरे के दौरान पूर्व सांसद फबियो से मुलाकात का भी जिक्र किया।

चिदंबरम ने वन नेशन वन इलेक्शन को असंवैधानिक बताया

यह संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन; मेरा जमीर इसकी गवाही नहीं देता

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने सोमवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उन्होंने संसद की संयुक्त समिति के सामने इसे 'राक्षसी' और 'असंवैधानिक' पहल बताया। पूर्व गृह और वित्त मंत्री ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' के तहत पूरे देश में चुनाव कराने का प्रस्ताव 'बिना सोचे-समझे' किया गया काम है। सूत्रों के मुताबिक, चिदंबरम ने यह राय संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर समिति के सामने रखी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जुड़े दोनों विधेयक असंवैधानिक हैं।

उनका तर्क था कि हर विधानसभा और संसद का कार्यकाल पांच साल के लिए होता है, इसलिए उसका कार्यकाल घटाना संविधान के मूल ढांचे का सीधा उल्लंघन है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका जमीर उन्हें इन विधेयकों का समर्थन करने की इजाजत नहीं देता। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के पास कानून पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं है। तृणमूल कांग्रेस की समिति सदस्य सागरिका घोष ने भी विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे चुनाव आयोग को बेलगाम अधिकार मिल जाएंगे। भाजपा सदस्य पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति के सामने करीब 10 पद्म पुरस्कार पाने वाले लोग भी अलग से पेश हुए। इनमें तरलोचन सिंह, नवीन खन्ना, मीनाक्षी जैन और नीरू कुमार शामिल थे। इनमें से कुछ पद्म पुरस्कार पाने वालों ने एक साथ चुनाव कराने की पहल का समर्थन किया।

कुंभ के खर्च का 0.1% हिस्सा देते तो 125 स्कूल खुले रहते

सुप्रीम कोर्ट के जज ने ऐसा क्यों कहा?

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले ने महाराष्ट्र में शिक्षा के लिए घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर चिंता जताई।

वह धुले जिले के एक हाईस्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसी स्कूल में उन्होंने कुछ साल तक पढ़ाई की थी। कार्यक्रम स्मार्ट कक्षाओं के उद्घाटन का था। न्यायमूर्ति वराले ने कहा कि सरकार विकास की कई बड़ी योजनाओं और आयोजनों पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, लेकिन शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरत को भी उतनी ही गंभीरता से देखने की जरूरत है। न्यायमूर्ति वराले ने अपने संबोधन में कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए 32 हजार करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री ने 34 हजार करोड़ रुपये के आवंटन का उल्लेख किया था।

ममता बोलीं-राजनीति से संन्यास नहीं लूंगी

भाजपा को हाशिए पर धकेलने तक नहीं रुकूंगी, जनगणना को एनआरसी लागू करने की कोशिश बताया

कोलकाता, 24 अगस्त (एजेंसियां)। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राजनीति से संन्यास नहीं लेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को हाशिए पर पहुंचाने तक वह नहीं रुकेंगी। सिर्फ़ चार महीनों में ही बंगाल के लोगों को बीजेपी का असली चेहरा समझ आ गया। ममता ने फेसबुक लाइव में कहा कि जनगणना की प्रक्रिया राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कोशिश है, जिसे राजनीतिक दलों से सलाह किए बिना लागू किया गया है। ममता ने कहा कि जनगणना फॉर्म पर दस्तखत किए और निजी जानकारी देने से पहले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए; ऐसा न करने पर उनकी निजी बचत खत्म हो सकती है। एसआईआर ने गैर-कानूनी तरीके से लाखों असली वोटरों के नाम हटा दिए हैं; अगर ज़रूरत पड़ी, तो उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल कराने के लिए फिर से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा। ममता ने आरोप लगाया कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों में महिलाएं अन्नपूर्णा भंडार आर्थिक सहायता योजना का पैसा मिलने में देरी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। राज्य की बीजेपी सरकार अपात्रता का बहाना बनाकर लाभार्थियों की संख्या घटा रही है। ममता ने कहा हमने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लक्ष्मी भंडार योजना शुरू की थी, लेकिन बीजेपी अन्नपूर्णा भंडार का पैसा देने के लिए धर्म और नस्ल को आधार मान रही है।

तमिलनाडु में महिलाओं को बड़ा तोहफा

मुफ्त बस यात्रा से लेकर एलपीजी सिलिंडर तक का एलान

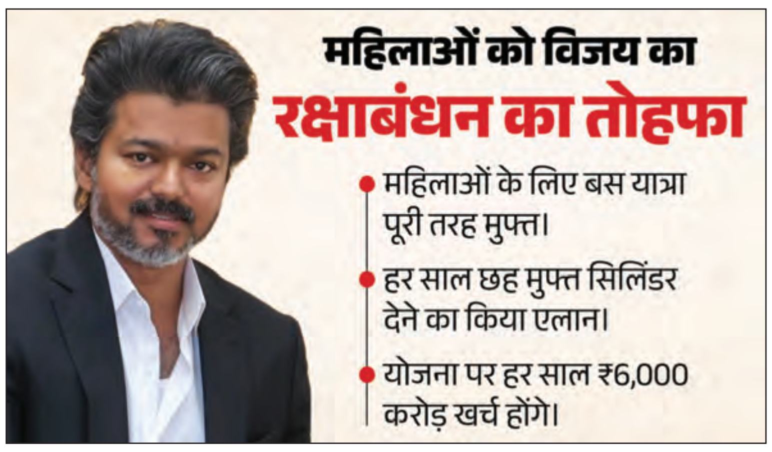

चेन्नई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना का विस्तार करने की घोषणा की। इसके साथ ही लाभार्थियों के लिए डीलक्स और एक्सप्रेस जैसी सेवाओं को भी मुफ्त कर दिया।

विधानसभा में कई घोषणाएं करते हुए, विजय ने टीवीके के मुख्य चुनावी वादों को पूरा किया। उन्होंने तीन मुफ्त कुकिंग गैस सिलिंडर देने और परंदूर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को रद्द करने की घोषणा की। बता दे कि किसानों ने इस प्रोजेक्ट का जोरदार विरोध किया था क्योंकि वे अपनी जमीन नहीं छोड़ना चाहते थे। वहीं, विजय ने नियम 110 के तहत बयान देते हुए कहा, 'महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा 'वेत्री पयनम' का लाभ उठाने के लिए आय की सीमा या यात्राओं की संख्या जैसी कोई शर्त नहीं होगी।' महिलाएं मेट्रोपॉलिटन और शहरी इलाकों में चलने वाली एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं।

कब से शुरू होगी यह योजना?

उन्होंने कहा कि यह योजना 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर शुरू की जाएगी। इससे राज्य सरकार पर हर साल 6,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विजय ने 'अन्नपूर्णी सुपर सिक्स' स्कीम का वादा किया था। इसके तहत तमिलनाडु के हर पात्र परिवार को हर साल छह मुफ्त एलपीजी सिलिंडर देने का भरोसा दिया गया था, ताकि उनके घर का खर्च कम हो सके। विजय ने कहा, 'इससे उन लोगों का बोझ कम होगा जो सिलिंडर लेने के लिए ज्यादा पैसे खर्च कर रहे थे। सरकार ने कुकिंग गैस सिलिंडर की कीमत देने का फैसला किया है।

पहले चरण में तीन मुफ्त एलपीजी सिलिंडर दिए जाएंगे और सिलिंडर की कीमत सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।' इस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर उनका समर्थन किया। इस कदम से लगभग 2.5 लाख रुपये सालाना आय वाले परिवारों, आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों, छोटे और मध्यम किसान परिवारों, दिव्यांगों और गरीब परिवारों को फायदा होगा। विजय ने कहा, 'इसकी तैयारी का काम शुरू हो गया है। यह योजना 2027 के पोंगल (जनवरी के मध्य) त्योहार पर शुरू की जाएगी।' उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार इस पहल के लिए हर साल 4,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगी।

परंदूर एयरपोर्ट पर सरकार ने खींचे कदम, सीएम विजय ने प्रोजेक्ट छोड़ने का किया एलान

चेन्नई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में बड़ा एलान किया कि उनकी सरकार परंदूर में नया एयरपोर्ट बनाने के लिए उठाए गए कदमों को रोक देगी।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परियोजना से कृषि भूमि प्रभावित होने और किसानों व स्थानीय निवासियों की आजीविका पर असर पड़ने की आशंका है। विजय ने कहा कि चेन्नई के मौजूदा मीनांबक्कम एयरपोर्ट की सालाना करीब तीन करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता है। शहर की बढ़ती जरूरतों, औद्योगिक विकास और माल ढुलाई में वृद्धि को देखते हुए नए एयरपोर्ट की जरूरत है, लेकिन इसके लिए ऐसी जगह चुनी जानी चाहिए जहां कृषि भूमि और रिहायशी इलाकों पर न्यूनतम असर पड़े।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने 20 जनवरी 2025 को एगनापुरम और आसपास के गांवों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने परंदूर और आसपास के गांवों में प्रस्तावित एयरपोर्ट के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों की समस्याएं सुनी थीं। विजय ने कहा कि वह परंदूर और आसपास के 12 गांवों में एयरपोर्ट के निर्माण का विरोध कर रहे लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

स्विफ्ट-एसयूवी की टक्कर

आप-भाजपा विधायक समेत 6 घायल, इनोवा में साथ थे दोनों एमएलए

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के आईटीओ ट्रैफिक सिग्नल के पास रविवार रात करीब 9:30 बजे एक स्विफ्ट कार और एसयूवी में टक्कर हो गई। हादसे में कुल 6 लोग घायल हुए। इनमें दो लोग भाजपा और आप के विधायक हैं। हादसा पुराने पुलिस हेडक्वार्टर के सामने पीडब्ल्यूडी ऑफिस के पास हुआ।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, स्विफ्ट 32 साल के आशुतोष पांडे चला रहे थे। कार में उनकी पत्नी और दो नाबालिग बच्चे भी सवार थे। दूसरी तरफ इनोवा में किराड़ी विधानसभा क्षेत्र के मौजूदा आप विधायक अनिल झा और कर्नाटक के बीजेपी विधायक अभय पाटिल समेत लोग मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि लक्ष्मी नगर से आईटीओ की तरफ जा रही एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और रेलिंग पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई। इसके बाद सामने से आ रही इनोवा एसयूवी से उसकी टक्कर हो गई, जिसमें दोनों विधायक बैठे थे।

अभिषेक बनर्जी के अकाउंट से रोक हटाई गई कलकत्ता हाईकोर्ट ने बैंक को दी सलाह

कोलकाता, 24 अगस्त (एजेंसियां)। टीएमसी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के पर्सनल बैंक अकाउंट पर डेबिट से जुड़ी पाबंदियां लगाने वाले बैंक ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट को बताया कि पाबंदियां हटा ली गई हैं और उनके डेबिट कार्ड फिर से चालू कर दिए गए हैं। बैंक की ओर से पाबंदियां लगाए जाने के बाद अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था। अभिषेक बनर्जी की ओर से बैंक अधिकारियों पर आरोप लगाया गया था कि बैंक ने बिना जानकारी दिए उनका पर्सनल अकाउंट फ्रीज कर दिया है और डेबिट व क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। यह सब तब हुआ जब इसी महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट से आंखों के इलाज के लिए अमेरिका जाने की इजाजत मिली थी। सोमवार को जब मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, तो बैंक अधिकारियों ने जस्टिस राव की बेंच को बताया कि केवाईसी (नो योर कस्टमर) अपडेट न होने की वजह से डेबिट ट्रांजैक्शन पर रोक लगाई गई थी और डेबिट व क्रेडिट कार्ड ब्लॉक किए गए थे। बैंक अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि अब केवाईसी अपडेट हो गया है, इसलिए डेबिट पर लगी रोक हटा ली गई है और उनकी डेबिट और क्रेडिट कार्ड फिर से चालू कर दिए गए हैं। बैंक के वकील ने कोर्ट को यह भी बताया कि अभिषेक बनर्जी का अकाउंट कुछ समय के लिए फ्रीज किया गया था और बैंक अधिकारियों ने जानबूझकर ऐसा नहीं किया था।

सरकारी अस्पताल में आग, 3 बच्चों की मौत, 36 को बचाया

परिजन बोले-गार्ड-नर्स सबसे पहले पहुंचे, धुआं भरे वार्ड से नवजातों को निकाला

अमरावती, 24 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। तीसरी मंजिल पर स्थित इस चाइल्ड केयर यूनिट में उस समय 39 नवजात भर्ती थे। इनमें 3 नवजातों की मौत हो गई।

36 को बचाया गया। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग इसी हिस्से में फैली, जिसमें 3 बच्चे उसकी चपेट में आ गए। बाकी 6 बच्चों को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन छह बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

परिजन बोले-धुएं से भरे वार्ड में सबसे पहले गार्ड और नर्स पहुंचे अचलपुर के रहने वाले योगेश सावर्कर ने बताया कि उनकी पत्नी और 8 दिन का बच्चा अस्पताल में भर्ती था। वह रात में अस्पताल के बाहर सो रहे थे। एनआईसीयू में आग और धुआं फैलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। योगेश ने बताया कि वे पहली मंजिल पर पहुंचे और अपने बच्चे को गोद में लेकर नीचे भागे। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद दूसरे बच्चों के शरीर पर काली राख जमी हुई थी। परिजन अपने बच्चों को बचाने के लिए वार्ड की ओर दौड़ रहे थे। योगेश के मुताबिक, गार्ड सबसे पहले बच्चों को बचाने के लिए वार्ड में पहुंचे। उन्होंने बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया। एक नर्स भी बच्चों की जान बचाने में मदद कर रही थी। आग तेजी से फैल रही थी और वार्ड में धुआं भर गया था, जिससे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। परिजनों का दावा है कि आग लगने के बाद वॉटर स्प्रे सिस्टम काम नहीं कर रहा था। उनका कहना है कि सिस्टम तुरंत सक्रिय होना चाहिए था। अब परिवार अस्पताल की फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे हैं।

मृत बच्चों के परिवारों को 5 लाख रुपये की मदद

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की हाईलेवल जांच के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने कहा कि लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के सचिव को आज ही अमरावती जाकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृत नवजातों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

जंतर-मंतर पर यौन उत्पीड़न की जांच पहले होगी

महिला प्रदर्शनकारियों की शिकायतों को मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को स्पष्ट किया कि जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच के लिए गठित हाई-पावर्ड एन्क्वायरी कमेटी महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के आरोपों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करेगी। सीजेआई ने कहा कि 18 अगस्त के आदेश के अनुसार, कमेटी को महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और अन्य प्रकार की हिंसा से जुड़ी शिकायतों पर प्राथमिकता से विचार करते हुए जल्द से जल्द अंतरिम रिपोर्ट दाखिल करनी है।

20 जुलाई के प्रदर्शन से उठा मामला

यह मामला तब सामने आया, जब सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिला प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों द्वारा कथित छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न की शिकायतें की हैं।

इसी मुद्दे पर अलग रिट याचिका भी दायर

इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने बताया कि इसी मुद्दे को लेकर एक अलग रिट याचिका भी दायर की गई है और हाई-पावर्ड कमेटी को मामले की जांच करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि कमेटी के अध्यक्ष को शिकायतें प्राप्त करने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार दिया गया है। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के बाद शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सार्वजनिक की जाएगी।

पांच सदस्यीय कमेटी करेगी आरोपों की जांच

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड कमेटी गठित की थी। कमेटी को छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों, दोनों की ओर से लगाए गए हिंसा के आरोपों की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कमेटी को विशेष रूप से महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित लक्षित हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और किसी भी प्रकार के द्वितीयक उत्पीड़न की शिकायतों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करने को कहा गया है। इसके साथ ही पुलिस बल के कथित अत्यधिक इस्तेमाल और छेड़छाड़ के आरोपों पर जल्द से जल्द अंतरिम रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

पति का पेट चीरा, लिफाफे में पैक कर दीं आतें

खौफनाक मर्डर के बाद पत्नी ने छत से लगाई छलांग

कुरुक्षेत्र, 24 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक किराए के मकान में रहने वाले 40 वर्षीय राजेश का शव खून से लथपथ हालत में मिला। उनके पेट पर 35 सेंटीमीटर लंबा गहरा घाव था। इस हत्या का आरोप उसकी पत्नी विमला देवी पर लगा है। वारदात के बाद आरोपी पत्नी विमला देवी ने छत से नीचे छलांग लगा दी, जिसे पुलिस ने इलाज के दौरान हिरासत में ले लिया है। यह खौफनाक मामला कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र का है। पुलिस सूत्रों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, राजेश का पेट लगभग 35 सेंटीमीटर तक कटा हुआ था और घाव इतना गहरा था कि अंदरूनी अंग बाहर आ गए थे।

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी पुलिस थाने के एसएचओ (एसएचओ) सुरेंद्र सिंह ने बताया, "आरोपी महिला ने पति की आंतें निकालकर एक लिफाफे में रख ली थीं। ऐसा अंदेशा है कि वह उन्हें कहीं गायब करने की फिराक में थी।" जांच से जुड़े सूत्रों का यह भी दावा है कि शरीर के अंदरूनी हिस्सों से लिवर का कुछ हिस्सा और दाहिनी किडनी गायब पाई गई है। पुलिस ने मौके से अलग-अलग आकार के तीन चाकू बरामद किए हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले का रहने वाला यह दंपति पिछले एक साल से कुरुक्षेत्र में किराए पर रह रहा था। राजेश पेहोवा रोड स्थित एक वॉटर ट्रेडिंग कंपनी में पानी की सप्लाई का काम करता था। मकान मालिक रिंकू ने स्थानीय मीडिया को बताया कि शनिवार शाम करीब 5 बजे उसने कमरे से चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनीं। जब वह छत पर पहुंचा तो देखा कि राजेश गंभीर हालत में खून से लथपथ पड़ा हुआ था।

एक और डॉक्टर की पिटाई इलाज के दौरान मरीज के बेटे ने पहले दी गाली फिर किया हमला

ठाणे, 24 अगस्त (एजेंसियां)। ठाणे के कल्याण के एक निजी अस्पताल में मरीज की जांच कर रहे ऑर्थोपेडिक डॉक्टर योगेंद्र जायसवाल के साथ उसके बेटे ने कथित तौर पर बदसलूकी और मारपीट की। डॉक्टर का आरोप है कि बातचीत के तरीके पर आपत्ति जताने के बाद आरोपी ने उन्हें गालियां दीं और पीटा। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, लेकिन गिरफ्तारी नहीं हुई है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बीच डॉक्टरों ने अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

डॉक्टर से बदसलूकी के बाद मारपीट

ऑर्थोपेडिक डॉक्टर योगेंद्र जायसवाल के साथ एक मरीज के बेटे ने बदसलूकी की और मारपीट की। डॉक्टर ने मरीज के बेटे के अनौपचारिक और अभद्र तरीके से बात करने पर आपत्ति जताई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह हमला शनिवार रात करीब 11 बजे हुआ, जब डॉक्टर एक मरीज की जांच कर रहे थे।

पसली में फ्रैक्चर वाले मरीज का कर रहे थे इलाज

डॉ. योगेंद्र जायसवाल ने पत्रकारों को बताया, 'मैं जयवंत देशमुख नाम के मरीज की जांच कर रहा था, जिनकी पसली टूट गई थी। मैंने उन्हें पूरी प्रक्रिया समझाई कि पट्टी कैसे बांधनी है और दवा कैसे लेनी है।

गिरफ्तारी की मांग पर अडे डॉक्टर

लेकिन, उनके बेटे ने बार-बार वही सवाल पूछा और मेरे साथ बदतमीजी से और अनौपचारिक भाषा में बात की।' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैंने उनसे पूछा कि वे मेरे साथ इतनी अनौपचारिक भाषा में क्यों बात कर रहे हैं, तो उन्होंने पलटकर कहा, 'तुम खुद को क्या समझते हो- कोई बहुत बड़े डॉक्टर हो?' इसके बाद वे बाहर गए और मुझे गालियां देने लगे। जब मैंने इसका विरोध किया, तो वे वापस आए और मुझे पीटने लगे।' डॉ. जायसवाल ने आरोपी के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

लगातार हो रहे हमलों से डॉक्टरों में चिंता

डोंबिवली में हुए हमले के ठीक बाद सामने आई इस घटना ने डॉक्टरों की चिंता और बढ़ा दी है। डॉक्टर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। मेडिकल कम्युनिटी ने सरकार से सवाल किया है कि अगर अस्पतालों में डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ ही सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे माहौल में अस्पताल कैसे चलेंगे?

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब महाराष्ट्र में डॉक्टर पर हमले की जानकारी सामने आई है। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में कल्याण-डोंबिवली के शिवसेना कॉर्पोरेटर रमेश म्हात्रे को एक महिला डॉक्टर को मारते हुए कैमरे में कैद किया गया था। उन्हें और उनके समर्थकों को दूसरे स्टाफ और नर्सों के साथ मारपीट करते हुए भी देखा गया था। हालांकि, कॉर्पोरेटर ने डॉक्टर पर हमला करने की बात से इनकार किया था और माफी मांगने से भी इनकार कर दिया था।

खबरें जरा हटके

भारत का अनोखा घर! तेलंगाना में खाते हैं लोग, रात होते ही सोने चले जाते हैं महाराष्ट्र

भारत विविधताओं का देश है. यहां भाषा, संस्कृति, खान-पान और रीति-रिवाजों में अंतर तो आम बात है लेकिन एक ऐसा घर भी है जो दो राज्यों में बंटा हुआ है. महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा पर स्थित यह घर चर्चा का विषय बना हुआ है. 1969 के सीमा सर्वे के दौरान घर के बीच से राज्य की सीमा गुजर गई थी. नतीजा यह हुआ कि घर के चार कमरे महाराष्ट्र में आ गए और चार कमरे तेलंगाना में. परिवार वाले बताते हैं कि वे एक राज्य में खाना खाते हैं और दूसरे राज्य में सोने चले जाते हैं. यह अनोखा घर महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले की सिमवर्ती जिवती तहसील के महाराजगुडा (या महाराजागुडा) गांव में स्थित है. यहां पवार परिवार रहता है. करीब 12-13 सदस्य इस घर में रहते हैं. घर के मालिक उत्तम पवार और उनके भाई चंदू पवार हैं. कुल मिलाकर घर में करीब 8 से 10 कमरे बताए जाते हैं. इनमें से चार कमरे महाराष्ट्र की सीमा में आते हैं जबकि चार कमरे (जिसमें रसोई भी शामिल है) तेलंगाना में पड़ते हैं. हॉल और कुछ बेडरूम महाराष्ट्र वाले हिस्से में हैं.

1969 का सर्वे और सीमा बंटवारा

1969 में जब महाराष्ट्र और तत्कालीन आंध्र प्रदेश (बाद में तेलंगाना) के बीच सीमा विवाद सुलझाया गया और सर्वे किया गया तो कई गांव और जमीनें प्रभावित हुईं. पवार परिवार की जमीन और घर भी इस सर्वे की चपेट में आ गया. अधिकारियों ने बताया कि घर का आधा हिस्सा एक राज्य में है और आधा दूसरे में. तब से परिवार इसी तरह रह रहा है. सीमा रेखा घर के अंदर से गुजरती है. कुछ रिपोर्ट्स में दीवार पर चाक से निशान भी दिखाए गए हैं. उत्तम पवार ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, "हम 12-13 लोग यहां रहते हैं. मेरे भाई के चार कमरे तेलंगाना में हैं और मेरे चार महाराष्ट्र में. रसोई तेलंगाना में है." उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों की ग्राम पंचायतों को टैक्स देते हैं और दोनों राज्यों की योजनाओं का लाभ भी उठाते हैं. तेलंगाना सरकार की योजनाओं से थोड़ा ज्यादा फायदा मिलता है. वाहन भी दोनों राज्यों के नंबर प्लेट वाले हैं – एमएच और टीएस.

जिस पौधे से डर गया बंगाल, उसने असम की महिलाओं को किया मालामाल, जमकर छाप रही नोट!

कुछ समय पहले पश्चिम बंगाल की नदियों और जलाशयों में एक पौधा तेजी से फैलकर तबाही मचा रहा था. लोग इसे "बंगाल टेरर" कहने लगे थे. यह जलकुंभी या पानी मेटेका नाम का एक्वेटिक वीड है जो पानी की सतह को पूरी तरह ढक लेता है, मछलियों की आबादी घटाता है, नावों की आवाजाही रोकता है और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाता है. लेकिन असम में इसी खरपतवार ने महिलाओं की जिंदगी बदल दी है. लाओखोवा-बुराचापोरी वन्यजीव अभयारण्य के आसपास की महिलाएं इसे कमाई का जरिया बना चुकी हैं. जलकुंभी दुनिया के सबसे आक्रामक जलीय खरपतवारों में से एक है. भारत में यह कई राज्यों की नदियों, तालाबों और आर्द्रभूमि में फैल चुका है. बंगाल में इसकी तीव्र वृद्धि ने किसानों, मछुआरों और स्थानीय प्रशासन को परेशान किया था. सफाई अभियान चलाए गए लेकिन पौधा बार-बार लौट आता था. असम में भी काजीरंगा और आसपास के क्षेत्रों में यह समस्या देखी जा रही थी. लेकिन असम की महिलाओं ने इस समस्या से कमाई का तरीका ढूंढ निकाला. मध्य असम के लाओखोवा-बुराचापोरी वन्यजीव अभयारण्य (एलबीडब्ल्यूएलएस) के किनारे बसे गांवों में महिलाएं अब इस खरपतवार को इकट्ठा कर सुखाती हैं और उससे उपयोगी वस्तुएं बनाती हैं. प्रगति सेल्फ हेल्प ग्रुप (सिंगिमारी गांव) और बोनानी सेल्फ हेल्प ग्रुप (कलियाडिंगा गांव) की करीब 20 महिलाएं इस काम में जुटी हैं. वे डाइनिंग मैट, टेबल रनर, विभिन्न आकार की टोकरियां, हैंडबैग, पर्स, सर्विंग बाउल, टिश्यू बॉक्स, मोबाइल फोन होल्डर, हैंगिंग फ्लावर वेस, टोपी और अन्य वस्तुएं तैयार कर रही हैं.

यह पहल आरन्यक नामक जैव विविधता संरक्षण संगठन, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण, नागांव वन्यजीव प्रभाग और इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन के सहयोग से चलाई जा रही है. उद्देश्य है स्थानीय महिलाओं को आजीविका देना और साथ ही अभयारण्य के आसपास के आक्रामक खरपतवार को नियंत्रित करना. इससे वन्यजीव आवास की सुरक्षा भी मजबूत होती है क्योंकि आर्थिक मजबूती से अवैध शिकार जैसी गतिविधियों पर निर्भरता कम होती है.

न सीढ़ी, न लिफ्ट... फ्लाईओवर के ऊपर टीवी, कपड़े और पूरा घर! आखिर यहां पहुंचा कैसे ये परिवार?

हर एक इंसान की ख्वाहिश होती है कि उसका अपना एक छोटा-सा घर हो, जिसमें उसका परिवार खुशी से रहे. इसी कड़ी में इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक परिवार फ्लाईओवर के नीचे बनी ऊंची कंक्रीट की पट्टी पर अपना पूरा घर बसाए नजर आ रहा है. वीडियो के वायरल होते ही तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं. कुछ पोस्ट में इसे भारत का बताकर मजाकिया अंदाज में शेयर किया गया, जबकि कई यूजर्स ने वीडियो की लोकेशन पर ही सवाल खड़े कर दिए.

वीडियो में एक ऊंचे कंक्रीट प्लेटफॉर्म पर परिवार के लोग रोजमर्रा के काम करते दिखाई देते हैं. महिला कपड़े टांगती नजर आती है. वहीं दो पुरुष पास में बैठे हुए हैं. प्लेटफॉर्म पर टीवी, पानी की बोतलें और कंटेनर समेत कई घरेलू सामान रखा हुआ है.

वीडियो के कैप्शन में ऐसा बताया गया जैसे परिवार ने बिना सीढ़ी और लिफ्ट के ही 'फर्स्ट फ्लोर का फ्लैट' हासिल कर लिया हो. इसी मजाकिया कैप्शन ने वीडियो को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाया है.

वीडियो वायरल होने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे भारत से जोड़कर पोस्ट करना शुरू कर दिया. हालांकि, कई लोगों ने इस दावे पर तुरंत सवाल उठाए. यूजर्स ने वीडियो में दिखाई दे रहे वाहनों, आसपास के माहौल और लोकेशन से जुड़े संकेतों पर ध्यान दिलाया और कहा कि यह जगह भारत की नहीं लगती. यहां तक उस परिवार के लोग भी भारतीय नहीं दिखाई दे रहे.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 25 अगस्त, 2026 3

सुविचार: दुख-सुख जीवन की गाड़ी के दो पहीए है। इसलिए खुश रहो और खुश रखो।

7 सितंबर से शुरू होगा तेलंगाना विधानसभा का सत्र : सीएम

सिंचाई परियोजनाओं के लिए लंबित भूमि अधिग्रहण जल्द पूरा कराने के निर्देश

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि तेलंगाना विधानसभा का आगामी सत्र 7 सितंबर से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के मद्देनजर जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में उपलब्ध मंत्रियों और पार्टी के विधायकों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सिंचाई परियोजनाओं के लिए लंबित भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने से सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण और उन्हें आगे बढ़ाने में बाधा उत्पन्न होगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अधिकारियों के साथ समन्वय कर भूमि अधिग्रहण से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र समाधान कराने को कहा।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सिंचाई परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन तथा वन विभाग से संबंधित मंजूरियों के लिए जरूरी धनराशि तत्काल जारी करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए सरकार की ओर से धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाना चाहिए और लंबित परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगामी विधानसभा सत्र के मद्देनजर जनप्रतिनिधियों से अपने क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

प्राइवेट बस की टक्कर से दोपहिया वाहन सवार की मौत

संगारेड्डी, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को एनएच-65 पर इसनापुर में एक प्राइवेट कंपनी की बस की टक्कर से 32 साल के एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक मोटरसाइकिल सवार, पुलकल के रहने वाले प्रशांत (32), अपने गाँव से पटनचेरु जा रहे थे। सड़क पर अंडरपास का निर्माण कार्य चल रहा था, जिसके कारण सड़क का यह हिस्सा संकरा हो गया था और इसी वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन उनके शरीर पर कई जगह चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटनचेरु के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

विशेष वन महोत्सव को जन आंदोलन बनाएं : कोंडा सुरेखा

सितंबर अंत तक 16.06 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

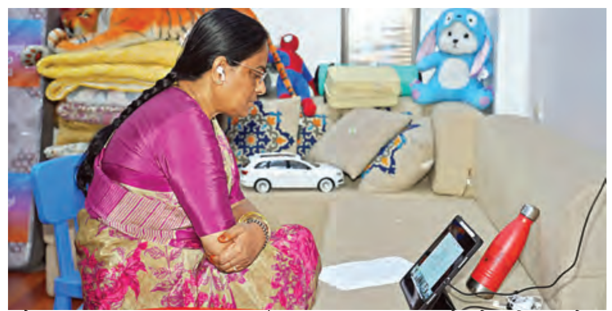

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन महोत्सव के तहत लगाए गए प्रत्येक पौधे की उसी तरह देखभाल की जाए, जैसे किसी नवजात बच्चे को गोद में लेकर की जाती है। उन्होंने कहा कि विशेष वन महोत्सव को व्यापक जनभागीदारी के साथ जन आंदोलन के रूप में आयोजित किया जाए। मंत्री ने सोमवार को जुबली हिल्स स्थित अपने आवास से वीडियो सम्मेलन के माध्यम से जिला कलेक्टरों और जिला वन अधिकारियों के साथ विशेष वन महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 'अधिक पौधे लगाएं-हर बारिश की बूंद को संजोएं' संदेश को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 के वन महोत्सव के दौरान राज्यभर में कुल 16.06 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 23 अगस्त तक 9.06 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। मंत्री ने वर्षा की कमी के कारण हुई देरी की भरपाई करते हुए सितंबर के अंत तक निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। कोंडा सुरेखा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, किसानों, स्थानीय लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिक संगठनों को विशेष वन महोत्सव से जोड़ा जाए। मीडिया के सहयोग से पौधारोपण और पौधों के संरक्षण को लेकर व्यापक जागरूकता पैदा करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 1988 की राष्ट्रीय वन नीति के अनुरूप राज्य में हरित क्षेत्र को 33 प्रतिशत तक बढ़ाना वन महोत्सव का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। प्रत्येक घर में एक पौधा लगाने और उसकी जिम्मेदारी से देखभाल करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। नगर और वन क्षेत्रों में अलग-अलग कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य और निगरानी व्यवस्था लागू करने को कहा। मंत्री ने पौधों की भौगोलिक पहचान दर्ज कर उनकी वृद्धि और संरक्षण की लगातार निगरानी करने तथा वर्षा जल संरक्षण, मिट्टी में नमी बढ़ाने के लिए खाइयां खोदने, पत्थर बांध और छोटे बांध बनाने जैसे उपाय तेज करने के निर्देश दिए। इन गतिविधियों की दैनिक प्रगति तेलंगाना हरित निधि प्रबंधन सूचना प्रणाली में दर्ज करने को कहा। उन्होंने मंदिरों और देवदाय विभाग की भूमि पर भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने तथा मंदिर परिसरों को हराभरा और आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि 25 अगस्त को आयोजित होने वाले विशेष वन महोत्सव को एक उत्सव की तरह व्यापक स्तर पर आयोजित कर पौधारोपण और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाया जाए।

इमारत गिरने के मामले में बिल्डिंग का मालिक गिरफ़्तार

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम पुलिस ने सोमवार को सैयद साजिद को गिरफ़्तार किया। वह उस निर्माणाधीन इमारत का मालिक था जो शनिवार को अंजैया नगर में गिर गई थी, जिसमें दो मज़दूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि ठेकेदार ख्वाजा मोइनुद्दीन, जिस पर इस घटना के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया था, फ़रार है। घटना के बाद पुलिस ने साजिद और मोइनुद्दीन के ख़िलाफ़ बीएनएस की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया। साजिद की गिरफ़्तारी के बाद, पुलिस फ़रार ठेकेदार का पता लगाने और उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है।

22-ए के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों को लेकर घबराने की जरूरत नहीं : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने लोगों को आश्वासन दिया है कि उन्हें धारा 22-ए के तहत सूचीबद्ध संपत्तियों के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, और कहा है कि सरकार प्रभावित लोगों को न्याय सुनिश्चित करेगी। सोमवार को राज्य सचिवालय में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर सोमवार को जिला अधिकारियों के साथ इस मुद्दे की समीक्षा कर रही है कि शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि 22-ए सूची में शामिल संपत्तियों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी आदेशों के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों का विवरण ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, हमने उन मामलों को निपटा दिया है जिनमें छूट दी गई थी। मेडचल में भूदान भूमि के मामले में, हमने दावों को खारिज कर दिया। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि टोल-फ्री हेल्पलाइन पर 18 अगस्त से अब तक 1,162 कॉल आ चुकी हैं, और शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित जिलों को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, अधिकांश मुद्दे निजी संपत्तियों के बजाय सरकारी संपत्तियों से संबंधित हैं। मंत्री ने कहा कि धारा 22-ए से संबंधित संपत्तियों के पंजीकरण रुकने के मामलों का निपटारा 24 घंटे के भीतर किया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया, अगर कहीं एक-दो मामले लंबित भी हैं, तो हम उन्हें भी सुलझा लेंगे। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

राज्यपाल ने अरुण जेटली को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री, पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात विद्वान, ओजस्वी वक्ता, विधिवेत्ता एवं कुशल प्रशासक स्वर्गीय अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि अरुण जेटली का सार्वजनिक जीवन में योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी असाधारण सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी। उनकी विद्वत्ता, प्रभावशाली वक्तृत्व क्षमता, दूरदृष्टि और जनसेवा के प्रति समर्पण ने भारतीय सार्वजनिक जीवन को समृद्ध किया। उन्होंने कहा कि अरुण जेटली का व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। राष्ट्र सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव अनुकरणीय रहेगी।

अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति कल्याण समितियों की पहली बैठक

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा भवन के अध्यक्ष कक्ष में सोमवार को विधान परिषद की अल्पसंख्यक कल्याण समिति और अनुसूचित जाति कल्याण समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधान परिषद के सभापति गुट्टा सुखेंदर रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार और उपसभापति डॉ. बंडा प्रकाश उपस्थित रहे। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण समिति के अध्यक्ष थोटा लक्ष्मीकांत राव तथा सदस्य बत्तुला लक्ष्मारेड्डी, कालेरी वेंकटेश और पायल शंकर ने भाग लिया। अनुसूचित जाति कल्याण समिति के अध्यक्ष मेडिपल्ली सत्यम तथा सदस्य वेडमा बोज्जु, के. आर. नागराजु, कव्वमपल्ली सत्यनारायण, विजयुडु, श्रीपाल रेड्डी और बसवराजु सारैया भी उपस्थित रहे। विधान परिषद के सचिव डॉ. वी. नरसिम्हा चार्युलु और विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति भी बैठक में मौजूद थे। सभापति, अध्यक्ष और सचिवों ने नवनियुक्त समिति अध्यक्षों एवं सदस्यों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सभापति गुट्टा सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानसभा समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये समितियां सरकारी विभागों के कामकाज की समीक्षा कर यह सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती हैं कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचे। उन्होंने समितियों से सरकार की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा सरकार को आवश्यक सुझाव देने को कहा। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़े मुद्दों की व्यापक समीक्षा की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना समिति की जिम्मेदारी है कि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंद अल्पसंख्यकों तक पहुंचे। अनुसूचित जाति कल्याण समिति के संबंध में उन्होंने कहा कि सदस्य क्षेत्रीय दौरे करने के साथ अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करें और अनुसूचित जातियों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में कमियों की समीक्षा कर सरकार को उचित सुझाव दें। उन्होंने बजट के अनुरूप योजनाओं पर हुए खर्च का भी विस्तृत ब्योरा लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार ने कहा कि उन्होंने भी वर्ष 2008 में अनुसूचित जाति कल्याण समिति के अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभाई थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना लंबे समय से 'गंगा-जमुनी तहजीब' का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय पीढ़ियों से एक परिवार की तरह मिल-जुलकर रहते आए हैं और त्योहारों, भाषाओं, खान-पान तथा संस्कृति को साझा करते हुए प्रेम और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी में अनुसूचित जातियों की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है।

समिति को अनुसूचित जातियों के विकास और कल्याण के लिए काम करते हुए उनकी मूलभूत जरूरतों की पहचान करनी चाहिए और उनके समाधान के लिए आवश्यक योजनाओं पर ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि समिति के सदस्य अपने अनुभव और जानकारी का उपयोग करते हुए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगे तथा सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देंगे।

पूर्व जेडपीटीसी सदस्य के घर चोरी

आठ तोला सोना और 2.80 लाख रुपये नकद

कुमरम भीम आसिफाबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात सिरपुर (टी) में एक पूर्व जेडपीटीसी सदस्य के घर से अज्ञात लोगों ने 8.5 तोला सोना, 2.80 लाख रुपये नकद और चांदी के गहने चुरा लिए। पुलिस ने बताया कि जब नेरेटी सत्यनारायण हैदराबाद में थे, तब बदमाशों ने उनके घर के दरवाजे तोड़कर लोहे की अलमारी में रखे सोने, चांदी के गहनों और नकदी की चोरी कर ली। घर लौटने पर सत्यनारायण को चोरी का पता चला। उनकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और क्लूज टीम की मदद से जानकारी जुटाई। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की जांच की। उन्होंने अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाईं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब वे घर से बाहर जाएं तो पुलिस को सूचित करें।

हैदराबाद में नए बस टर्मिनल और डिपो बनाने की योजना

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी का ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र प्रशासन अपने बस इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े विस्तार की योजना बना रहा है। इलेक्ट्रिक बसों की बढ़ती संख्या और शहर के बाहरी इलाकों के तेज़ी से विस्तार के बीच, उप्पल में एक नया बस टर्मिनल बनने की उम्मीद है।

आरटीसी की योजना पीरज़ादीगुडा कमान के पास नल्ला चेरुवु में मौजूद ज़िला बस पार्किंग सुविधा को हटाने और उप्पल वर्कशॉप परिसर में एक आधुनिक टर्मिनल विकसित करने की है। इस प्रोजेक्ट के बारे में आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है। कॉर्पोरेशन यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गजुलारामाराम और बहादुरपुरा में भी नए बस टर्मिनल बनाने की योजना बना रहा है।

इस बीच, मुशीराबाद और जवाहरनगर में नए डिपो बनाने का प्रस्ताव है। साथ ही, हैदराबाद-3 डिपो के लिए मुशीराबाद में 4.5 एकड़ की जगह की पहचान की गई है, जबकि जवाहरनगर डिपो के लिए नागारम रोड पर 4.5 एकड़ की एक और जगह का प्रस्ताव है। इसके अलावा, आरटीसी ने पहले बंद हो चुके रानीगंज-2 डिपो को आधुनिक सुविधाओं के साथ फिर से शुरू करने का भी फैसला किया है।

फिलहाल, ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में 26 बस डिपो हैं। आरटीसी का लक्ष्य इस संख्या को बढ़ाकर 31 करना है। अधिकारी यात्रियों की सुविधा के लिए बाहरी इलाकों में नए डिपो बनाने के लिए रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी ज़िला प्रशासन से उपयुक्त ज़मीन की तलाश कर रहे हैं।

एससीआर के महाप्रबंधक ने रेल परिचालन सुरक्षा की समीक्षा की

सिकंदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में रेल परिचालन की सुरक्षा को लेकर व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो सम्मेलन के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

महाप्रबंधक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा महीने के दौरान की गई रात्रि जांचों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सुरक्षित और सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से ऊपरी विद्युत उपकरण और विद्युत संबंधी कार्यों में लगे मैदानी तथा ठेका कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण और परामर्श देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य के दौरान कार्यस्थल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने कर्मचारियों के लिए नियमित पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें नवीनतम सुरक्षा मानकों, नियमों और कार्यप्रणालियों की जानकारी लगातार मिलती रहे। बैठक में रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों, माल ढुलाई केंद्रों तथा बिना सिग्नल वाले समपार फाटकों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की स्थिति की भी समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं सुरक्षा कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित रेल परिचालन रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उपराष्ट्रपति ने भारत का पहला गैर-जीएमओ पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज लॉन्च किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के मुसुनुरु में भारत के पहले गैर-जीएमओ, उच्च विस्तार क्षमता वाले पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज का शुभारंभ किया और इसे कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आंध्र प्रदेश और सात अन्य राज्यों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किसानों और गौर्मेट पॉपकॉर्निका से जुड़े भागीदारों को भी सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान राष्ट्र की रीढ़ हैं और कृषि ने भारत के सभ्यतागत और सांस्कृतिक जीवन को आकार दिया है।

उन्होंने भारतीय कृषि को मजबूत करने में प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वदेशी बीज विकास के महत्व पर जोर दिया। लॉन्च के संदर्भ में, सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत वर्षों से उच्च गुणवत्ता वाले पॉपकॉर्न मक्के के लिए आयातित हाइब्रिड तकनीक पर निर्भर रहा है। उन्होंने कहा कि यह नई स्वदेशी हाइब्रिड तकनीक ऐसी निर्भरता को कम करने और विदेशी मुद्रा संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने गौर्मेट पॉपकॉर्निका और किसानों को भारतीय मिट्टी पर विकसित एक भारतीय समाधान के लिए बधाई दी, जिसमें वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है। उपराष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की किसान-केंद्रित पहलों की सराहना की, जिनमें पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन और नमो ड्रोन दीदी शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में दूरदर्शी पहलों की भी प्रशंसा की, जिनमें रायथु बाजार, बागवानी एवं प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन और किसान-केंद्रित सहायता प्रणाली शामिल हैं।

किसान-उद्यम साझेदारी के व्यापक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए, सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आठ राज्यों में फैले 17,500 से अधिक किसान, लगभग 40,000 एकड़ भूमि पर खेती करते हुए, गौर्मेट पॉपकॉर्निका के सफर का हिस्सा हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश के एक स्थानीय उद्यम से पॉपकॉर्न मक्का प्रसंस्करण के एक प्रमुख उद्यम के रूप में एसबीपी पट्टाभि रामाराव और गौर्मेट पॉपकॉर्निका की यात्रा की सराहना की, जिससे हजारों किसान परिवारों के लिए बाजार तक पहुंच और आय के अवसर मजबूत हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक विकसित भारत का निर्माण जमीन से होगा - किसानों द्वारा जोती गई मिट्टी से, वैज्ञानिकों और उद्यमियों द्वारा परिष्कृत बीजों से, और एकड़ दर एकड़ मजबूत होती आत्मनिर्भरता से। उन्होंने कहा कि मुसुनुरु पहल यह दर्शाती है कि कैसे नवाचार, उद्यमशीलता और किसान साझेदारी एक मजबूत, अधिक आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कृषि क्षेत्र का निर्माण कर सकती है।

अपने आगमन पर, उपराष्ट्रपति ने गौर्मेट पॉपकॉर्निका फैक्ट्री और कोल्ड स्टोरेज सुविधा का भी दौरा किया, जहां उन्हें मक्का प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और भंडारण के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री नारा लोकेश, किंजरापु अचन्नाइडु और कोलुसु पार्थसारथी, अन्य गणमान्य व्यक्ति और गौर्मेट पॉपकॉर्निका के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश सरकार कृष्णा नदी के जल का खुलेआम दुरुपयोग कर रही है: निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने आरोप लगाया है कि आंध्र प्रदेश सरकार कृष्णा नदी के जल का खुलेआम दोहन कर रही है। शहर के तेलंगाना भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने 'जलयाग्नम' योजना के अंतर्गत शुरू की गई वेलिगोंडा परियोजना पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि श्रीशैलम परियोजना में जलस्तर 854 फीट तक पहुंचने पर पोथिरेड्डीपाडु हेड रेगुलेटर और मलयाला तथा हांड्री-नीवा लिंक्स से युक्त मौजूदा प्रणाली कार्यरत है। इसके अलावा, इसी श्रीशैलम परियोजना के 840 फीट जलस्तर पर 'नल्लामाला सागर' नामक नवनिर्मित जलाशय को पानी पहुंचाने के लिए 19.2 किलोमीटर लंबी एक अलग सुरंग खोदी गई है। उन्होंने दावा किया कि उपयोग योग्य जल क्षमता 43 टीएमसी है, जबकि जलाशय की वास्तविक क्षमता 53 टीएमसी है।

उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण और सुरंग निर्माण का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने वेलिगोंडा परियोजना के बारे में कहा कि केवल नहर के द्वार खोलने से ही पानी निकाला जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि पोथिरेड्डीपाडु से पानी निकालने के बाद जब श्रीशैलम में जलस्तर 854 फुट से नीचे गिरेगा, तो पानी को 840 फुट पर स्थित वेलिगोंडा जलाशय की ओर मोड़ दिया जाएगा। सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने सवाल उठाया, वे 31 अगस्त को इस परियोजना का उद्घाटन करने की तैयारी कर रहे हैं। यह परियोजना आंध्र प्रदेश राज्य के प्रकाशम जिले के मार्कपुरम क्षेत्र के साथ-साथ नेल्लोर और कडप्पा जिलों के कुछ हिस्सों में फैले 33 मंडलों में 45 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आप कहां सो रहे हैं? उत्तम कुमार रेड्डी, आप कहां हैं? आप क्या कर रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के नेता नलगोंडा और पलामुरु जिलों में उपलब्ध पानी की आपूर्ति करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि अक्षम मुख्यमंत्री, अक्षम सिंचाई मंत्री और जिला मंत्रियों को स्थिति की कोई समझ नहीं है और उन्हें इन मामलों की कोई जानकारी नहीं है।

मथुरा में कारें आधी डूबीं, अंडरपास में पानी भरा

नोएडा में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियों पर पानी यूपी के 15 शहरों में बारिश, 2 की मौत

लखनऊ/वाराणसी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। सोमवार को नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, मेरठ, वाराणसी और मथुरा समेत 15 शहरों में रुक-रुक कर तेज बारिश हुई। मथुरा में इतनी बारिश हुई कि अंडरपास में 2 फीट तक पानी भर गया। सड़कें तालाब बन गईं। कारें आधी डूब गईं। कई बाइक और ऑटो भी पानी में फंसकर बंद हो गए।

नोएडा में सेक्टर 62 मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियों के पास पानी भर गया। गाजीपुर और जौनपुर में 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक युवक की जान चली गई। मुगलसराय में कच्ची दीवार गिरने से एक मासूम की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने आज 65 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 9 जिलों में बहुत भारी और 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इधर, लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 92 गांवों में फसलें खराब हो गई हैं। 26 गांव टापू बन गए हैं। ललितपुर में रविवार को सैर नाले पर बना पुल डूब गया। तेज बहाव के बीच एक युवक बाइक लेकर पुल पार करने लगा, जिससे उसकी बाइक बह गई। गनीमत रही कि युवक बाल-बाल बच गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- पूर्वी यूपी में बने चक्रवाती सिस्टम और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। अगले कुछ दिन तक पूर्वी यूपी में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पूर्वी यूपी के दक्षिणी हिस्सों में बहुत भारी बारिश के आसार हैं। पश्चिमी यूपी में पछुआ हवाओं की वजह से फिलहाल तेज या भारी बारिश की संभावना काफी कम है।

झांसी में बारिश बनी आफत! मकान का हिस्सा भरभराकर गिरा

मलबे में दबे दंपति, पत्नी की मौत

झांसी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। लगातार हो रही बारिश के बीच सोमवार सुबह शहर कोतवाली क्षेत्र की चूड़ी वाली गली में एक मकान का पिछला हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान में मौजूद पति-पत्नी मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने मलबे के नीचे दबे मुकेश कुमार और उनकी पत्नी सूरज देवी को बाहर निकाला। दोनों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान सूरज देवी की मौत हो गई, जबकि मुकेश कुमार का गंभीर हालत में उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि मकान का पिछला हिस्सा काफी पुराना था। इसका कुछ हिस्सा कच्चा और कुछ हिस्सा पक्का था। लगातार बारिश के कारण यह हिस्सा कमजोर होकर धंस गया और अचानक भरभराकर गिर पड़ा।

आजम का किला ढहाने वाले आईएएस को नहीं मिला सेवा-विस्तार

संगीता सिंह मुरादाबाद की कमिश्नर बनीं, यूपी में 17 आईएएस के तबादले

अलीगढ़, 24 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने रविवार रात 17 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। अलीगढ़ कमिश्नर संगीता सिंह को मुरादाबाद की कमान सौंपी गई। इसके साथ ही यह साफ हो गया है कि सपा नेता आजम खान का किला ढहाने वाले मुरादाबाद कमिश्नर आन्जनेय सिंह को 8वीं बार सेवा विस्तार नहीं मिला। उन्हें सरकार ने रिलीव कर दिया। अब उनका सिक्किम कैडर में लौटना तय है। हालांकि, वे अब नई दिल्ली में सिक्किम के स्थानिक आयुक्त के पद पर तैनाती पाने का प्रयास कर रहे हैं।

इसके अलावा, यूपी जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. राजशेखर को हटा दिया गया है। उनकी कार्यशैली से जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह नाराज थे। चैत्रा वी को मंत्री दयाशंकर दयालु की नाराजगी के बाद हटा दिया गया है। चीनी की किल्लत की खबरों के बीच वेटिंग में चल रहीं आईएएस अमृत पाल कौर को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें चीनी

मिल्स संघ लिमिटेड का संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाया गया है।

आन्जनेय सिंह 6 मार्च 2021 से 14 अगस्त 2026 तक 5 साल और 5 महीने मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर (मंडलायुक्त) रहे। 14 अगस्त को उनके सेवा विस्तार की अवधि खत्म हो गई थी। अगले दिन 15 अगस्त को वे मुरादाबाद के डीएम राजेंद्र पेंसिया को अपना चार्ज देकर 2 माह की छुट्टी पर चले गए थे।

आन्जनेय सिंह 2005 बैच के सिक्किम कैडर के आईएएस हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुरोध पर सपा सरकार में अखिलेश यादव उन्हें यूपी लाए थे। तब से लगातार 7 बार उन्हें यूपी में सेवा विस्तार दिया गया। आन्जनेय सिंह ने अपने मूल कैडर सिक्किम में महज 8 साल बिताए हैं। यूपी में उन्हें नौकरी करते हुए 11 साल पूरे हो गए थे।

आन्जनेय वही अफसर हैं, जिनके बारे में 2019 में दी गई हेट स्पीच की वजह से आजम को विधायकी तक गंवानी पड़ी थी। तब आन्जनेय रामपुर के डीएम यानी कलेक्टर हुआ करते थे। 2019 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आजम ने कहा था- कलेक्टर-फलक्टर से मत डरियो, ये तनखैय्या हैं..तनखैय्यों से नहीं डरते हैं। अल्लाह ने चाहा तो इनसे जूते साफ कराऊंगा। आजम को यह बयान बहुत महंगा पड़ा। डीएम रहते हुए आन्जनेय ने आजम के खिलाफ एक के बाद एक कई कड़ी कार्रवाई की। आजम को 3 साल की सजा हुई।

यूपी जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. राजशेखर को साइडलाइन कर दिया गया है। उन्हें नियोजन विभाग का सचिव बनाया गया है। माना जा रहा है कि गांवों में हर घर नल योजना के क्रियान्वयन की शिकायतों के बाद उनका तबादला किया गया है। राजशेखर की कार्यशैली से जलशक्ति मंत्री नाराज थे।

इसके अलावा, विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव से भी उनकी नहीं बन रही थी। पिछले दिनों एक बैठक में सीएम योगी ने भी नाराजगी जाहिर की थी। राजशेखर की जगह सहकारिता विभाग के आयुक्त योगेश कुमार को जल निगम का प्रबंध निदेशक जैसा अहम पद सौंपा गया है।

महानिदेशक आयुष एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय आयुष मिशन के पद पर तैनात चैत्रा वी. को साइडलाइन कर राजस्व परिषद में सदस्य बनाया गया है। चैत्रा वी. की विभाग के प्रमुख सचिव रंजन कुमार और विभागीय मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु से नहीं पट रही थी। दोनों उनके कामकाज को लेकर नाराज थे।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 4 लाख का ही लोन मिलेगा

बैकफुट पर आई बिहार सरकार 4 दिन में 2 बार राज्यपाल से मिले सीएम सम्राट चौधरी

पटना, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 4 लाख का लोन ही मिलेगा। सीएम सम्राट चौधरी ने X पर पोस्ट लिखा है कि 'स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में किसी भी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए। उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिल रहा है और यह सुविधा आगे भी पूर्ववत ही जारी रहेगी। बिहार सरकार युवाओं की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षा के रास्ते में आर्थिक संसाधन को कभी भी बाधा नहीं बनने दिया जाएगा।' इस ऐलान के बीच सीएम सम्राट चौधरी ने आज राज्यपाल से मुलाकात की है। 4 दिन के अंदर मुख्यमंत्री की गवर्नर से ये दूसरी मुलाकात है।

काल गणना मनु ने दी, आपके नाना-परनाना ने नहीं

राहुल गांधी पर बरसे योगी, कहा- देश को आपसे कोई अपेक्षा नहीं

रायबरेली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के महाराष्ट्र में दिए बयान पर पलटवार किया है। सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी बेटियों को भड़काने का काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि मनुस्मृति से बाहर निकल आएं। उन्होंने कहा कि काल गणना मनु ने दी। राहुल जी, यह आपके नाना ने नहीं दी है, परनाना ने नहीं दी है, आपकी दादी ने नहीं दी है।

सीएम योगी ने राहुल गांधी के बयान का जिक्र किया। सीएम योगी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी पर जमकर बरसे। कहा कि राहुल गांधी के रूप में ये देश आपसे बहुत अपेक्षा नही करता, लेकिन भारत की संसद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आपको देश के लोकतंत्र के रूप में जवाबदेह बनाता है।

सीएम योगी रायबरेली में वीर सेनानायक राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों को भूल जाते हैं, उसका कोई भविष्य नही होता।

सीएम योगी राहुल गांधी पर जमकर बरसे। सीएम योगी ने कहा कि दुर्भाग्य से भारत की परंपरा और मूल्यों को विस्मृत करके भ्रम में डालकर एक ठेका ले लिया है, भारत के खिलाफ षडयंत्र करने का।

सीएम योगी ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आपने संविधान की शपथ ली थी, आप भारत की परंपरा को विरासत को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। यूपी के बाहर जाते हैं तो यूपी को लांछित और अपमानित करते है, भारत के बाहर जाते हैं तो भारत का अपमान करते हैं। योगी ने राहुल पर जमकर हमला बोला, उन्होंने कहा कि भारत की सेना जब सीमाओं पर लड़ती है तो आप भारत सेना से प्रमाण मांगते हैं,आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में देशद्रोही तत्वों को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के अस्तित्व पर आपकी पार्टी प्रश्न खड़ा करती है, और लोकतंत्र के प्रति आपकी निष्ठा क्या है, यह तो 1975 में इस देश ने आपातकाल के काले साये को देखा है।

सीएम योगी ने राहुल को सलाह देते हुए कहा कि सीएम योगी ने राहुल गांधी को सलाह दी कि मनु को जानना है, तो अथर्ववेद पढ़िए, मत्स्य पुराण पढ़िए, सारी जानकारी मिल जाएगी।

मधेपुरा के मंदिर में धक्का-मुक्की में 8 घायल

बैरिकेडिंग पर गिरने से महिला का सिर फटा सावन सोमवार पर जलाभिषेक के लिए कतारें

मधेपुरा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में सावन के अंतिम सोमवार पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। इससे मंदिर परिसर में धक्का-मुक्की शुरू हो गई और कतार टूटने से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कुछ श्रद्धालु गिर गए। एक महिला के सिर में चोट लगी, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं।

भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उसकी वर्दी भी फट गई।

सभी घायलों को जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। करीब आधे घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। इसके बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया। फिलहाल मंदिर में पूजा और जलाभिषेक जारी है।

सिंहेश्वर धाम में रात 1 बजे सरकारी पूजा के बाद पट खुलते ही हजारों की भीड़ मंदिर पहुंच गई। एक महिला श्रद्धालु लोहे की बैरिकेडिंग पर गिर गई, जिससे उसका सिर फट गया।

सूचना मिलते ही मधेपुरा डीएम, एसपी, एसडीएम और एसडीपीओ मंदिर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर भीड़ को कतार में किया गया। मंदिर न्यास समिति ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। सावन महीने के चौथे सोमवार को झारखंड के मंदिरों में भी हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। देवघर बाबा मंदिर से 4 किमी लंबी कांवड़ियों की लंबी लाइन लगी हुई है।

बिहार के समस्तीपुर के थानेश्वर स्थान मंदिर में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने की संभावना है।

निशांत की आधी रात सर्जिकल स्ट्राइक

डॉक्टर गायब चादर-पर्दे नदारद, भड़के स्वास्थ्य मंत्री

सीतामढ़ी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार अपने दो दिवसीय सीतामढ़ी दौरे के दौरान रविवार देर रात अचानक सीतामढ़ी सदर अस्पताल पहुंचे। मंत्री निशांत कुमार के इस औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

उन्होंने विभिन्न वार्डों का जायजा लिया और वहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल जाना। इस दौरान अस्पताल में साफ-सफाई की बदहाली, कमियों का अंबार और डॉक्टरों-कर्मचारियों की गैरहाजिरी देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। निशांत ने दोषी अधिकारियों और ड्यूटी से गायब कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने वीडियो शेयर करते हुए

लिखा, 'सीतामढ़ी सदर अस्पताल का बीती रात औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान साफ-सफाई की कमी, समय पर बेडशीट नहीं बदलने सहित कई अन्य कमियां सामने आईं। एम्बुलेंस सेवा, रेडियोलॉजिस्ट और आउटसोर्स स्ट्रेचर की जिम्मेदारी संभाल रही एजेंसियों के कामकाज की भी समीक्षा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों से सभी कमियों, जरूरी दवाओं, उपकरणों और मैनपावर की पूरी सूची मांगी है, ताकि व्यवस्था को बेहतर किया जा सके। मरीजों को बेहतर इलाज और जरूरी सुविधाएं मिलें, यह हमारी प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि अस्पताल में एंबुलेंस सेवा की मनमानी और आउटसोर्सिंग कार्यों की गहन जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा, 'अस्पताल प्रशासन से ड्यूटी से अनुपस्थित डॉक्टरों और कर्मियों की सूची मांगी गई है। लापरवाही बरतने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।'

गायब डॉक्टर और स्टाफ: औचक निरीक्षण के दौरान कई डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ ड्यूटी से गायब पाए गए।

सुविधाओं और साफ-सफाई का अभाव: मरीजों के बेड पर चादरें नहीं थीं, खिड़कियों से पर्दे नदारद थे और डॉक्टर बिना एप्रन पहने ड्यूटी कर रहे थे।

पीने के पानी का संकट: अस्पताल में लगे 4 आरओ बिजली कनेक्शन न होने के कारण बंद पड़े थे, जिससे मरीजों को पानी नहीं मिल पा रहा था।

स्कूल में बेटी को मच्छर ने काटा, डीएम से शिकायत

प्रोफेसर पिता ने कहा- स्कूल पूरी फीस लेता है, बीमार हुई तो कौन जिम्मेदार होगा

मुरादाबाद, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद में प्रोफेसर की एलकेजी में पढ़ने वाली 6 साल की बेटी को स्कूल में मच्छर ने काट लिया। बच्ची ने घर में पिता को बताया तो उन्होंने डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को मेल करके स्कूल की शिकायत कर दी। प्रोफेसर पिता ने कहा- 'अगर मच्छर के काटने से उनकी बेटी को बीमारी होती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?'

प्रोफेसर डॉ. सोनू सिंह ने कहा- बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना स्कूल की जिम्मेदारी है। वह फीस लेते हैं। ऐसे में डीएम मामले में स्कूल की जवाबदेही तय करें। डॉ. सोनू सिंह एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। 19 अगस्त को उन्होंने डीएम को ई-मेल भेजकर शिकायत की।

यही नहीं, प्रोफेसर पिता ने कहा कि वे 8 साल तक अमेरिका में न्यूरोसाइकोलॉजी और

न्यूरोसाइंसेज पर रिसर्च कर चुके हैं। इसलिए मच्छर से होने वाली बीमारियों के खतरे को अच्छी तरह समझते हैं। मामला कांठ रोड स्थित शिरडी साईं पब्लिक स्कूल का है।

प्रोफेसर ने शिकायत में कहा है- जब पहली बार बेटी को स्कूल में मच्छर ने काटा था तो इसकी शिकायत स्कूल डायरी में विद्यालय प्रशासन से की। बावजूद स्कूल की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद बेटी को फिर से मच्छर ने काट लिया। इसलिए उन्हें स्कूल की शिकायत करनी पड़ी।

पूरी फीस जमा, स्कूल जिम्मेदारी नहीं निभा रहा

उन्होंने कहा कि पैरेंट्स होने के नाते हम अपने बच्चों को स्कूल के भरोसे छोड़ते हैं। उम्मीद करते हैं कि स्कूल उन्हें एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएंगे। लेकिन पूरी फीस जमा करने के बाद भी स्कूल अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं।

'डॉल्फिन का तेल निकालूंगा', शिकार का मछुआरे ने बनाया वीडियो

पुलिस पहुंची घर तो परिजन बोले- नदी में फेंक दिया

सहरसा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा जिले में दो मछुआरा ने कोसी नदी में मछली पकड़ने के लिए जाल डाल रखा था। जाल में मछली के साथ एक डॉल्फिन भी फंस गई। डॉल्फिन के शिकार का मधुआरों ने वीडियो बनाया। वीडियो बनाने वाले एक मछुआरा दूसरे से पूछता है- 'अब इस डॉल्फिन का क्या करोगे?' इस पर वो जवाब देता है- 'डॉल्फिन का तेल निकालूंगा।' वीडियो सामने आने के बाद वन विभाग ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना डरहार थाना क्षेत्र की है। वीडियो 21 अगस्त का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, मछुआरे की पहचान नौहट्टा थाना क्षेत्र निवासी वीरेन्द्र मुखिया के रूप में हुई है।

ब्लाइंड केस में पुलिस को राह दिखाएगी खोजी डॉग 'रूही'

झांसी पुलिस को 3 साल बाद मिला खोजी कुत्ता, गंध सूंघकर आरोपी पकड़ने में माहिर

झांसी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी पुलिस के बेड़े में रूही नाम के एक खोजी डॉग को शामिल किया गया है। जर्मन शेफर्ड नस्ल की लेडी डॉग रूही गंध सूंघकर अपराधियों तक पहुंचने में माहिर है। इससे माना जा रहा है कि ये लेडी डॉग ब्लाइंड केस में पुलिस को राह दिखाएगी।

अपराधियों की धरपकड़ और अनसुलझे मामलों की गुत्थी सुलझाने में खोजी डॉग पहले भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। लेकिन दो खोजी डॉग की मौत के बाद 3 साल से खोजी डॉग की कमी खल रही थी। लेकिन अब झांसी को एक खोजी डॉग दिया गया है।

यह लेडी डॉग रूही ट्रैकर के तौर पर काम करेगी। ग्वालियर के टेकनपुर स्थित राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र में 9 माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद झांसी में उसे पहली तैनाती दी गई। उसके साथ डॉग हैंडलर और सहायक को भी इस लंबे प्रशिक्षण के बाद यहां भेजा गया है।

रूही घटनास्थल पर अपराधियों की गंध सूंघकर उन तक पहचाने में मदद करेगी। खास तौर से जिन मामलों में प्रत्यक्षदर्शी अथवा सीसीटीवी कैमरे नहीं होते, उनमें इनकी भूमिका अहम साबित हो सकेगी।

झांसी के डॉग स्क्वायड में लूसी और यूली नामक दो लेडी जर्मन शेफर्ड काम कर चुकी हैं। 50 से भी अधिक मामलों को सुलझाने में दोनों ने पुलिस की मदद की थी। यूली की 31 अगस्त 2023 को मौत हो गई, जबकि लूसी उर्फ रानी की 31 मई 2022 में मौत हुई थी। उनकी मौत के बाद से झांसी पुलिस के पास कोई खोजी कुत्ता नहीं बचा। अब रूही की तैनाती के बाद से झांसी में नया डॉग दस्ता तैयार हो गया। सीओ लाइन आसमा वकार का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर इसकी मदद ली जाएगी।

जर्मन शेफर्ड को उसकी बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास, साहस, सतर्कता, शारीरिक क्षमता और प्रशिक्षण को जल्दी सीखने की क्षमता के कारण पुलिस विभाग में सबसे अधिक मांग है। रूही के हैंडलर गौरव चाहर के मुताबिक अलग-अलग गंध पहचानने, किसी व्यक्ति की गंध का पीछा करने, विस्फोटक या मादक पदार्थ तलाशने और लापता लोगों की खोजने जैसे काम के लिए इसे प्रशिक्षित किया गया है। ट्रैकिंग में प्रशिक्षित कुत्ता किसी व्यक्ति की विशिष्ट गंध को पकड़कर उसके रास्ते का पीछा कर सकता है।

खौलते गुड़ की कढ़ाही में गिरकर जिंदा जला युवक

1 मिनट तड़पता रहा, 70 हजार कमाने लखीमपुर से महाराष्ट्र गया था

लखीमपुर-खीरी, 24 अगस्त (एजेंसियां)। लखीमपुर का रहने वाला 25 साल का युवक खौलते गुड़ की कढ़ाई में गिरकर जिंदा जल गया। वह 1 मिनट तक कढ़ाई में तड़पता रहा। दर्द से तड़पते हुए वह 'बचाओ, अरे भैया बचाओ' गुहार लगाता रहा।

चीख सुनकर प्लांट में मौजूद उसके साथी दौड़े। बड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी पूरी खाल उतर चुकी थी। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना 21 अगस्त की है। वीडियो रविवार की शाम करीब 9 बजे सामने आया। युवक महाराष्ट्र के गुड़ प्लांट में काम करता था। परिवार पर 70 हजार रुपए कर्ज था। उसी कर्ज को उतारने के लिए वह कमाने महाराष्ट्र गया था।

लखीमपुर में ईसानगर के मूड़ी गांव के दानिश (25 साल) की शादी दो साल पहले हुई थी। वह करीब चार महीने पहले 15 अन्य लोगों के साथ महाराष्ट्र गया था। परिवार में पत्नी, दो महीने का बेटा, माता-पिता और एक बड़ा भाई और बहन हैं।

बड़े भाई गुड्डू पर 70 हजार रुपए का कर्ज था। उसे चुकाने के लिए ही वह कमाने गया था। तारीख 21 अगस्त, समय दोपहर 2:25 बजे। प्लांट में दो बड़ी-बड़ी कढ़ाई में गुड़ खौल रहा था।

दुर्गा शक्ति नागपाल का तबादला किया जाए

हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद पूर्व आईपीएस ने उठाई मांग

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर देवीपाटन मंडल की मंडलायुक्त आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल के तत्काल स्थानांतरण और पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। यह मांग इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ द्वारा 21 अगस्त 2026 को पारित एक आदेश के खिलाफ उठाई गई है। आदेश में न्यायालय ने गोंडा की सिविल जज और मंडलायुक्त के बीच हुई फोन वार्ता को न्याय-प्रशासन में अनुचित हस्तक्षेप माना है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने अपने पत्र में बताया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सिविल जज और

कमिश्नर के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत का स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया इसे एक न्यायिक अधिकारी को प्रभावित करने और न्यायिक प्रक्रिया में दखल देने का गंभीर प्रयास करार दिया है।

हाई कोर्ट ने इस प्रकरण को न्याय-प्रशासन में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इसे आपराधिक अवमानना की सुनवाई के लिए सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अमिताभ ठाकुर ने मुख्य सचिव से मांग की है कि हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणियों और निर्देशों के क्रम में आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल को तुरंत गोंडा मंडल के कमिश्नर पद से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी का जिले या मंडल में बने रहना उचित नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने महिला जज के साथ हुई बातचीत और उसके बाद के संपूर्ण घटनाक्रम की एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय प्रशासनिक जांच कराने की भी मांग उठाई। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष ने शासन से यह भी आग्रह किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

विजय की पीएम दावेदारी पर सहयोगी ने ली चुटकी

272 सांसद जुटाइए, प्रधानमंत्री बन जाइए : कार्ति चिदंबरम

चेन्नई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता से नेता बने सी. जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री बनाने की मांग पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश का प्रधानमंत्री बनने के लिए किसी नेता के पास कम से कम 272 सांसदों का समर्थन होना जरूरी है।

देश का प्रधानमंत्री बनने के लिए किसी नेता के पास कम से कम 272 सांसदों का समर्थन होना जरूरी है। जिस भी पार्टी के पास लोकसभा में यह संख्या होगा उसी गठबंधन का नेता प्रधानमंत्री बनेगा।

कार्ति चिदंबरम, कांग्रेस सांसद

जिस भी पार्टी के पास लोकसभा में यह संख्या होगा उसी गठबंधन का नेता प्रधानमंत्री बनेगा। इसके साथ ही कार्ति ने 'वंदे मातरम्' के केवल दो अंतरे गाए जाने का बचाव करते हुए भाजपा पर पलटवार किया और कांग्रेस की राष्ट्रवादी विरासत का हवाला दिया। उन्होंने धनुष के राजनीति में आने की चर्चा, मेकेदातु बांध और कावेरी जल बंटवारे, हिरासत में मौतों, पुलिस सुधार, ऑनर किलिंग तथा विधायकों के परिवहन व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी अपनी राय रखी।

'272 सांसद जुटाने वाला गठबंधन अपना नेता बनाएगा पीएम'

विजय के समर्थकों द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री बनाए जाने की मांग और इस तरह की राजनीतिक चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्ति ने कहा,'कोई भी राजनीतिक गठबंधन जो यह संख्या हासिल करेगा, उसके नेता प्रधानमंत्री बनेंगे।' उनके इस बयान को आगामी राजनीतिक समीकरणों और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री पद को लेकर सवालों के बीच कार्ति ने कांग्रेस के राष्ट्रवाद पर उठ रहे सवालों को भी खारिज किया। 'वंदे मातरम्' के गायन में केवल दो अंतरे गाए जाने को लेकर बीजेपी की आलोचना पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रवाद और देशभक्ति का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा,'हम राष्ट्रवादी हैं। हम ऐसी पार्टी से आते हैं, जिसका राष्ट्रवाद और देशभक्ति का लंबा इतिहास रहा है। इसलिए भाजपा को हम पर किसी तरह की टिप्पणी या संदेह करने की जरूरत नहीं है।'

'दो अंतरे गाने का फैसला इतिहास के दिग्गजों ने लिया था'

'वंदे मातरम्' के केवल दो अंतरे गाए जाने को लेकर हो रही आलोचना पर कार्ति ने भाजपा को इतिहास पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं ने सामूहिक विचार-विमर्श के बाद यह फैसला किया था कि राष्ट्रीय गीत के रूप में केवल दो अंतरे उपयुक्त और पर्याप्त होंगे।

धनुष के राजनीति में आने की चर्चा पर कार्ति का दो टूक जवाब

अभिनेता धनुष के राजनीति में प्रवेश करने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर कार्ति ने बेहद संक्षिप्त प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा,'मैं उनकी फिल्में नहीं देखता।' मेकेदातु बांध के मुद्दे और इसके तमिलनाडु तथा पुडुचेरी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर कार्ति ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु को हर साल कावेरी नदी के पानी में उसका उचित हिस्सा मिले। उन्होंने कहा कि कावेरी प्रबंधन बोर्ड के प्रावधानों के अनुसार तमिलनाडु को उसका हिस्सा लगातार मिलना जरूरी है।

कोलकाता एयरपोर्ट के पास कार शोरूम में लगी भीषण आग

22 नई कारें जलकर खाक, वजह की जांच जारी

कोलकाता, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बांकरा में सोमवार सुबह एक कार शोरूम में भीषण आग लग गई। जिसमें 22 नई कारें जलकर खाक हो गईं। वहीं, आठ अन्य बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन आज सुबह कार शोरूम में लगी आग ने खतरनाक रूप ले लिया था। मौके पर कुल आठ दमकल गाड़ियां पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। जब यह रिपोर्ट लिखी जा रही थी, तब कूलिंग का काम चल रहा था और दमकलकर्मी पूरी तरह जल चुके शोरूम के अंदर छिपी हुई आग की जगहों का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे। राज्य के फायर सर्विस डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि आग सबसे पहले सुबह करीब 5 बजे कुछ स्थानीय लोगों ने देखी।

'ये जिहादी मानसिकता' गणेश प्रतिमा के जुलूस में अंडे फेंके जाने पर भड़के नितेश राणे

कहा-मिट्टी में मिला देंगे

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के मझगांव में गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के दौरान कथित तौर पर अंडे फेंके जाने के बाद दो गुटों के बीच तनाव और झड़प की स्थिति बन गई। अब इस मामले पर महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वे अपना असली रंग दिखा रहे हैं। नितेश राणे ने कहा, 'देखिए, मझगांव में गणेश चतुर्थी के मौके पर निकाली गई रैली के दौरान उन्होंने अपना असली रंग दिखा दिया। इसीलिए हम उन्हें 'हरे सांप' कहते हैं। कल यह बात फिर साबित हो गई।

ईद के जश्न शांति से मनाए जाते हैं, तो क्या इस हिंदू राष्ट्र में हिंदुओं को अपने त्योहार मनाने का अधिकार नहीं है? क्या कोई ऐसी एक भी घटना बता सकता है जब हिंदुओं ने ईद के जश्न के दौरान कोई गड़बड़ की हो?

नितेश राणे, महाराष्ट्र सरकार के मंत्री

जो लोग गंगा-जमुनी तहजीब, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव की बातें करते हैं। वे अब कहां गायब हो गए हैं? वे कहां छिपे हैं? हम मिट्टी में मिला देंगे। नितेश ने आगे कहा, 'उन्हें जवाब देना चाहिए। ईद के दौरान जो नियम लागू होते हैं। उसका पालन होता है। जब ईद का जश्न शांति से मनाए जाते हैं, तो क्या इस हिंदू राष्ट्र में हिंदुओं को अपने त्योहार मनाने का अधिकार नहीं है? क्या कोई ऐसी एक भी घटना बता सकता है जब हिंदुओं ने ईद के जश्न के दौरान कोई गड़बड़ की हो?' मंत्री नितेश राणे कहते हैं, 'मामले दर्ज किए गए हैं। जांच चल रही है, लेकिन असल में यह मानसिकता का मामला है। इसे ही हम 'जिहादी मानसिकता' कहते हैं। यह किसी खास व्यक्ति की बात नहीं है, लेकिन अगर कोई हमारे देश में बैठकर 'जिहाद' जैसी हरकतें करना चाहता है, तो क्या कोई हिंदू पाकिस्तान में ऐसा कुछ करने की हिम्मत करेगा? अगर वहां ईद या मुहर्रम का त्योहार मनाया जा रहा हो, तो क्या लोग किसी हिंदू को पत्थर फेंकते हुए बर्दाश्त करेंगे? देखिए बांग्लादेश में क्या हो रहा है। खबर है कि कल ही चार हिंदुओं की हत्या कर दी गई।' उन्होंने आगे कहा, 'देखिए, 'गजवा-ए-हिंद' के कॉन्सेप्ट के तहत, वे 2047 तक इस देश को इस्लामिक राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसीलिए, जहां भी हिंदू त्योहार मनाए जाते हैं, जहां भी हिंदुओं की आबादी ज्यादा है, और जहां भी हिंदू अपने त्योहार मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं।

परिसीमन और जनगणना के पीछे छिप रही सरकार खानपान खुद की पसंद पर निर्भर : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा ने सोमवार को दिल्ली में कई अहम मुद्दों पर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा।

उन्होंने अयोध्या में मछली भोज विवाद, महिला आरक्षण, एनएसए अजित डोभाल के चीन दौरे और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के अमेरिका दौरे को रद्द करने के मामले पर अपनी बात रखी। अयोध्या में कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय के स्वागत के दौरान हुए मछली भोज पर पवन खेड़ा ने कहा कि जिस निषाद जी ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की है, वह हाल ही में भाजपा से आए हैं। अगर कोई अपने घर या कार्यक्रम में किसी को बुलाता है तो क्या आप तय करेंगे कि क्या पकाना है और क्या नहीं? उन्होंने कहा, अजय राय शाकाहारी हैं, वो अलग बात है। किसी को भी ये हक नहीं होना चाहिए कि कोई क्या खाएगा और क्या नहीं खाएगा।

लेकिन अगर निषाद समुदाय मछली नहीं खाएगा तो क्या आरएसएस तय करेगा कि निषाद समुदाय को क्या और कब खाना चाहिए? वो खुद को समझते क्या हैं? हम आज तक नहीं समझ पाए कि ये कौन होते हैं यह तय करने वाले कि मुसलमान हिजाब पहनें या निषाद मछली खाएं। आप होते कौन हैं और क्यों? इसीलिए राहुल गांधी बार-बार आरएसएस को निशाना बनाते हैं और कहते हैं कि वे सबकी निजी जिंदगी में घुसकर यह तय करना चाहते हैं कि कौन क्या खाए, कब खाए, क्या पहने और कौन सी भाषा बोले।

सरकारी दफ्तर में 'साहब' का शाही बर्थडे, हाथी पर एंट्री और नोटों जैसे केक का वीडियो वायरल-नोटिस जारी

उज्जैन, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वल्लभनगर जोन के सहायक यंत्री का जन्मदिन शाही अंदाज में मनाए जाने का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विभाग के कर्मचारी और सहायक यंत्री के चाहने वाले उन्हें हाथी पर बैठाकर ढोल-नगाड़ों के साथ कार्यालय में प्रवेश कराते नजर आ रहे हैं। इसके बाद कार्यालय के बाहर डांस किया गया और 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियों जैसी डिजाइन वाले केक को काटकर जन्मदिन का जश्न मनाया गया।

सहायक यंत्री के बर्थडे का गजब जश्न

हाथी पर बैठकर कार्यालय में हुई शाही एंट्री

500 के नोटों की गड्डियों जैसा केक काटा

पूरा मामला मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वल्लभनगर जोन से जुड़ा है। यहां के सहायक यंत्री रविकांत मालवीय का जन्मदिन बीते सप्ताह मनाया गया। आमतौर पर रविवार को शासकीय कार्यालयों में अवकाश रहता है, लेकिन इस आयोजन में बड़ी संख्या में कर्मचारी और सहायक यंत्री के परिचित शामिल हुए। सभी ने शाही अंदाज में सहायक यंत्री रविकांत मालवीय का जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

सरकारी कार्यालय में जन्मदिन मनाना अपने आप में कोई अपराध नहीं है, लेकिन इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया। वायरल वीडियो में कार्यालय के बाहर के साथ ही कार्यालय परिसर के अंदर भी सहायक यंत्री को जन्मदिन की बधाई दी जा रही है। इस दौरान राष्ट्रीय मुद्रा की तस्वीरों वाली डिजाइन का केक काटे जाने का दृश्य भी सामने आया है। मामले को लेकर मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री वी.के. मालवीय से बातचीत की गई। उनका कहना है कि विभाग में इस तरह जन्मदिन मनाना गलत है। सहायक यंत्री रविकांत मालवीय को नोटिस जारी किया गया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो को लेकर जब वल्लभनगर जोन के सहायक यंत्री रविकांत मालवीय से बातचीत की गई तो उनका कहना था कि यह वीडियो रविवार का नहीं, बल्कि शनिवार का है और उनका जन्मदिन इसी दिन मनाया गया था।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा उपद्रवियों ने घर में लगाई आग

इंफाल, 24 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर के सेनापति और कांगपोकपी जिलों में आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं से तनाव बढ़ गया है। सेनापति में दो समूहों के बीच गोलीबारी में एक सीआरपीएफ जवान घायल हुआ, जिसकी हालत खतरे से बाहर है। कई घरों में आग लगाए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने एनएच-2 को जाम कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जबकि ताफोउ कुकी विलेज अथॉरिटी ने दोषियों की 24 घंटे के भीतर पहचान की मांग की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव में कुछ उपद्रवियों ने एक घर में आग लगा दी। आगजनी की इस घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया। अधिकारी के मुताबिक, कांगपोकपी में हुई आगजनी की घटना के बाद सुबह करीब 4 बजे सेनापति जिले के नगा ताफोउ इलाके में कई घरों को जला दिया गया। इसके बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

पाकिस्तान से 150 दुल्हनें पहुंचीं भारत

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अटक गई शादियां, नहीं मिला था वीजा

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सालों से पाकिस्तान के सिंध प्रांत के परिवारों को वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आकर अपनी बेटियों की शादी करने में आसानी होती थी। लेकिन भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने और वीजा व सीमा मार्ग बंद किए जाने के बाद स्थिति बदल गई। इस फैसले के कारण कम से कम 150 पाकिस्तानी महिलाओं की शादियां अटक गई थीं। इन महिलाओं की भारत में पुरुषों से सगाई हो चुकी थी और वे अपने ससुराल आने का इंतजार कर रही थीं।

नागपुर के एक सामुदायिक नेता राजेश झांबिया ने रविवार को कहा, "आखिरकार लंबा इंतजार खत्म हो गया।" काफी प्रयासों के बाद केंद्र सरकार ने सिंधी महिलाओं और उनके रिश्तेदारों को शादी के लिए भारत आने के वीजा जारी किए।

पाकिस्तान से आए सिंधी प्रवासियों के लिए काम करने वाले झांबिया ने पीटीआई को बताया कि दुल्हनें और उनके परिवार के लोग मस्कट, दुबई, श्रीलंका और अन्य देशों के रास्ते ट्रांजिट होकर भारत पहुंचे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदल गए हालात

उन्होंने बताया कि सिंधी समुदाय के लोग ऐसी शादियों के लिए पहले पंजाब में वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आते थे। उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के बाद सब कुछ बदल गया। सरकार ने अटारी मार्ग से भारत आने की योजना बना रहे लोगों के वीजा खारिज कर दिए।" ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया सैन्य अभियान था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी।

झांबिया ने बताया कि इसके बाद उन्होंने रायपुर में संत युधिष्ठिरलाल शदाणी से संपर्क किया। वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी स्थित प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल शदाणी दरबार के आध्यात्मिक प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि शदाणी दरबार ने उन पाकिस्तानी महिलाओं की सूची तैयार करनी शुरू की जिनकी भारत में पुरुषों से सगाई हो चुकी थी। उन्होंने कहा, "करीब 150 दुल्हनें थीं जिनकी शादी नागपुर, रायपुर, जोधपुर, पुणे और भारत के अन्य शहरों में होनी थी।"

एसआईआर पर रार : तीन देशों में भारत के राजदूत रहे, फिर भी नागरिकता पर शक

नवदीप सूरी बोले-आम नागरिक का क्या होगा?

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय राजनयिक नवदीप सिंह सूरी ने पंजाब में चल रही मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत की ओर से तीन देशों (यूएई, मिस्र व ऑस्ट्रेलिया) में राजदूत और उच्चायुक्त के तौर पर सेवाएं देने के बावजूद उन्हें अपनी भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज देने को कहा गया।

अगर तीन देशों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके व्यक्ति को भी अपनी नागरिकता साबित करने में परेशानी हो सकती है, तो आम नागरिक का क्या होगा? मेरे पास वोटर आईडी और आधार कार्ड के अलावा पासपोर्ट जैसे दस्तावेज भी हैं।

नवदीप सिंह सूरी, पूर्व भारतीय राजनयिक

सूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास गए और अपना वोटर आईडी तथा आधार कार्ड जमा किया। उन्हें बताया गया कि सब कुछ ठीक है। हालांकि, अब मैसेज आया कि 2003 के एसआईआर रिकॉर्ड से कुछ जानकारियां मेल नहीं खा रही हैं। सूरी के मुताबिक, बीएलओ ने उन्हें एक नोटिस लेने और कुछ दस्तावेजों के साथ दोबारा आने को कहा, ताकि उनकी भारतीय नागरिकता स्थापित की जा सके। पूर्व राजनयिक ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह 2003 में भारत में मौजूद नहीं थे। इसके बाद उनसे नागरिकता के प्रमाण के तौर पर पासपोर्ट पेश करने को कहा गया। सूरी ने सवाल उठाया कि अगर तीन देशों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके व्यक्ति को भी अपनी नागरिकता साबित करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो आम नागरिकों के सामने क्या स्थिति होगी।

प्रशासन ने क्या कहा?

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर दलविंदरजीत सिंह ने कहा कि वह मामले की जांच करवाएंगे। वहीं, खबर लिखे जाने तक निर्वाचन आयोग, पंजाब सरकार या केंद्र सरकार की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। पंजाब में मतदाता सूची के पुनरीक्षण की घर-घर जाकर गणना का चरण हाल ही में पूरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान सीमावर्ती राज्य के 90.4 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने अपने गणना फॉर्म जमा किए हैं। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने पूर्व राजदूत नवदीप सिंह सूरी के एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े बयान को साझा करते हुए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाए हैं। चिदंबरम ने दावा किया कि अब तक सामने आए परिणामों के आधार पर एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत की करीब 10 प्रतिशत वयस्क आबादी ऐसी हो सकती है, जिसके पास नागरिकता तो होगी, लेकिन मतदान का अधिकार नहीं होगा।

'जल' रोड बनी दिल्ली : भारी बारिश से जलभराव, जाम से रेंगते दिखे वाहन; दिल्ली एयरपोर्ट से कुल 14 उड़ानें डायवर्ट

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में सुबह से हो रही बारिश की वजह से मौसम का मिजाज बदल गया है। आसमान में छाए बादलों और बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत दी है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ जलभराव और लगातार बारिश की वजह से कई उड़ानों पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने सोमवार को दिल्ली समेत एनसीआर में बारिश की संभावना जताई थी।

इस पूर्वानुमान के चलते दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में झमाझम बारिश हुई। दिल्ली में तेज बारिश के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इन तेज हवाओं और बारिश से कई इलाकों का मौसम सुहाना हो गया। बारिश और आंधी ने लोगों को लंबे समय से चली आ रही उमस से राहत पहुंचाईं।

दिल्ली एयरपोर्ट से 14 उड़ाने प्रभावित

रिपोर्ट के मुताबिक, भारी बारिश के कारण दिल्ली और एनसीआर में उड़ान संचालन बाधित हुआ। कुल 14 उड़ानें डायवर्ट की गईं, जिनमें 2 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल थीं। इन डायवर्ट की गई उड़ानों में से 11 को जयपुर भेजा गया। जबकि 2 उड़ानें चंडीगढ़ और 1 उड़ान लखनऊ के लिए डायवर्ट की गईं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे नवीनतम उड़ान जानकारी के लिए अपनी एयरलाइंस से संपर्क करें। राजधानी दिल्ली में सोमवार को सुबह लगभग 11 से दोहर तक बारिश हो रही है। जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी हुई। लोग बारिश से बचकर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए परेशान दिखे। दुपहिया वाहन चालक पुल के नीचे बारिश से बचाव करते दिखे। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली में भारी बारिश के बीच लोग पानी से भरे जखीरा अंडरपास से गुजरते नजर आए।

गुरुग्राम में भारी बारिश से सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास जलभराव

दिल्ली ही नहीं गुरुग्राम में भी बारिश के बाद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया है। जलभराव के दौरान दुपहिया वाहन चालन मार्ग से गुजरते नजर आए।

चांद के दक्षिणी ध्रुव में भारत से पिछड़ा चीन, कर रहा बराबरी की कोशिश

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। चीन जल्द ही चांद के लिए अपना नया चंद्र मिशन लॉन्च करने वाला है। जानकारी के मुताबिक, अपने चांगई-7 मिशन को चीन सोमवार सुबह से लेकर अगले कुछ दिनों में सही मौका देखकर लॉन्च कर सकता है। चीन का यह मिशन इस लिए भी अहम है, क्योंकि इसके जरिए वह चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना रोवर उतारना चाहता है, जहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। मजेदार बात यह है कि भारत करीब तीन साल पहले ही चांद के इस इलाके में अपने रोवर की सफल लैंडिंग कराने वाला पहला देश बन चुका है। यानी चीन जिस रेस में पहले ही पिछड़ चुका है, अब वहां बराबरी की कोशिश में जुटा है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत से पिछड़ने के बावजूद चीन का यह मिशन क्यों अहम है? क्यों कई देशों की अपने मिशन को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं? अब चीन इस मिशन के जरिए क्या हासिल करना चाहता है? भारत फिलहाल दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च के मामले में किस पड़ाव पर है?

चांगई-7 चीन का चांद के लिए तय मानवरहित, रोबोटिक चंद्र मिशन है, जिसे अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और जटिल रोबोटिक मिशन माना जा रहा है। इस मिशन का मुख्य मकसद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद स्थायी रूप से अंधेरे क्रेटरों (गड्ढों) में बर्फ (पानी) की खोज करना और जमीन पर इनकी मौजूदगी का नक्शा बनाना है। इस मिशन को लॉन्ग मार्च-5 वाई14 रॉकेट के जरिए हेनान प्रांत के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके प्रक्षेपण की संभावित समय-सीमा 24 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच की है। यह मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद शेकलटन क्रेटर के किनारे पर उतरेगा। यह सौर मंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है, जहां तापमान -203 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

चीन के इस मिशन की खास बात यही है कि मिशन को मुख्यतः चांद की सतह पर पानी की खोज के लिए लॉन्च किया जा रहा है, इसलिए इसमें एक हॉपर भी भेजा जाएगा, जो कि ऐसा समर्पित हॉपर उपयोग करने वाला यह दुनिया का पहला मिशन होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोगः मिशन में विभिन्न देशों और संगठनों के उपकरण भी शामिल हैं। जैसे इटली का लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर, रूस का धूल संसूचक यंत्र, स्विट्जरलैंड का रेडिएशन स्पेक्ट्रोमीटर और हांगकांग विश्वविद्यालय और आईएलओए हुआवे की ओर विकसित एक कॉम्पैक्ट कैमरा 'आईएलओ-सी' शामिल है, जो चंद्रमा की सतह से हमारी आकाशगंगा के गैलेक्टिक प्लेन की तस्वीरें लेगा। भविष्य का रास्ताः यह मिशन चीन के चंद्र अन्वेषण के चौथे चरण का हिस्सा है। यह 2030 तक चंद्रमा पर पहले चीनी मानव लैंडिंग के लिए आधार तैयार कर रहा है और चांगई-8 (संभावित वर्ष 2028) के साथ मिलकर चीन के इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन (आईएलआरएस) के निर्माण में मदद करेगा।

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिशन भेजने और वहां पानी की खोज करने की कोशिश में पहले भी कई देश कोशिश कर चुके हैं। हालांकि, इनमें अधिकतर देश अब तक सफल नहीं हुए हैं। सिर्फ भारत ही अब तक वह देश रहा है, जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक अपना रोवर उतारा है और दक्षिणी ध्रुव पर पानी की खोज को आगे बढ़ाया है। भारतः भारत का चंद्रयान-3 मिशन अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला दुनिया का पहला मिशन बना। इसने वहां की मिट्टी के तापमान की रीडिंग के जरिए दक्षिणी ध्रुव की सतह पर पानी की मौजूदगी के बेहद अहम नए प्रमाण खोजे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 25 अगस्त - 2026

स्वाइन फ्लू की दस्तक

देश की राजधानी दिल्ली में फिर स्वाइन फ्लू के मामलों का बढ़ना न केवल स्वास्थ्य विभाग के लिए चिंता का विषय है, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी भी है। एच1एन1 वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार ने सावधानी बरतने की जरूरी अपील की है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार अकेले दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 1,777 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। जबकि देश का आंकडा 1300 से ऊपर पहुंच चुका है। जाहिर है, वायरस की आवाजाही किसी सीमा को नहीं मानती। इसलिए बचाव की जिम्मेदारी भी केवल अस्पतालों या सरकार की नहीं हो सकती। स्वाइन फ्लू के लक्षणों को मामूली समझकर नजरअंदाज करना सबसे बड़ी भूल होगी। बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, बदन दर्द, ठंड लगना और असामान्य थकान जैसे लक्षण दिखें तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। सांस लेने में परेशानी हो तो इसे सामान्य वायरल मानकर घर पर बैठे रहना जोखिम भरा हो सकता है। इस बार चिंता इसलिए भी बढ़ी है कि मौसम का संतुलन बिगड़ा हुआ है। कभी गर्मी, कभी बारिश और उसके बाद बढ़ती उमस वातावरण को संक्रमण के लिए अनुकूल बनाती है। जलभराव और गंदगी की स्थितियां भी दूसरी बीमारियों को बढ़ावा देती हैं। ऐसे में सितंबर-अक्टूबर के दौरान विशेष सावधानी जरूरी है। पिछले वर्ष भी इसी मौसम में स्वाइन फ्लू के मामले सामने आए थे, लेकिन इस बार पीड़ितों की संख्या पांच गुना से अधिक बताई जा रही है। यह आंकड़ा चेतावनी को गंभीरता से लेने के लिए पर्याप्त है। सरकार और दिल्ली प्रशासन ने निगरानी तथा अस्पतालों की तैयारियां बढ़ाई हैं, यह स्वागतयोग्य कदम है। लेकिन केवल अस्पतालों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। समय पर जांच, पर्याप्त दवाएं, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, स्पष्ट सूचना और मरीजों की निगरानी पर बराबर ध्यान देना होगा। साथ ही लोगों को यह भरोसा भी चाहिए कि बीमारी के लक्षण दिखने पर उन्हें समय पर इलाज मिलेगा और अनावश्यक भय पैदा किए बिना सही जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। वायरल बीमारियां बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित कर सकती हैं। दिल्ली में अगस्त-सितंबर में वायरल बीमारियों का प्रसार 56 प्रतिशत घरों तक और अक्टूबर में 75 प्रतिशत से अधिक घरों तक पहुंचने का अनुभव सामने आया था। यह आंकडा बताता है कि मौसम बदलते ही संक्रमण को लेकर हमारी तैयारी भी बदलनी चाहिए। जीवनशैली में जरूरी बदलाव, भीड़भाड़ में सावधानी, खांसते-छींकते समय स्वच्छता और आसपास सफाई रखना व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ सामूहिक जिम्मेदारी भी है। स्कूलों, दफ्तरों और स्थानों पर स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों को गंभीरता से लागू करना होगा, ताकि संक्रमण की कड़ी फैलने न पाए। सबसे जरूरी सवाल यही है कि क्या हम हर बार बीमारी फैलने के बाद जागेंगे? स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारी जरूरी है, लेकिन नागरिकों की सजगता उससे कम महत्वपूर्ण नहीं। सरकार चेतावनी दे सकती है, अस्पताल तैयार कर सकते हैं, मगर संक्रमण की रफ्तार रोकने में जनता का व्यवहार निर्णायक होगा। स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता की जरूरत है। समय रहते सावधानी बरती जाए तो बीमारी के प्रसार, अस्पतालों पर दबाव और अनावश्यक जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है।

ऑफलाइन पर पहरा, ऑनलाइन कोचिंग आजाद, क्या कानून काफी है?

आरके जैन

महाराष्ट्र सरकार ने निजी कोचिंग सेंटर्स के लिए 'महाराष्ट्र प्राइवेट कोचिंग सेंटर्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2026' का मसौदा पेश किया है। नीट पेपर लीक के बाद सरकार को उस शिक्षा-बाजार की याद आई, जहां बच्चे विद्यार्थी कम, परिणाम पैदा करने वाली मशीन अधिक समझे जाते हैं। मसौदे में फीस, पढ़ाई के घंटे, छात्र सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, विज्ञापन और पंजीकरण पर कड़े प्रावधान हैं। 25 से अधिक विद्यार्थियों वाले केंद्रों का पंजीकरण अनिवार्य होगा, 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश नहीं मिलेगा और रोजाना पांच घंटे से अधिक कक्षाएं नहीं चलेंगी। उल्लंघन पर 50 लाख रुपये तक जुर्माना होगा। कानून का कद बड़ा है; अब देखना है कि उसका हाथ भी उतना ही लंबा है या नहीं। मसौदे का पहला शिकंजा पंजीकरण है। 25 से अधिक विद्यार्थियों वाले हर कोचिंग केंद्र का पंजीकरण अनिवार्य होगा। पुराने केंद्रों को छह महीने मिलेंगे, पंजीकरण तीन वर्ष के लिए होगा और हर शाखा अलग केंद्र मानी जाएगी। शिक्षक स्नातक होने चाहिए तथा संज्ञेय अपराध में शामिल लोगों की नियुक्ति नहीं होगी। रैंक की गारंटी और भ्रामक विज्ञापनों पर भी रोक होगी। यह जरूरी है, क्योंकि अब तक कई संस्थान बिना जवाबदेही शिक्षा बेच रहे थे। मगर असली सवाल पंजीकरण नहीं, निरीक्षण है। निरीक्षक कम और संस्थान हजारों हुए तो कागजों पर सब ठीक, जमीन पर सब पहले जैसा रह सकता है। कानून की स्याही तभी असरदार है, जब निगरानी की आंख खुली रहे।

रोज पांच घंटे की कोचिंग सीमा राहत देती है। सुबह बहुत जल्दी और रात देर तक कक्षाएं नहीं चलेंगी। साप्ताहिक अवकाश होगा और छुट्टी के अगले दिन टेस्ट नहीं लिया जा सकेगा। मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग और एप्टीट्यूड टेस्ट अनिवार्य होंगे। यह जरूरी है, क्योंकि प्रतियोगिता ने कई किशोरों को किताब से पहले तनाव पढ़ना सिखा दिया है। लेकिन संस्थान में पांच घंटे बंद हुए तो घर में होमवर्क, ऑनलाइन टेस्ट और निजी ट्यूशन के घंटे बढ़ सकते हैं। दबाव का ठिकाना बदलेगा, दबाव खत्म नहीं होगा। ऑफलाइन सीमा से ऑनलाइन कोचिंग और ऐप-आधारित टेस्ट का प्रभाव और बढ़ सकता है। समस्या कोचिंग के समय की नहीं, उस शिक्षा व्यवस्था की है जिसने सफलता को एक परीक्षा तक सीमित कर दिया है। फीस पर प्रस्तावित नियम अभिभावकों के लिए बड़ी राहत हैं। कोचिंग केंद्र घोषित फीस से अधिक नहीं ले सकेंगे और बीच में शुल्क नहीं बढ़ा सकेंगे। पढ़ाई छोड़ने पर दस दिन में फीस लौटानी होगी, जिसमें हॉस्टल और मेस की रकम भी शामिल होगी। हर भुगतान की रसीद अनिवार्य होगी। यह उस कारोबार पर रोक है, जहां प्रवेश के समय सपने किस्तों में और बाद में अतिरिक्त शुल्क सामने आता है। खतरा है कि बड़े संस्थान नियमों की दरारें खोज लें, जबकि छोटे संस्थान उतने सक्षम नहीं होंगे। मसौदे पर सुझाव मांगे जा रहे हैं और चार सितंबर तक आपत्तियां भेजी जा सकती हैं।

अंतिम कानून में पारदर्शिता के साथ समान प्रवर्तन भी जरूरी है। सुरक्षा प्रावधान सबसे गंभीर हैं। बेसमेंट में कक्षाओं पर रोक होगी। हर विद्यार्थी के लिए कम-से-कम एक वर्गमीटर जगह जरूरी होगी। अग्नि व भवन सुरक्षा प्रमाणपत्र अनिवार्य होंगे। सीसीटीवी फुटेज एक महीने सुरक्षित रखना होगा। पानी, अलग शौचालय, प्राथमिक उपचार और पार्किंग जरूरी होंगे। डमी स्कूल मॉडल पर पाबंदी होगी और नियम तोड़ने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द हो सकती है। इन प्रावधानों का महत्व इसलिए है कि हादसे के बाद सुरक्षा का भाषण किसी बच्चे की जान नहीं बचा सकता।

बदल गया सारनाथ का इतिहास

निरंकार सिंह

विष्वविख्यात बौद्ध धर्मस्थल एंव पर्यटन केन्द्र सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं की सही जानकारी भी नहीं दी। हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिली जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखीं हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है। अब तक इसकी खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को दिया जाता था। पर यह पूरा सच नहीं है। दरअसल इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक वाई.एस. रावत ने अब पह स्वीकार किपा कि सारनाथ में सबसे पहले खुदाई का काम जगत सिंह ने कराया था, जिसके कारण इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व का पता चला। रावत के अमुसार जगत सिंह के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने एएसआई को साक्ष्यों के दस्तावेज सौंपे थे, जिनसे यह साबित होता है कि इस स्थल पर पहली खुदाई जगत सिंह ने ही कराई थी।वाराणसी से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित सारनाथ दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। माना जाता है कि यह वही स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, फलस्वरूप बौद्ध धर्म के प्रसार की शुरुआत हुई। एएसआई के महानिदेशक रावत ने अब सारनाथ परिसर में लगी पट्टिका (शिलालेख) में अब संशोधन कर दिया गया है, जिसमें जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देते हुए उनका नाम भी शामिल किया गया है। यह संशोधन हाल में सारनाथ परिसर में लगाई गई नई पट्टिका में देखा जा सकता है। जहां पहले वाली

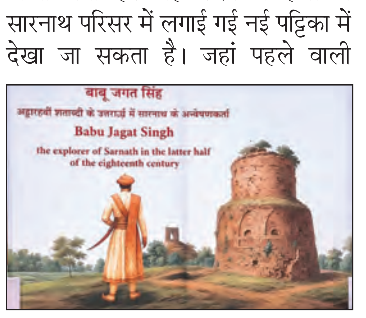

पट्टिका में इस स्थल के पुरातात्विक महत्व की पहली खोज का श्रेय 1798 में ब्रिटिश अधिकारियों को दिया गया था, वहीं नई पट्टिका में यह बताया गया है कि इस स्थल का महत्व 18वीं सदी के आखिर में तब सामने आया, जब काशी के बाबू जगत सिंह ने निर्माण सामग्री के लिए एक प्राचीन टीले की खुदाई कराई थी, फलस्वरूप कई महत्वपूर्ण पुरावशेषों की खोज हुई। इस तरह, संशोधित शिलालेख इस जगह पर शुरुआती खुदाई के काम में जगत सिंह की भूमिका को मान्यता देता है। साथ ही, वह यह भी बताता है कि कई पुरातत्वविदों ने बाद में खुदाई की, जिसमें तीसरी सदी ईसा पूर्व से लेकर 12वीं सदी ईस्वी तक के मठ, स्तूप, मंदिर और मूर्तियां मिलीं। वाराणसी के जगतगंज शाही परिवार के प्रतिनिधि और बाबू जगत सिंह के छठी पीढ़ी के वंशज प्रदीप नारायण सिंह अपने पूर्वजों के ऐतिहासिक योगदान के बारे में शोध और दस्तावेजी सबूत इकट्ठा करने की कोशिशें लंबे समय से लेग थे।'अब एएसआई ने औपचारिक रूप से यह मान लिया है कि सारनाथ का इतिहास सबसे पहले बाबू जगत सिंह द्वारा कराई गई खुदाई के बाद ही सामने आया था। प्रदीप नारायण सिंह ने कहा कि लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि सारनाथ और उसके प्राचीन अवशेषों की खोज अंग्रेजों ने की थी, लेकिन एएसआई की इस मान्यता से यह साफ हो गया है कि जगत सिंह ने उनसे पहले ही यह काम कर लिया था। प्रदीप नारायण सिंह के अनुसार एएसआई की यह मान्यता इस बात का भी संकेत है कि ब्रिटिश काल के दौरान बाबू जगत सिंह के योगदान को नजरअंदाज कर दिया गया था और उन्हें सारनाथ की खोज का सही श्रेय नहीं मिला था। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी जिसके पश्चात इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरम्भ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईटों और पत्थरों के अम्बार का पता चला। उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने की योजना को सफल बनाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहाँ से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली। बलुआ पत्थर का बक्सा और संगमरमरी मंजूषा सतह से अट्ठारह हाथ की गहराई पर पाये गये थे। संगमरकर के बक्से में मानव हड्डियां, क्षरित मोती, सोने की पत्तियाँ और अन्य मूल्यवान रत्न भी मिले थे। कालावधि में अस्थियों को गंगा नदी में बिसर्जित कर दिया गया और दोनों बक्सों को कलकत्ता (कोलकाता) स्थित एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया। बक्सों और वस्तुओं के अतिरिक्त उसी स्थान पर भूमिगत बुद्ध की एक मूर्ति भी पायी गयी थी, जिस मूर्ति के नीचे पाल राजा महिपाल का एक शिलालेख था। यह विक्रम संवत 1083 (ईस्वी सन् 1026) का दिनांकित शिलालेख है। हालाँकि 1835 में प्रकाशित कनिंघम की उत्खनन रिपोर्ट के साथ डंकन के आलेख को विश्लेषित करने पर एक अलग ही तस्वीर उभरती है। कनिंघम के अनुसार चुनार के बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अन्दर 1835 में पाया गया था। उन्होंने इसे पास के गाँव के एक व्यक्ति (संगकर या शंकर) द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर खोजा था जो 1787 में स्तूप की खोदाई करने वाली टीम के मजदूरों में से एक था। उन्होंने बताया है कि बाबू जगत सिंह ने बलुआ पत्थर के बक्से को उसकी मूल स्थिति में ही छोड़ दिया था और मंजूषा के अन्दर पायी गयी हड्डियों को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया गया था। उन्हें समुद्र में नहीं फेंका गया था जैसा कि इतिहास में उल्लिखित किया जाता रहा है। गंगा नदी में अस्थि-विसर्जन हिन्दू परम्पराओं में दाह-संस्कार के बाद का महत्त्वपूर्ण संस्कार है। कनिंघम के अनुसार उन्हें एक मोटी गोलाकार दीवार अछूती मिली। पाया गया अवशेष एक ईंट के अर्धगोलाकार स्तूप के अन्दर रखा गया था, जिसका व्यास 49 फीट था, जो एक आवरण ईंट की दीवार से ढका हुआ था। बाबू जगत सिंह के मजदूरों ने केवल आंशिक रूप से संरचना के आधे हिस्से में पत्थर के बक्से से लगभग 6 फीट की ऊँचाई तक ईंटों की ही खोदाई की थी और बक्से को अछूता छोड़ दिया गया था। इस स्तूप का पूर्ण उत्खनन अठारह वर्ष बाद मेजर किट्टो द्वारा करवाया गया। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के सम्बन्ध में कुछ बातें स्पष्ट हैंः पहला, यह अनजाने में हुई थी, और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर सम्भव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो। दूसरे, बाबू जगत सिंह के मजदूर को 1787 में खोदाई के दौरान जो दो बक्से मिले, उन्हें एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया था जहाँ से वे कालान्तर में गायब हो गये।

नकली दवाओं का देशव्यापी जानलेवा जाल कैसे रुकेगा?

अशोक भाटिया

देशभर में कुकुरमुत्ते की तरह फैल रहा नकली और मिलावटी दवाओं का अवैध कारोबार अब महज़ एक सामान्य आर्थिक या संगठित अपराध नहीं रह गया है। यह सीधे तौर पर भारतीय नागरिकों के बुनियादी संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर जीवन के अधिकार पर सबसे क्रूर और अमानवीय प्रहार बन चुका है। बीमारियाँ जब इंसान को घेरती हैं, तो वह पूर्ण समर्पण और अटूट विश्वास के साथ अपनी गाढ़ी कमाई लेकर मेडिकल स्टोर की तरफ दौड़ता है। उसे यह भ्रम होता है कि डॉक्टर के पर्चे पर लिखी गोलियां या इंजेक्शन उसके या उसके प्रियजनों के जीवन की रक्षा करेंगे। परंतु, मुनाफे की अंधी हवस में डूबे सफेदपोश अपराधियों ने आज उस पवित्र भरोसे को मौत के जाल में तब्दील कर दिया है। हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों और विशेष रूप से हरियाणा में सामने आए डरावने मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दवाओं की जालसाजी का यह मकड़जाल हमारी संपूर्ण चिकित्सा और प्रशासनिक व्यवस्था की जड़ों को भीतर ही भीतर पूरी तरह खोखला कर चुका है।

हरियाणा के औद्योगिक और आधुनिक केंद्र गुरुग्राम से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किए गए हालिया खुलासे किसी भी संवेदनशील समाज की रूह को कंपा देने के लिए पर्याप्त हैं। गुरुग्राम में उच्च रक्तचाप जैसी आम लेकिन बेहद संवेदनशील बीमारी के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली दवा 'टेल्मा-एएम' की भारी मात्रा में नकली खेप का पकड़ा जाना इस बात का साक्ष्य है कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी दवाएं भी अब सुरक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही, मधुमेह और वजन नियंत्रित करने वाले करीब 70 लाख रुपये के नकली 'मौनजारो' इंजेक्शनों के अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने से हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसियों ने जब इस काले साम्राज्य के धागे टटोले, तो परत-दर-परत जो हकीकत सामने आई, वह व्यवस्था को आईना दिखाने वाली है। इन नकली दवाओं के निर्माण की कड़ियाँ उत्तराखंड के रुड़की में चल रही अवैध और बिना लाइसेंस वाली फैक्ट्रियों से जुड़ी थीं। वहां से यह जानलेवा माल उत्तर प्रदेश के रास्ते दिल्ली के थोक बाजारों में पहुंचता था और बिना किसी जांच-परख या बाधा के हरियाणा के प्रतिष्ठित मेडिकल स्टोरों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के केमिस्ट काउंटरों पर धड़ल्ले से बेचा जा रहा था। इस भयावहता की पराकाष्ठा केवल रक्तचाप या मधुमेह की दवाओं तक सीमित नहीं है। इसी के समानांतर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और मुंबई तक फैले कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की नकली दवाओं के अंतरराज्यीय रैकेट की हालिया गिरफ्तारियों ने इंसानियत को पूरी तरह शर्मसार कर दिया है। इस सिंडिकेट के अपराधियों द्वारा उन लाचार और अंतिम सांसें गिन रहे कैंसर मरीजों को निशाना बनाया जा रहा था, जिनके परिवार अपनी संपत्ति और गहने बेचकर लाखों रुपये के जीवनरक्षक इंजेक्शन खरीदते हैं। उन इंजेक्शनों में जीवनदायिनी औषधियों के स्थान पर केवल डिस्टिल्ड वॉटर, उबला पानी या ग्लूकोज का घोल भरकर बेचा जा रहा था। जब कोई मरीज ऐसी नकली कीमोथेरेपी दवाओं का सेवन करता है, तो दवा के बेअसर रहने से उसका रोग अनियंत्रित गति से बढ़ता है और अंततः उसकी असामयिक व तड़प-तड़प कर मौत हो जाती है। यह किसी भी लिहाज से केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि ठंडे दिमाग से की गई सामूहिक और संस्थागत हत्या है। इस जघन्य कृत्य में शामिल अपराधियों को हत्यारों की श्रेणी में ही रखा जाना चाहिए।

आखिर ऐसा क्या है कि तमाम दावों और छापों के बावजूद यह धंधा देश भर में फल-फूल रहा है? इस गंभीर संकट के पीछे सबसे बड़ी वजह राज्यों की सीमाओं से परे फैला 'मल्टी-स्टेट सप्लाई चैन' का जटिल और पारदर्शी विहीन होना है। इसके साथ ही देश के दवा नियामक तंत्र की सुस्ती और भ्रष्टाचार भी इसके लिए बराबर के जिम्मेदार हैं। अपराधी बड़ी ही चतुराई से एक राज्य के दूरदराज या अनधिकृत इलाके में नकली विनिर्माण इकाई स्थापित करते हैं। वहां से दवाओं को दूसरे राज्य के बोगस या नकली बिलों के जरिए कागजी तौर पर वैध रूप दे दिया जाता है। इसके बाद, तीसरे राज्य के थोक और खुदरा बाजारों में उन्हें भारी डिस्काउंट या लालच देकर खपा दिया जाता है। हरियाणा के मामले में भी यही देखा गया कि खुदरा दवा विक्रेता कंपनियों द्वारा तय एमआरपी पर भारी छूट का लालच पाकर बिना किसी वैध सोर्स या इनवॉइस की जांच किए इन दवाओं को खरीद लेते थे और मरीजों को पूरे दाम पर बेचते थे। यह सीधे तौर पर नियामक एजेंसियों की नाक के नीचे होने वाली आपराधिक लापरवाही है। देश में ड्रग्स इंस्पेक्टरों की भारी कमी और उपलब्ध अमले की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल इस समस्या को और अधिक जटिल बना देते हैं। इस महामारी नुमा संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अब केवल पारंपरिक छापों, सीमित मात्रा में जब्ती और कागजी कानूनी औपचारिकता से काम नहीं चलने वाला है। यद्यपि हरियाणा सरकार और वहां के एफडीए द्वारा हाल ही में की गई 16 गिरफ्तारियां और कड़े कदम एक सराहनीय शुरुआत हैं, लेकिन विशालकाय अवैध साम्राज्य को देखते हुए यह महज 'आइसबर्ग की नोक' यानी समुद्र में तैरती बर्फ का एक छोटा सा सिरा मात्र है। इस सिंडिकेट को जड़ से उखाड़ने के लिए केंद्र और सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक ठोस राष्ट्रीय नीति के तहत युद्ध स्तर पर काम करना होगा।

इसके लिए सबसे पहले पूरी दवा आपूर्ति श्रृंखला में 'ट्रैकिंग और ट्रेसिंग' को अभेद्य बनाना अनिवार्य है। देश के भीतर निर्मित या बिकने वाली हर छोटी-बड़ी दवा की पट्टी या शीशी पर एक ऐसा यूनीक, फुल-प्रूफ और अनिवार्य क्यूआर कोड या बारकोड ट्रैकिंग सिस्टम लागू होना चाहिए जो सीधे केंद्रीय डेटाबेस से जुड़ा हो। इसके माध्यम से कोई भी साधारण नागरिक अपने स्मार्टफोन से स्कैन करके तुरंत यह जान सके कि दवा असली है या नकली, उसे किस फैक्ट्री में बनाया गया है और उसका वैध बैच नंबर क्या है। तकनीक का यह लोकतांत्रीकरण ही पारदर्शिता की सबसे बड़ी गारंटी बन सकता है।इसके साथ ही, हमारे देश के पुराने पड़ चुके कानूनी ढांचे में आमूलचूल बदलाव की महती आवश्यकता है। वर्तमान में 'औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम' के तहत मुकदमेबाजी के वर्षों तक खिंचने के कारण अपराधी आसानी से जमानत पाकर दोबारा उसी अवैध धंधे में लिप्त हो जाते हैं। समय आ गया है कि दवाओं के इस काले कारोबार को आतंकवाद के समकक्ष गंभीर अपराध माना जाए।

विरोध प्रदर्शन करें पर ना हो सीमाओं का अतिक्रमण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आये दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामां को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाएं तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है। केई गलत हो रहा है तो उसका विरोध भी होना चाहिए पर इसका मतलब यह तो नहीं होना चाहिए कि हम अपनी बात कहने के चक्कर में दूसरों को अपने सामान्य नागरिक अधिकारों से वंचित कर दें। विरोध प्रदर्शन के साथ ही साथ दायित्व भी होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का विरोध भी नहीं होता पर कब इस तरह के प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं और कानून व्यवस्था के गंभीर हालात हो जाते हैं इसका खामियाजा प्रदर्शनकारियों को नहीं अपितु प्रशासन और आमजन को भुगतना पड़ता है। सीजीपी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में जो हालात बने और जयपुर में पिछले दिनों सीजीपी द्वारा स्कूल प्रकरण को लेकर ग्रामवासियों और सीजीपी लोगों के साथ हालात बने यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। रांची और देश के अन्य स्थानों के प्रदर्शनों को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। शहर की सामान्य व्यवस्था को ही प्रभावित करने वाले स्थानों पर प्रदर्शन स्वीकृति पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है कि शहर के बीच प्रदर्शन की अनुमति क्यों कर दी जानी चाहिए। दरअसल सीजीपी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किये गये और यह प्रदर्शन देखते देखते हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन और पक्ष प्रतिपक्ष द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल जाता है पर मूल कारण को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे पहले 2017-18 में जलकट्टू घटना के संदर्भ में गठित न्यायमूर्ति राजेश्वरन आयोग की सिफारिशें भी महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में विरोध अधिकार हो सकता है पर विरोध का एक तरीका होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का सबको अधिकार है पर अपने विरोध प्रदर्शन के चक्कर में अन्य और वह भी आमनागरिकों का जनजीवन प्रभावित करने का किसी को अधिकार नहीं हो सकता। विरोध के चलते कानून हाथ में लेना या क्षेत्राधिकार से बाहर जाना एक सभ्य समाज और सभ्य नागरिक की पहचान नहीं हो सकती। सरकारी या निजी संपत्ती को नुकसान पहुंचाना या कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। एक बात यह भी समझनी होगी कि पुलिस प्रशासन भी आखिर आदमी है और देखा जाएं तो उनका मरण दोनों तरफ से हो जाता है। यदि प्रदर्शनकारियों को एक सीमा से अधिक बढ़ने पर रोके नहीं तो प्रशासन की विफलता कहने में कोई देरी नहीं लगाता, यहां तक कि प्रशासन की इंटेलिजेंस फैलियर जैसे आरोप लग जाते हैं। प्रदर्शन के हिंसक होने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की आलोचना आम हो जाती है पर जब कई बार प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रदर्शन के दौरान बेरिकेड़ तोड़ने, पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और निरपराध आमजन को निशाने पर लेने लगते हैं तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि फिर प्रशासन गुलाब के फूल देकर तो प्रदर्शन को नियंत्रित नहीं कर सकता हांलाकि प्रशासन को भी संयम बरतते हुए ही कदम उठाने चाहिए। दरअसल तस्वीर के दोनों पक्षों को देखना होगा। यदि प्रदर्शन सामान्य होता है और अनुमति प्राप्त शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो तो उस पर पुलिस प्रशासन की सख्ती को किसी भी हालात में स्वीकारा नहीं जा सकता पर प्रदर्शनकारियों द्वारा लक्ष्मण रेखा लांघी जाती है तो उस पर प्रशासन को भी कानूनी दायरें में रहते हुए कार्रवाई तो करनी ही पड़ेगी।

अब जयपुर के स्कूल की घटना का विश्लेषण करें तो हालात की ओर ध्यान दिलाना एक उचित कदम हो सकता है पर स्कूल या किसी भी सरकारी-गैरसरकारी संस्थान का निरीक्षण का अधिकार किस कानून ने दे दिया है। एक सीमा तक प्रदर्शन आपका अधिकार हो सकता है पर प्रदर्शन से माहौल को तनावपूर्ण और द्वेषतापूर्ण बनाने की किसी भी व्यवस्था में अनुमति नहीं दी जा सकती और नहीं दी भी जानी चाहिए। प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और आमजन को अपनी सीमाओं को समझना होगा। सुर्खियों में बनने के लिए कदम उठाना किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। क्या कभी सोचा है कि हमारे प्रदर्षन से प्रदर्शन वाले शहरवासियों को कितना प्रभावित करता है। प्रदर्शन वाले शहर का कहीं ज्यादा तो कहीं कम यातायात प्रभावित हो जाता है। निजी व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बाधित हो जाती है। मरीजों व जरुरी काम वालों को बीच रास्ते अटकना पड़ जाता है। नौकरीपेशा या धंधे पर जाने वाले रास्ते में ही अटक जाते है। दैनिक काम के आधार पर रोजी रोटी कमाने वालों की मजदूरी अटक जाती है। शहर की सभी तरह की सप्लाई चैन बाधित हो जाती है।

पुलिस प्रशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए व्यस्त हो जाता है तो लोगों में असुरक्षा की भावना बनती है और बाहर निकलने से पहले सोचने को मजबूर हो जाते हैं।

पीतल का टोकन

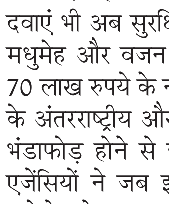

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

नगर पालिका दफ्तर के पुराने बाबू कक्ष के बाहर लगी लोहे की जालीदार खिड़की के पास एक पीतल का गोल टोकन पिछले पंद्रह सालों से ऐसे टँगा हुआ था जैसे किसी लोकतंत्र के गले में नैतिकता का फंदा झूल रहा हो। उस टोकन पर उकेरा गया नंबर वक्त की धूल और रिश्वतखोरों की हथेलियों के स्पर्श से घिसकर आधा मिट चुका था क्योंकि हमारे देश में व्यवस्था से ज्यादा जल्दी सिर्फ गरीब का हक ही घिसता है। उस जालीदार खिड़की के ठीक नीचे रखी सीमेंट की चौड़ी बेंच पर हर सुबह आठ बजे शिवराम काका आकर बैठ जाते थे जैसे कोई ईमानदार आदमी किसी घोटाले की जांच रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हो। गदराए बालों पर गोल टोपी लगाए और अपनी पुरानी सूती धोती को सरकारी वादों की तरह कसकर बाँधे शिवराम काका दिन भर उस पीतल के टोकन को एकटक निहारते रहते थे क्योंकि इस व्यवस्था में देखने के पैसे नहीं लगते बाकी सब तो बिक ही चुका है। दफ्तर आने वाले सैकड़ों लोग जब अपना मकान टैक्स भरने या जन्म प्रमाण पत्र बनवाने कतार में खड़े होते तो काका को उसी शांत मुद्रा में बैठा पाते थे जैसे भ्रष्टाचार के समुद्र में नैतिकता का कोई पुराना खंभा गड़ा हो। काका की जेब में एक छोटी सी पीतल की नंबर प्लेट हमेशा रखी रहती थी जिसे वे बीच-बीच में निकालकर अपने अँगूठे से ऐसे सहलाते जैसे कोई नेता अपनी कुर्सी को सहलाता है और फिर एक गहरी साँस खींचकर खिड़की की तरफ देखने लगते थे क्योंकि फाइलों के बोझ तले दबी हवा वैसे भी फेफड़ों तक कम ही पहुँचती है। दफ्तर का बूढ़ा चपरासी भीखू जब साहब की मेज पर फाइलों का वह ढेर रखकर बाहर निकलता जिसे देखकर किसी भी स्वाभिमानी कागज़ को शर्म आ जाए तो काका उससे बहुत ही मधुर आवाज में पूछते क्यों रे भीखू आज उस एक नंबर वाले टोकन की पुकार हुई क्या या साहब ने आज भी हमारी अर्जी को अगले हफ्ते के उस कब्रिस्तान में भेज दिया है जहाँ सारी उम्मीदें दफन होती हैं? भीखू बस अपनी हथेली से माथा ठोंक लेता और अपनी आँखें चुराकर चुपचाप झाड़ू लगाने में लग जाता क्योंकि व्यवस्था की गंदगी साफ करने का नाटक करना ही यहाँ का सबसे बड़ा रोजगार है।

नगर पालिका में हाल ही में नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर आए साहब विवेक शर्मा बहुत ही कड़क और ईमानदार माने जाते थे और ईमानदारी आज के दौर में वैसी ही दुर्लभ बीमारी है जिसका इलाज हर नेता ढूँढ रहा है। विवेक साहब जब भी अपनी चमचमाती कार से उतरकर दफ्तर के परिसर में कदम रखते तो उनकी नज़र सबसे पहले उसी सीमेंट की बेंच पर बैठे शिवराम काका पर जाकर रुक जाती थी जो प्रशासन के मुँह पर एक ज़िंदा तमाचे की तरह बैठे रहते थे। कई हफ्तों तक जब उन्होंने हर कार्यदिवस पर काका को उसी एक जगह पर बैठा पाया तो उनके मन में एक अजीब सी उलझन पैदा हो गई क्योंकि सरकारी दफ्तर में किसी का रोज़ आना या तो बहुत बड़े लालच की निशानी है या बहुत बड़ी बेवकूफी की। एक दिन जब ओपीडी की तर्ज पर जनसुनवाई की मेज सजाई गई जहाँ लोग अपनी समस्याओं का वह विलाप करते हैं जिसे सुनने वाला कान पहले ही बहरा हो चुका होता है तो विवेक साहब ने चपरासी भीखू को बुलाकर बहुत ही सख्त लहजे में पूछा अरे भीखू यह बुजुर्ग आदमी रोज सुबह से शाम तक उस खिड़की के बाहर क्यों जमा रहता है क्या इनका कोई पेंशन या मकान नामांतरण का केस महीनों से उस कोमा में है जिसे हम सरकारी फाइल कहते हैं?

प्रदोष व्रत में भोलेनाथ के साथ माता पार्वती की पूजा क्यों है जरूरी?

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को भगवान शिव की कृपा पाने का सबसे उत्तम साधन माना गया है. विशेषकर जब यह व्रत सावन के पवित्र महीने में पड़े और मंगलवार के दिन हो, तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है. भौम प्रदोष का व्रत न केवल कर्ज से मुक्ति दिलाता है, बल्कि व्यक्ति को आरोग्य और शक्ति भी प्रदान करता है।

सावन में कब है भौम प्रदोष व्रत 2026?

सावन का दूसरा प्रदोष व्रत इस बार मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को रखा जाएगा. द्रिक पंचांग के अनुसार, त्रयोदशी तिथि 25 अगस्त को सुबह 6:20 बजे शुरू होगी और 26 अगस्त को सुबह 7:59 बजे समाप्त होगी।

प्रदोष व्रत में प्रदोष काल के दौरान त्रयोदशी तिथि का होना विशेष महत्व रखता है. ऐसे में 25 अगस्त की शाम प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि होने के कारण इसी दिन भौम प्रदोष व्रत रखा जाएगा. मंगलवार के दिन पड़ने की वजह से इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है।

प्रदोष में माता पार्वती की पूजा क्यों जरूरी?

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित माना जाता है, लेकिन शिव पूजा के साथ माता पार्वती की आराधना को भी महत्वपूर्ण माना गया है. धार्मिक दृष्टि से भगवान शिव और माता पार्वती को एक-दूसरे का पूरक माना जाता है. इसलिए शिव-पार्वती की एक साथ पूजा करने से दांपत्य जीवन में सुख-शांति और परिवार में सौहार्द की कामना की जाती है. मान्यता है कि माता पार्वती शक्ति का स्वरूप हैं, जबकि भगवान शिव चेतना और कल्याण के प्रतीक माने जाते हैं. दोनों की संयुक्त पूजा जीवन में शक्ति, संतुलन और सकारात्मकता का प्रतीक मानी जाती है. यही वजह है कि प्रदोष काल में भगवान शिव के साथ माता पार्वती का ध्यान और पूजन करने की परंपरा रही है।

शिव-पार्वती की पूजा से क्या मिलता है लाभ?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन शिव-पार्वती की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में सुख और आपसी प्रेम बढ़ने की कामना की जाती है. जिन लोगों के विवाह में किसी तरह की बाधा आ रही हो, वे भी इस दिन श्रद्धापूर्वक शिव-पार्वती की पूजा करते हैं. माना जाता है कि भगवान शिव की आराधना से मन को शांति मिलती है और माता पार्वती की पूजा से परिवार में सुख-समृद्धि की कामना पूरी होती है. संतान, दांपत्य सुख और पारिवारिक खुशहाली की इच्छा रखने वाले भक्त भी इस दिन शिव-पार्वती की पूजा करते हैं।

कैसे करें शिव-पार्वती की पूजा?

प्रदोष व्रत के दिन शाम के समय स्नान करके पूजा स्थल की सफाई करें. इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें. भगवान शिव का जल और दूध से अभिषेक किया जा सकता है।

इसके बाद बेलपत्र, धतूरा, सफेद फूल और अन्य पूजा सामग्री अर्पित करें. माता पार्वती को लाल या सुहाग से जुड़ी पूजा सामग्री अर्पित करना शुभ माना जाता है. इसके बाद शिव-पार्वती को धूप और दीप दिखाकर विधि-विधान से पूजा करें. भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें और आखिर में आरती करके परिवार की सुख-शांति की प्रार्थना करें।

महाकालेश्वर की पौराणिक कथा से मंदिर के इतिहास तक

दूषण के आतंक से भक्तों को बचाने प्रकट हुए महाकाल, 500 साल बाद मंदिर का पुनर्निर्माण

12 ज्योतिर्लिंगों में भगवान महाकालेश्वर का विशेष स्थान है। उज्जैन का महाकाल मंदिर देश का प्रमुख शिवधाम है और यहां भगवान शिव दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजित हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उज्जैन में महाकाल की उत्पत्ति कैसे हुई? भगवान महाकाल ने उज्जैन को ही क्यों चुना? पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव यहां भक्तों की रक्षा के लिए महाकाल रूप में प्रकट हुए थे। सावन का आखिरी सोमवार भी बीत गया। ऐसे में भगवान महाकाल की उत्पत्ति से लेकर महाकाल लोक बनने तक की पूरी कहानी।

महाकाल मंदिर में महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरि महाराज के अनुसार, प्राचीन समय में उज्जैन को अवंतिका के नाम से जाना जाता था। यहां के राजा चंद्रसेन भगवान शिव के परम भक्त थे। वे नियमित रूप से शिव की आराधना करते थे। एक ब्राह्मण बालक ने राजा चंद्रसेन को शिव की पूजा करते देखा। वह भी भगवान शिव की भक्ति से प्रभावित हुआ और पूरी श्रद्धा के साथ उनकी आराधना करने लगा।

इसी दौरान दूषण नाम का एक शक्तिशाली दैत्य लोगों पर अत्याचार कर रहा था। वह जहां जाता, वहां साधु-संतों और भगवान की आराधना करने वाले लोगों को परेशान करता था। जब दूषण के उज्जैन आने की खबर राजा चंद्रसेन को मिली तो वे भयभीत हो गए। लेकिन जिन बालकों ने भगवान शिव की आराधना शुरू की थी, उनका विश्वास नहीं डगमगाया। उन्होंने दैत्य के डर से भी शिव पूजा नहीं छोड़ी।

पौराणिक कथा के अनुसार, जब दूषण ने उन बालकों को मारने का प्रयास किया, तब भगवान शिव महाकाल के रूप में प्रकट हुए। उन्होंने दूषण का वध कर भक्तों की रक्षा की। इसके बाद भगवान शिव इसी स्थान पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजित हो गए। यही ज्योतिर्लिंग आगे चलकर महाकालेश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

महंत विनीत गिरि महाराज के अनुसार, सनातन परंपरा में शिवलिंग के अलग-अलग स्वरूप बताए गए हैं। स्वयंभू शिवलिंग, पार्थिव शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग प्रमुख हैं। देश में कुल 12 ज्योतिर्लिंग माने गए हैं और इनमें भगवान महाकालेश्वर का विशेष स्थान है। उज्जैन को मोक्षदायिनी सप्तपुरियों में भी शामिल किया जाता है। यहां महाकालेश्वर के अलावा हरसिद्धि माता, काल भैरव सहित अनेक प्राचीन मंदिर और तीर्थ हैं। यही कारण है कि उज्जैन को शिव और तीर्थों की नगरी के रूप में भी विशेष पहचान मिली है।

उज्जैन का महाकाल मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि हजारों साल पुराने इतिहास और कई राजवंशों के उतार-चढ़ाव का भी साक्षी रहा है। मान्यता है कि मंदिर की परंपरा द्वापर युग से भी पहले की है। समय के साथ मंदिर पर कई बार संकट आया, इसे नुकसान पहुंचा और अलग-अलग शासकों ने इसका पुनर्निर्माण कराया। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण जब उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करने आए थे, तब उन्होंने महाकाल स्त्रोत का गान किया था। छठी शताब्दी में राजा चंद्रप्रद्योत के समय महाकाल उत्सव होने का उल्लेख भी मिलता है। बाद के साहित्य में भी महाकाल मंदिर का वर्णन मिलता है।

11वीं शताब्दी में राजा भोज के समय उज्जैन में कई मंदिरों का निर्माण और विस्तार कराया गया। इनमें महाकाल मंदिर भी शामिल था। बताया जाता है कि राजा भोज ने मंदिर के शिखर को भी ऊंचा करवाया था। 7वीं शताब्दी के बाणभट्ट के साहित्य में भी महाकाल मंदिर का वर्णन मिलने की बात कही जाती है।

इतिहास के अनुसार 13वीं शताब्दी में दिल्ली के शासक इल्तुतमिश ने उज्जैन पर हमला किया। इस दौरान महाकाल मंदिर को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद मंदिर की मूल संरचना लंबे समय तक अस्तित्व में नहीं रही। स्थानीय परंपरा के अनुसार ज्योतिर्लिंग की पूजा किसी न किसी रूप में जारी रही। मराठा शासन के दौरान उज्जैन का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व फिर बढ़ा। ग्वालियर के सिंधिया राजवंश के संस्थापक राणोजी सिंधिया ने महाकाल मंदिर के पुनर्निर्माण और ज्योतिर्लिंग की पुनर्प्रतिष्ठा का काम कराया।

कहा जाता है कि राणोजी सिंधिया ने उज्जैन में महाकाल मंदिर की दुर्दशा देखी तो उन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय कारोबारियों को मंदिर निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए। बंगाल विजय से लौटने के बाद उन्होंने नवनिर्मित मंदिर में महाकाल की पूजा की। महाकाल मंदिर के पुनर्निर्माण और धार्मिक आयोजनों की पुनः शुरुआत के बाद राणोजी सिंधिया की एक यात्रा के दौरान शुजालपुर में मृत्यु हो गई। उनकी समाधि वहीं बनाई गई, जो आज भी मौजूद है। समाधि पर उनकी स्मृति में मराठी भाषा में लेख भी अंकित है।

मराठा काल में महाकाल मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ उज्जैन के धार्मिक गौरव को फिर मजबूती मिली। इसी दौर में सिंहस्थ आयोजन की परंपरा को भी दोबारा शुरू कराने का श्रेय राणोजी सिंधिया को दिया जाता है।

मंदिर पर संकट के दौर से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार, आक्रमण के समय पुजारियों ने ज्योतिर्लिंग को सुरक्षित रखने के लिए उसे कुंड में छिपा दिया था। बाद में परिस्थितियां सामान्य होने पर इसकी पुनर्प्रतिष्ठा की गई। मंदिर के पुराने स्वरूप से जुड़ी कई बातें इतिहास, स्थानीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं में अलग-अलग रूप में मिलती हैं।

आज महाकाल मंदिर के आसपास जिस भव्य महाकाल लोक को देखा जाता है, वह आधुनिक समय में विकसित किया गया धार्मिक और सांस्कृतिक परिसर है। इसका उद्देश्य महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देने के साथ उज्जैन की शिव परंपरा और पौराणिक कथाओं को भव्य रूप में प्रदर्शित करना है।

महाकाल लोक में भगवान शिव से जुड़ी कथाओं, पुराणों और शिव के विभिन्न स्वरूपों को मूर्तियों, भित्तिचित्रों और कलात्मक संरचनाओं के माध्यम से दर्शाया गया है। यहां प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को शिव की कथाओं और उज्जैन की धार्मिक परंपरा से जुड़ा एक दृश्यात्मक अनुभव मिलता है। यानी महाकाल की कहानी केवल एक मंदिर की कहानी नहीं है- यह आस्था, संघर्ष, पुनर्निर्माण और उज्जैन के बदलते धार्मिक इतिहास की सदियों लंबी यात्रा है।

महाकाल मंदिर में भगवान की प्रतिदिन पूजा-अर्चना एक तय परंपरा और विधि के अनुसार होती है। भस्म आरती से पहले पुजारी कोटि तीर्थ के जल से स्वयं को शुद्ध कर घंटी बजाकर भगवान महाकाल से मंदिर में प्रवेश की आज्ञा लेते हैं।

इसके बाद वीरभद्र, गणेश, माता पार्वती और कार्तिकेय का पूजन-अभिषेक कर गर्भगृह की पूजा प्रक्रिया शुरू होती है। भगवान महाकाल का 16 मंत्रों के उच्चारण के साथ पंचामृत, इत्र, भांग, गन्ने के रस और जल से अभिषेक किया जाता है। श्रावण के सोमवार को भगवान के उपवास की परंपरा के कारण सुबह नैवेद्य नहीं चढ़ाया जाता।

राखी बांधते हुए बहन बोल दे ये विशेष मंत्र

भाई की सलामती और समृद्धि के लिए माना जाता है बेहद शुभ

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है। इस दिन शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांधी जाती है। भाई की लंबी उम्र और खुशहाल जिंदगी की कामना करते हुए एक विशेष मंत्र का जाप करने की मान्यता है। जानिए राखी बांधते समय किस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के रिश्ते को समर्पित खास पर्व है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखी, स्वस्थ और सफल जीवन की कामना करती है। इस स्नेह के बदले भाई अपनी बहन को जीवनभर उसकी रक्षा करने का वचन देता है। राखी बांधते समय एक विशेष मंत्र का उच्चारण करना भी शुभ माना गया है। कहा जाता है कि मंत्रोच्चार के साथ बांधा गया रक्षासूत्र भाई की मंगलकामना और रक्षा के संकल्प को और प्रभावी बनाता है।

कब है रक्षाबंधन 2026?

हर साल सावन पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। इस साल रक्षाबंधन 28 अगस्त 2026, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं, भाई बहन की सुरक्षा और हर परिस्थिति में उसका साथ देने का संकल्प लेते हैं।

राखी बांधते समय बोलें मंत्र

येन बद्धो बलिराजा दानवेन्द्रो महाबलः।
तेन त्वामनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥

क्या है मंत्र का अर्थ?

इस मंत्र में महाबली राजा बलि का उल्लेख मिलता है। इसका भाव है कि जिस पवित्र रक्षा सूत्र से शक्तिशाली दानवराज बलि को बांधा गया था, उसी रक्षा सूत्र से मैं तुम्हें बांधती हूं। यह रक्षासूत्र तुम्हारी रक्षा करे और हमेशा अडिग रहे। धार्मिक मान्यता है कि मंत्रोच्चारण के साथ राखी बांधना भाई की सलामती और समृद्धि के लिए शुभ होता है।

राखी बांधने का शुभ समय

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने के लिए दिन में तीन शुभ अवसर मिलेंगे। पहला मुहूर्त सुबह 5 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इसके बाद दोपहर 1 बजकर 40 मिनट से शाम 4 बजकर 15 मिनट तक राखी बांधी जा सकेगी। वहीं, शाम का शुभ समय 6 बजकर 29 मिनट से रात 9 बजकर 12 मिनट तक रहेगा।

ऐसे बांधें राखी

रक्षाबंधन पर सबसे पहले भगवान का पूजन करें। इसके बाद भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। भाई को तिलक लगाकर अक्षत चढ़ाए और आरती करें। फिर शुभ मंत्र का जाप करते हुए उसकी दाहिनी कलाई पर राखी बांधे। इसके बाद मिठाई खिलाकर उसके सुखी जीवन की कामना करें। भाई के लिए कुछ उपहार लाई हो तो वह भी भेंट कर दें।

बालाघाट के इस मंदिर से है सांपों का नाता 7 साल से सिर्फ सावन में आता है सांपों का जोड़ा

सावन के महीने में भगवान शिव के मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है. ऐसे में कई भक्त गण शिवालय में कावंड़ लेकर आते हैं, तो कुछ पैदल या दंडवत होकर आते हैं. लेकिन बाालाघाट के लामता क्षेत्र के गुडरू गांव में भगवान शिव के भक्त इंसान नहीं बल्कि सांपों के रूप में आते हैं. सावन में तो आते हैं. सावन खत्म होने के बाद कहां चले जाते हैं किसी को नहीं पता. ऐसे में यह मंदिर आकर्षण का केंद्र बन गया है।

आस्था का केंद्र बना यह मंदिर

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले से करीब 65 किलोमीटर दूर गुडरू नाम के गांव में सती माता का मंदिर है. इस मंदिर में भक्तों की भीड़ तो आ रही है लेकिन सिर्फ भक्ति के लिए ही नहीं बल्कि सांपों के जोड़ों के दर्शन के लिए भी आते हैं. यहां पर सावन के महीने में ही होता है. यहां एक दृश्य भी बन जाता है. ग्रामीणों का दावा है कि बीते सात सालों से सावन के महीने में ही दो सांपों का जोड़ा आ रहा है।

आते है तीन सांप फिर चले जाते

मंदिर के पुजारी का कहना है कि बीते सात सालों से यहां पर सांप सिर्फ सावन के महीने में नजर आ रहे हैं. शुरुआत के पहले साल सिर्फ एक ही सांप आता था. लेकिन इसके बाद से दो और सांपों का जोड़ा आया था. इसके बाद हर साल ये सांप सावन के महीने में सती माता के मंदिर आते हैं. वहीं, मंदिर के पुजारी का कहना है कि सावन महीने के बाद सांप कहां जाते हैं किसी को नहीं पता. ऐसे में यह एक रहस्य है कि सांप मंदिर में क्यों आते हैं फिर गायब कहा हो जाते हैं।

आरती में आते हैं सांप मंदिर के पुजारी का कहना है कि सुबह के वक्त ये सांप तालाब की ओर से आते हैं और सुबह की आरती में शामिल भी होते हैं. इसके बाद सांप को जोड़ा पेड़ पर चढ़ जाता है. दिन भर आराम फरमाता है. वहीं, तीसरा सांप पेड़ के नीचे पोखर में चला जाता है. तीसरा सांप सफेद रंग का है, तो दो सांप काले और चकते वाले हैं।

चमत्कार मान रहे लोग

ग्रामीणों का कहना है कि यह बिल्कुल फिल्मों जैसा लगता है. ऐसे में सांपों का मंदिर में आना ईश्वरीय चमत्कार मान रहे हैं. ऐसे में भक्त गण भगवान के सात इन सांपों को भी देखने के लिए आ रहे हैं. ऐसे में दिन भर सांपों की भीड़ चलती है. यहां पर अब दूर-दूर से लोग आ रहे हैं।

शादी के लिए नहीं मिल रहा सही रिश्ता? सावन के दूसरे प्रदोष को शिवलिंग पर चढ़ाएं ये चीजें!

कई बार योग्य होने के बावजूद शादी के लिए सही रिश्ता नहीं मिल पाता या विवाह की बात बनते-बनते रुक जाती है. ज्योतिष शास्त्र में विवाह में देरी के पीछे कुंडली में ग्रहों की स्थिति को अहम माना जाता है. खासतौर पर शनि और मंगल को विवाह में अड़चन का कारण माना जाता है, वहीं गुरु की कमजोर स्थिति भी विवाह में देरी से जुड़ी मानी जाती है. कुंडली में सप्तम भाव और उसके स्वामी की स्थिति भी विवाह के योग और उसमें आने वाली बाधाओं को प्रभावित करती है।

ऐसे में ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करना विवाह संबंधी परेशानियों को दूर करने के लिए शुभ माना जाता है. खासकर सावन का महीना शिव पूजा के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना गया है. अगर आपके विवाह में कोई परेशानी आ रही हो तो सावन के दूसरे और अंतिम प्रदोष व्रत पर आप शिंवलिंग पर कुछ चीजें चढ़ा सकते हैं।

सावन के आखिरी प्रदोष व्रत उपाय

आज 25 अगस्त को सावन मास का अंतिम प्रदोष व्रत है. मान्यता है कि सावन में भगवान शिव की पूजा और शिवलिंग पर जल, बेलपत्र समेत अन्य पूजन सामग्री अर्पित करने से भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है. ज्योतिष मान्यता के मुताबिक, अगर विवाह में देरी हो रही है या सही रिश्ता नहीं मिल रहा है तो इस दिन शिव-पार्वती की पूजा और बताए गए उपाय करना शुभ माना जाता है. आइए जानते हैं वो उपाय, जिन्हें विवाह की मनोकामना के लिए किया जा सकता है।

शिव-पार्वती की पूजा:- सुबह शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर जल और 11 बेलपत्र चढ़ाएं. 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें।

कुंदकेश्वर महादेव का उपाय:- शिव महापुराण के मुताबिक,

विवाह के लिए दो लोटे जल लेकर शिवलिंग पर 'कुंदकेश्वर महादेव' का नाम स्मरण करते हुए जल समर्पित करें।

अशोक सुंदरी का स्थान:- शिवलिंग के पास स्थित माता पार्वती के हस्त कमल (अशोक सुंदरी के स्थान) पर शुद्ध घी या हल्दी की बिंदी लगाकर विवाह की प्रार्थना करें।

बेलपत्र और चंदन:- 108 बेलपत्र लें और उन पर सफेद या पीला चंदन लगाकर 'ॐ गौरी शंकराय नमः' मंत्र का जाप करते हुए एक-एक करके शिवलिंग पर चढ़ाएं।

शिवलिंग पर हल्दी:- प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर थोड़ी हल्दी या केसर अर्पित करना भी फलदायी माना गया है.

महामंत्र का जाप:- 'ॐ गौरीशंकराय नमः' या 'ॐ नमः मनोभिलाषितं वरं देहि वरं ह्रीं ॐ गोरा पार्वती देव्यै नमः' मंत्र की एक माला (108 बार) का रोज जाप करें।

यदि दिन में सपने देखना है तो पहले भाग्य और कर्म को समझें

इस बात की खूब चर्चा होती है कि हम अपने भविष्य के लिए सपने देखें। लेकिन अगर सपने देखना है तो पहले गहराई से सपनों को समझें। किस बात का सपना देख रहे हैं यह तो बाद की बात होगी। एक होती है डे-ड्रीमिंग, दिन में सपना देखना और दूसरा सपना रात को देखा जाता है। दिन का सपना एक योजना है, रात का सपना अनियोजित होता है।

यदि दिन में सपने देखना हैं तो दो बातों को समझें- भाग्य और कर्म। फिर अपने सपने को हो रहे परिवर्तनों से जोड़ें। दुनिया तेजी से बदल रही है तो आपकी गति कहीं रिवर्स तो नहीं है? सपने पूरे करने हों तो दूसरों का सहयोग भरपूर लें, फायदा भी उठाएं। कौन-से काम हम सबसे अच्छे तरीके से कर सकते हैं, इसकी सूची बनाएं।

और काम करते समय हमारी क्या कमजोरियां हैं, इस पर भी काम करें। क्योंकि आज अपना मकसद पूरा करने के लिए 'हसलिंग' का दौर है, यानी कड़ी मेहनत करना। अगर बातचीत की भाषा में कहें तो बिना उठापटक के, जुगाड़ के, आसानी से तो कुछ नहीं मिलता।

बोनी कपूर ने बेटी जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स के 'पिछले कुछ हफ्तों' की झलक साझा की

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी बेटी और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स की झलक साझा की। फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी बेटी और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स की झलक साझा की।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की और कैप्शन में लिखा, फॉर्मल्स, कैजुअल्स और अचकन के ट्विस्ट वाले सेल्फ-स्टाइल्ड पायजामा-कुर्तों में बिताए पिछले कुछ हफ्ते।

तस्वीरों में बोनी और जाह्नवी साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं, जो उनके सहज और स्टाइलिश पलों की झलक दिखाती हैं। इन तस्वीरों के साथ बोनी कपूर ने अपने हालिया फैशन विकल्पों पर एक मजेदार टिप्पणी भी साझा की। यह पोस्ट पिता-पुत्री की गर्मजोशी और आत्मीयता भरे रिश्ते को दर्शाती है।

पहली तस्वीर में बोनी कपूर अपनी बेटी के साथ पोज देते हुए खुशी से मुस्कुराते नजर आए। दूसरी तस्वीर में फिल्म निर्माता नीले रंग के कोट और काली पैंट में दिखाई दिए, जबकि 'धड़क' अभिनेत्री फ्लोरल आउटफिट में बेहद स्टाइलिश लग रही थीं। तीसरी तस्वीर में बोनी कपूर ऑल-ब्लैक सूट में आकर्षक अंदाज में नजर आए। अन्य तस्वीरों में निर्देशक को कैजुअल परिधानों में देखा जा सकता है।

जाह्नवी कपूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी हैं। उनकी छोटी बहन खुशी कपूर भी अभिनेत्री हैं। इससे पहले फादर्स डे के अवसर पर 'मिली' अभिनेत्री ने अपने पिता बोनी कपूर के लिए एक भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने बचपन की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह अपने पिता की गोद में बैठी नजर आ रही थीं।

जाह्नवी ने लिखा था,फादर्स डे की शुभकामनाएं उस सबसे बेहतरीन इंसान को जिसे मैं जानती हूं। सबसे अच्छा दिल, सबसे अच्छी सोच, सबसे प्यार करने वाले, सबसे ज्यादा ख्याल रखने वाले, सबसे मजेदार और सबसे कूल, मेरे सबसे अच्छे दोस्त, जो हर किसी के लिए सब कुछ करते हैं और बदले में कुछ भी उम्मीद नहीं रखते। आप मेरा सहारा हैं। मैं आपको दुनिया का सबसे खुश और सबसे गर्वित पापा बनाना चाहती हूं और मैं वादा करती हूं कि इसके लिए हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। जिन दिनों मैं आपको परेशान करती हूं, उसके लिए माफ कीजिए।

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा- काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं।

अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।

अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया।

वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

श्रीदेवी की स्टूडेंट बनना चाहती थीं काजोल

बोलीं- 'आप स्कूल खोलिए, मैं पहली छात्रा बनूंगी'

हिंदी सिनेमा में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिनका असर आगे आने वाली पीढ़ी के कलाकारों पर भी दिखाई देता है। श्रीदेवी भी ऐसी ही कलाकार थीं। बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां उन्हें अपनी प्रेरणा मानती रही हैं। इनमें अभिनेत्री काजोल का नाम भी शामिल है। काजोल ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह श्रीदेवी के अभिनय से इतनी प्रभावित थीं कि चाहती थीं कि दिग्गज अभिनेत्री अपना एक अभिनय स्कूल खोलें और वह उनकी पहली छात्रा बनें। काजोल ने यह दिलचस्प बात अभिनेता अनुपम खेर के लोकप्रिय टॉक शो 'द अनुपम खेर शो' में कही। बातचीत के दौरान अनुपम खेर ने उनसे पूछा कि फिल्मों में आने से पहले उनकी पसंदीदा अभिनेत्रियां कौन थीं। इस सवाल के जवाब में काजोल ने बताया कि जब वह बहुत छोटी थीं, तब उनकी कोई एक पसंदीदा अभिनेत्री नहीं थी। लेकिन जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, श्रीदेवी का अभिनय उन्हें बेहद पसंद आने लगा। काजोल ने कहा, श्रीदेवी शानदार अभिनेत्री थीं। मैं उनसे हमेशा कहती थी कि उन्हें एक अभिनय स्कूल खोल लेना चाहिए। अगर ऐसा होता तो मैं खुद उस स्कूल की पहली छात्रा बनना चाहती थी और बहुत कुछ सीखना चाहती थी।"

काजोल ने श्रीदेवी की सबसे बड़ी खूबी उनके अभिनय में बदलाव को बताया। उन्होंने कहा, श्रीदेवी जिस किरदार को निभाती थीं, उसमें पूरी तरह उतर जाती थीं। दर्शक उन्हें देखकर यह भूल जाते थे कि सामने एक अभिनेत्री है और उन्हें सिर्फ वही किरदार नजर आता था, जिसे वह निभा रही होती थीं। यही बात श्रीदेवी को दूसरी अभिनेत्रियों से अलग बनाती थी।

काजोल ने 'चांदनी', 'चालबाज', 'सदमा' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में श्रीदेवी के किरदार एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे, लेकिन हर भूमिका में वह पूरी तरह विश्वसनीय लगीं।

काजोल ने आगे कहा, श्रीदेवी के किरदारों में कहीं न कहीं उनकी अपनी शख्सियत की हल्की झलक जरूर मिलती थी, लेकिन वह कभी किरदार पर हावी नहीं होती थी। यही एक सच्चे अभिनेता की पहचान थी। फिल्म 'खुदा गवाह' में श्रीदेवी का अभिनय शानदार था। उनकी आंखों में कभी उम्र दिखाई नहीं देती थी। उनके अंदर हमेशा जिंदगी को लेकर उत्साह नजर आता था। हमेशा कुछ नया करने की इच्छा दिखाई देती थी। ऐसा लगता था कि उन्होंने कितना भी काम कर लिया हो, लेकिन अभी भी उनके अंदर बहुत कुछ करने की चाह बाकी है।

श्रीदेवी का 24 फरवरी 2018 को 54 साल की उम्र में निधन हो गया था। दुबई में एक पारिवारिक समारोह के दौरान होटल के बाथटब में दुर्घटनावश डूबने से उनकी मौत हुई थी। उनके अचानक चले जाने से पूरा फिल्म जगत स्तब्ध रह गया।

अनुपम खेर ने यश की तारीफ की

कहा – असाधारण प्रतिभा वाला सुपरस्टार

अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार यश से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर यश के साथ तस्वीरें शेयर कीं और उनके अभिनय सफर की जमकर तारीफ की। खास तौर पर उन्होंने यश के 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी में निभाए गए रॉकी के किरदार को याद किया और बताया कि इस दमदार किरदार के पीछे उन्हें एक समझदार इंसान नजर आए। अनुपम खेर ने यश से मुलाकात को बेहद खास बताया, साथ ही उन्हें असाधारण प्रतिभा वाला कलाकार कहा। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से यश के सफर को करीब से देखता और पसंद करता आया हूं। खासकर 'केजीएफः चैप्टर 1' और 'केजीएफः चैप्टर 2' में रॉकी के किरदार को जिस तरह यश ने पर्दे पर पेश किया, उससे मैं काफी प्रभावित हूं। अनुपम खेर ने आगे कहा, यश ने सिर्फ रॉकी का किरदार निभाया नहीं था, बल्कि उसमें अपनी जान डाल दी थी। उन्होंने रॉकी को एक अलग आत्मा, अपना अंदाज और ऐसी पहचान दी, जिसे भारतीय सिनेमा में लंबे समय तक याद किया जाएगा। रॉकी के किरदार में यश की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस, स्टाइल और डायलॉग बोलने के अंदाज ने दर्शकों के बीच उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।

अनुपम खेर आगे बताया, पर्दे पर बेहद शक्तिशाली और रौबदार नजर आने वाले यश के पीछे मुझे एक गर्मजोशी से भरा, जमीन से जुड़ा और सोचने-समझने वाला इंसान देखने को मिला। हमारी मुलाकात एक स्टूडियो में हुई, जहां फिल्मों के अलावा जिंदगी से जुड़े कई विषयों पर बातचीत हुई।

अनुपम खेर ने कहा, हमने माता-पिता, परिवार, सपनों और जिंदगी के उन अनुभवों के बारे में बात की, जो किसी इंसान को धीरे-धीरे आकार देते हैं। इस मुलाकात ने मुझे यह महसूस कराया कि अलग-अलग पीढ़ियों से आने के बावजूद कलाकारों के सपने और जुनून एक जैसे हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, जब भी मेरी मुलाकात ऐसे युवा कलाकारों से होती है, जो कुछ अलग और असाधारण करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, तो मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। ऐसे कलाकारों का जुनून मुझे और मेहनत करने, चीजों को और गहराई से देखने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है।

अनुपम खेर ने यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के लिए भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फिल्म अपनी अलग पहचान बनाएगी और दर्शकों से भरपूर प्यार हासिल करेगी।

'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म में यश दोहरी भूमिका में दिखाई देंगे। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है और 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर दिया रिएक्शन, बोलीं गलत समझा गया

करीना कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में हैं। बेबो ने शनिवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रेग्नेंसी की इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया साझा की, जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। करीना ने स्टोरीज सेक्शन में एक मजेदार इंस्टाग्राम पोस्ट को दोबारा शेयर किया, जिसमें एक आदमी अपने फूले हुए पेट के साथ पोज देता नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हट ना बे'।

करीना ने अपने अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी भी जोड़े। उन्होंने फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का गाना 'चॉकलेट लाइम जूस' भी जोड़ा, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका निकला हुआ पेट खाने के प्रति उनके प्रेम का ही परिणाम है। करीना से पहले उनकी ननद और सैफ की बहन सबा पटौदी ने अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की अफवाहों को खारिज करते हुए दावा किया था कि विवादित तस्वीर, जिसमें बेबो को फूले हुए पेट के साथ देखा जा सकता है, एक खराब कैमरा एंगल का परिणाम थी।

बता दें कि न्यूयॉर्क में छुट्टियां मनाते समय करीना कपूर के पति सैफ अली खान के साथ उनके तीसरे बच्चे की उम्मीद की अटकलें भी सामने आई थीं। उस समय करीना कपूर की एक इंस्टाग्राम स्टोरी को गलत समझा गया था।

हालांकि, 'के3जी' अभिनेत्री ने बाद में इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा था कि यह सब बस पिज्जा और वाइन का खेल था। वहीं, अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना अगली बार मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी, जिसमें वह पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दिखाई देंगी।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती

बोलीं- 'सिर्फ डायलॉग बोलना नहीं, उसकी संस्कृति समझना भी जरूरी'

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। आईएएनएस से बातचीत में अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे। आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है।

हाल ही में अकांक्षा पुरी अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था, जो एक डांसर से मुखबिर बन जाती है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी। अकांक्षा ने इस किरदार को कुछ नया करने का मौका बताया था।

सोशल मीडिया का असर, छात्रों में हार्मोन बिगाड़ने वाले प्रोडक्ट का बढ़ा उपयोग

सोशल मीडिया आज सिर्फ मनोरंजन या दोस्तों से जुड़े रहने का जरिया नहीं रह गया है। खासकर किशोरों की रोजमर्रा की दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बन गया है। अब एक नई रिसर्च ने सोशल मीडिया के एक और पहलू पर ध्यान खींचा है। अमेरिका में हुई इस स्टडी के मुताबिक, जो हाई स्कूल के छात्र सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताते हैं और ब्यूटी, हेयर केयर या मेकअप से जुड़ा कंटेंट ज्यादा देखते हैं, वे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स का भी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में ऐसे केमिकल हो सकते हैं जो शरीर के हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है और इसे 'जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायर्नमेंटल एपिडेमियोलॉजी' में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में न्यू जर्सी के प्रिंसटन हाई स्कूल के 143 छात्रों को शामिल किया गया। छात्रों से पूछा गया कि उन्होंने पिछले 24 घंटे में साबुन, शैंपू, डियोड्रेंट, परफ्यूम, सनस्क्रीन, स्किन केयर और मेकअप जैसे कितने पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। रिसर्च में सामने आया कि सोशल मीडिया और ब्यूटी कंटेंट का इस्तेमाल जितना ज्यादा था, प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी उतना ही ज्यादा था। जिन छात्रों ने ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फॉलो किया था जिनकी अपनी प्रोडक्ट लाइन थी, उन्होंने पिछले 24 घंटे में औसतन 30 फीसदी ज्यादा प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। वहीं, जो छात्र हेयर या ब्यूटी ट्यूटोरियल देखते थे, उनके बीच प्रोडक्ट इस्तेमाल करीब 40 फीसदी ज्यादा पाया गया। शोधकर्ताओं ने उम्र, जेंडर, कक्षा, जातीयता और माता-पिता की शिक्षा जैसे कई दूसरे कारकों को ध्यान में रखने के बाद भी यह संबंध देखा।

इस स्टडी की खास बात यह भी है कि इसमें हाई स्कूल के दो छात्रों, गैब्रिएल कपुटा और वीटा मॉस-वांग ने भी रिसर्च टीम के साथ काम किया। उन्होंने सर्वे तैयार करने में मदद की और सुझाव दिया कि इसमें छात्रों के सोशल मीडिया इस्तेमाल से जुड़े सवाल भी शामिल किए जाएं। बाद में दोनों इस वैज्ञानिक पेपर के सह-लेखक भी बने।

रिसर्च की प्रमुख लेखिका एमिली बैरेट के मुताबिक, सोशल मीडिया इस अध्ययन का सबसे दिलचस्प हिस्सा रहा। आमतौर पर सोशल मीडिया के बच्चों पर मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े असर की चर्चा होती है, लेकिन यह अध्ययन एक दूसरी चिंता की तरफ इशारा करता है। सोशल मीडिया किशोरों को ऐसे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर सकता है जिनमें संभावित रूप से हार्मोन को प्रभावित करने वाले केमिकल मौजूद हो सकते हैं।

पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। साबुन, टूथपेस्ट, शैंपू, डियोड्रेंट, सनस्क्रीन, परफ्यूम, स्किन केयर और मेकअप जैसी चीजें लगभग हर घर में इस्तेमाल होती हैं। कुछ उत्पादों में फ्थैलेट्स, पैराबेन्स और फेनॉल्स जैसे केमिकल पाए जा सकते हैं। इनमें से कुछ रसायनों को हार्मोन सिग्नलिंग पर संभावित असर और कुछ स्वास्थ्य जोखिमों से जोड़ा गया है। हालांकि, किसी प्रोडक्ट में किसी रसायन की मौजूदगी का मतलब यह नहीं है कि उसके इस्तेमाल से निश्चित रूप से बीमारी होगी। जोखिम को समझने के लिए एक्सपोजर की मात्रा और लंबे समय के प्रभावों पर और रिसर्च जरूरी है।

स्टडी में लड़कियों और लड़कों के इस्तेमाल में भी काफी अंतर दिखा। लड़कियों ने पिछले दिन औसतन 14 पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की जानकारी दी, जो लड़कों की तुलना में करीब दोगुना था। करीब 57 फीसदी छात्रों ने पिछले 24 घंटे में फ्रेगरेंस या परफ्यूम इस्तेमाल किया था।

सबसे चिंता वाली बात यह सामने आई कि ज्यादातर किशोर इन प्रोडक्ट्स में मौजूद सामग्री को लेकर बहुत ज्यादा सावधान नहीं थे। सिर्फ 19 फीसदी छात्र नियमित रूप से प्रोडक्ट के लेबल पढ़ते थे, जबकि केवल 5 फीसदी ऐसे ऐप या वेबसाइट का इस्तेमाल करते थे जो अपेक्षाकृत सुरक्षित प्रोडक्ट चुनने में मदद करती हैं।

यानी समस्या सिर्फ यह नहीं है कि किशोर कितने प्रोडक्ट इस्तेमाल कर रहे हैं, बल्कि यह भी है कि उन्हें इन प्रोडक्ट्स के अंदर मौजूद सामग्री के बारे में कितनी जानकारी है। किशोरावस्था वैसे भी शरीर में तेजी से बदलाव का समय होता है। इस दौरान हार्मोन सिस्टम में बड़े बदलाव होते हैं, इसलिए शोधकर्ताओं का मानना है कि इस उम्र में केमिकल एक्सपोजर को कम करने के तरीके समझना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब शोधकर्ता आगे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से सोशल मीडिया अकाउंट, इन्फ्लुएंसर्स और मैसेज किशोरों के प्रोडक्ट चुनने के फैसले को सबसे ज्यादा प्रभावित करते हैं। भविष्य में बड़े और ज्यादा विविध समूहों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है। शोधकर्ता छात्रों के इस्तेमाल किए गए प्रोडक्ट्स की जानकारी को उनके यूरिन सैंपल में मौजूद केमिकल्स के स्तर से जोड़कर भी देखना चाहते हैं।

शरीर में आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज बढ़ सकता है एनीमिया का खतरा

शरीर में होने वाली हर छोटी परेशानी को हम अक्सर थकान, ज्यादा काम या नींद की कमी से जोड़ देते हैं। खासकर कमजोरी, चक्कर आना या थोड़ी दूर चलने पर सांस फूलना जैसी दिक्कतों को लोग सामान्य मान लेते हैं। लेकिन कई बार इन समस्याओं के पीछे शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी हो सकती है। आयरन भी ऐसा ही जरूरी पोषक तत्व है, जिसकी कमी धीरे-धीरे शरीर पर असर डाल सकती है। आयरन हमारे शरीर के लिए इसलिए जरूरी है क्योंकि इसकी मदद से हीमोग्लोबिन बनता है। हीमोग्लोबिन खून में मौजूद एक जरूरी हिस्सा है, जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाता है। अगर शरीर में आयरन कम हो जाए, तो हीमोग्लोबिन भी कम हो सकता है। आयरन की कमी में व्यक्ति को हर समय थकान महसूस होती है। थोड़ा काम करने के बाद ही कमजोरी लगती है। कई बार सीढ़ियां चढ़ने या तेज चलने पर सांस भी फूलने लगती है। अगर आयरन की कमी लंबे समय तक बनी रहे, तो एनीमिया का कारण बन सकती है। आयरन की कमी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है, लेकिन कुछ स्थितियों में इसका जोखिम बढ़ जाता है। बच्चों और किशोरों के शरीर में विकास के दौरान आयरन की जरूरत बढ़ती है। वहीं मासिक धर्म के दौरान ज्यादा रक्तस्राव होने वाली महिलाओं में भी आयरन की कमी का खतरा रहता है।

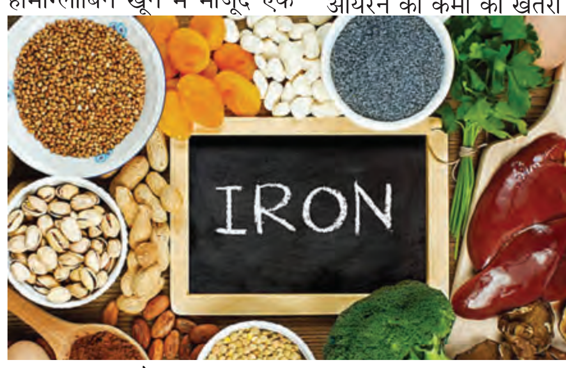

गर्भावस्था के दौरान भी शरीर को ज्यादा आयरन की जरूरत होती है। इसी तरह अगर खाने में आयरन वाली चीजें पर्याप्त मात्रा में शामिल नहीं हैं, तो भी इसकी कमी हो सकती है। कुछ लोगों को पेट या आंत से जुड़ी बीमारी होती है, जिसकी वजह से खाना खाने के बाद आयरन शरीर में ठीक से नहीं पहुंच पाता। ऐसे मामलों में भी आयरन की कमी हो सकती है।

बार-बार ब्लड डोनेट करने या किसी ऑपरेशन के दौरान ज्यादा खून निकलने के बाद भी शरीर में आयरन कम हो सकता है। अगर बार-बार आयरन की कमी सामने आ रही है, तो डॉक्टरों से सलाह लेनी जरूरी हैं।

आयरन की कमी के लक्षण जानना बेहद जरूरी है। सबसे पहले लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है। आराम करने के बाद भी शरीर में ऊर्जा कम लगती है। इसके अलावा चक्कर आना, सिरदर्द, सांस फूलना और काम करते समय जल्दी थक जाना भी इसके संकेत हो सकते हैं। कुछ लोगों को किसी काम पर ध्यान लगाने में परेशानी हो सकती है।

आयरन की कमी का असर शरीर के बाहर भी दिखाई दे सकता है। त्वचा पहले से ज्यादा पीली लगती है, बाल ज्यादा झड़ते हैं और नाखून कमजोर होकर जल्दी टूटते हैं। कुछ लोगों के हाथ-पैर ठंडे रहने की शिकायत भी हो सकती है। हालांकि इन सभी लक्षणों का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को आयरन की कमी ही है। दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं में भी ऐसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

अगर लंबे समय से थकान, कमजोरी, चक्कर या सांस फूलने जैसी परेशानी हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। डॉक्टर से सलाह लेकर जरूरी जांच कराना बेहतर है।

सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय

हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, ईएनएसओ से जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए।

सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है।

हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सोंठ को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों में राहत के लिए हो सकते हैं, किसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं हैं।

नाक बंद होने या गले में खराश जैसी परेशानी में भाप लेना कुछ लोगों को आराम दे सकता है। इसी तरह गुनगुने नमक या हल्दी वाले पानी से गरारे करने से गले की परेशानी में राहत मिल सकती है। भाप लेते समय बहुत गर्म पानी से जलने से बचें, खासकर बच्चों के मामले में।

सांस और शरीर को सक्रिय रखने के लिए योग भी मददगार हो सकता है। भुजंगासन और गोमुखासन जैसे आसनों को अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास में शामिल किया जा सकता है। इनके साथ नाड़ी शोधन और भ्रामरी प्राणायाम भी किए जा सकते हैं।

लेकिन अगर सांस लेने में ज्यादा परेशानी, लगातार खांसी, सीने में दर्द, तेज घरघराहट या सांस फूलने जैसी समस्या हो, तो केवल घरेलू उपायों पर निर्भर न रहें और डॉक्टर से सलाह लें।

हर समय मीठा खाने का करता है मन तो शरीर में हो सकती है ये गड़बड़ी, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

खाना खाने के बाद अक्सर लोगों को कुछ मीठा खाने का मन करता है। इससे मूड भी अच्छा रहता है और शरीर को तुरंत एनर्जी भी मिलती है। यही वजह है कि थकान या ज्यादा भूख लगने पर कई लोगों को मीठी चीजें खाने की इच्छा होने लगती है। लेकिन अगर आपको दिन में बार-बार मीठा खाने का मन करता है और बिना मीठा खाए मन नहीं मानता, तो इसे सिर्फ अपनी पसंद समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बार-बार मीठा खाने की इच्छा के पीछे कई बड़ी वजहें हो सकती हैं। कभी नींद पूरी न होने या ज्यादा तनाव के कारण भी मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। कुछ लोगों में यह शरीर में शुगर बढ़ने से जुड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अगर आप कई घंटों तक कुछ नहीं खाते हैं, तो शरीर को तुरंत एनर्जी देने वाली चीज खाने का मन करता है, ऐसे समय में मीठी चीजें ज्यादा अच्छी लगती हैं। लेकिन मीठा खाने से मिली एनर्जी ज्यादा देर तक नहीं रहती। कुछ समय बाद फिर भूख लग सकती है। ऐसे में बार-बार मिठाई, बिस्कुट, चॉकलेट या मीठे पेय लेने से शरीर में जरूरत से ज्यादा कैलोरी पहुंच सकती है और वजन बढ़ने की परेशानी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि बहुत लंबे समय तक खाली पेट न रहें और समय पर संतुलित खाना खाएं।

कई बार हम पेट भरने के लिए खाना तो खा लेते हैं, लेकिन खाने में शरीर के लिए जरूरी चीजें कम होती हैं। अगर भोजन में दाल, दूध, दही, अंडे जैसी प्रोटीन वाली चीजें और सब्जियां, फल या साबुत अनाज कम हैं, तो पेट जल्दी खाली लग सकता है। ऐसे में बार-बार कुछ खाने और खासकर मीठा खाने की इच्छा होती है। इसलिए रोज के खाने में दाल, सब्जियां, फल, साबुत अनाज और अपनी जरूरत के हिसाब से प्रोटीन वाली चीजें जरूर शामिल करें।

अगर आप रोज पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इसका असर आपकी खाने की आदत पर भी पड़ सकता है। कम सोने से दिनभर थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। ऐसे समय में शरीर जल्दी एनर्जी देने वाली चीजें मांग सकता है और मीठा सबसे आसान विकल्प लगता है। अगर आपको अक्सर मीठा खाने का मन करता है, तो अपने सोने के समय पर भी ध्यान दें। रोज सही समय पर सोना और पर्याप्त नींद लेना इस आदत को कम करने में मदद कर सकता है।

काम का दबाव, घर की परेशानी, उदासी या ज्यादा थकान होने पर कई लोगों का मन मीठा खाने का करता है। मीठा खाने के बाद कुछ देर के लिए अच्छा महसूस हो सकता है।

यही वजह है कि कुछ लोग तनाव होने पर बार-बार मिठाई या चॉकलेट खाने लगते हैं। अगर हर बार तनाव या उदासी में आप मीठा खाते हैं, तो धीरे-धीरे यह आदत बन सकती है।

अगर आपको लगातार मीठा खाने की इच्छा होती है और साथ ही बहुत ज्यादा प्यास लगती है, बार-बार पेशाब आता है, बिना कोशिश वजन कम हो रहा है या हर समय बहुत थकान रहती है, तो डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। ऐसे लक्षण कुछ लोगों में शरीर की शुगर बढ़ने या डायबिटीज से जुड़े हो सकते हैं।

मीठे की इच्छा कम करने के लिए सबसे पहले बहुत देर तक भूखे रहने से बचें। खाने में दाल, सब्जियां, फल, साबुत अनाज और प्रोटीन वाली चीजें शामिल करें। मीठा खाने का मन करे तो मिठाई या मीठे पेय के बजाय फल खा सकते हैं। साथ ही रोज की नींद पूरी करने और तनाव कम करने की कोशिश करें।

यादादाश्त अच्छी करने के लिए क्या खाएं ?

प्रश्न : मैं इंटरमीडिएट का छात्र हूं। बार-बार पढ़ने के बाद भी याद किया हुआ भूल जाता हूं। याददाश्त अच्छी हो जाए ऐसा कोई उपाय बताएं।

कखग, हैदराबाद

उत्तर : आप सुबह सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में अपने नित्य कर्मों से निवृत्त होकर अध्ययन के लिए बैठा करें। आप के अध्ययन की जगह शांत, वेंटीलेशन से भरपूर और उचित प्रकाशयुक्त हो। आप सुबह - शाम ऊंझा ब्राह्मी वटी एवं स्मृति सागर रस टिकिया दूध के साथ लिया करें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट का सेवन करें। रात्रि सोने से पूर्व ऊंझा शंखपुष्पी सिरप 20 मिलीलीटर को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन किया करें। ऐसा कुछ महीने सेवन करने से आपकी स्मृति ठीक होने लगेगी। पढ़ा हुआ याद रहेगा और आप परीक्षा में अपनी स्मृति का प्रयोग कर उत्तीर्ण हो जाओगे।

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑंकोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।

- सुधाकर रेड्डी, निजामाबाद

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में ₹कर्कटार्बुद₹ कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती हैं । यह प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है।

जीभ का कैंसर अक्सर उन लोगों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और औरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म , पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरी उम्र 77 वर्ष है। पिछले 5 साल से रात को पांच- छह बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है। कृपया इसका इलाज और परहेज बताइए।

- दीनानाथ शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : आपके पत्र को पूरा ध्यान पूर्वक पढ़ा हूं। 77 वर्ष की उम्र में भी आप काफी सक्रिय व स्वस्थ है। बधाई। स्त्रियों में जैसे मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) होती है, वैसे ही पुरुषों में भी एक वय के बाद एंड्रोपाज हो जाता है। सक्रिय काम जीवन खत्म होने पर प्राकृतिक रूप से पौरुष ग्रंथि बढ़ने लगती है। इसके कारण मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और यही बार बार पेशाब आने का कारण बनता है।

आप प्राणायाम, योगासन, घूमना- फिरना सब जारी रखें। अपने रात्रि भोजन को 7 बजे के भीतर ही ले लें। रात्रि भोजन हल्का-फुल्का ही रखें। शाम के बाद पानी कम पीवे। औषध कल्प में आप ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं ऊंझा गोक्षुरादि गुग्गुलु दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन यदि दो बार ही होता हो तो यह दवा दो बार ही लेवें। तिल को सेक कर कूट लें। उसके संग थोड़ा गुड़ मिलाकर पांच -दस ग्राम की मात्रा में सुबह खाली पेट पानी से लिया करें। कुछ महीनों में आपको अवश्य आराम मिल जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

अगर बाल रूखे और बेजान हैं, तो लगाएं मेथी के दाने से बना हेयर मास्क

मेथी के दाने हमारी रसोई में बहुत आम हैं। इनका इस्तेमाल सब्जियों, दाल और दूसरी चीजों में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन यही छोटे-छोटे दाने बालों की देखभाल में भी काम आ सकते हैं। खासकर जब बाल रूखे, बेजान या कमजोर नजर आने लगें, तब मेथी से बना लेप एक समाधान हो सकता है। इसमें कुछ ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों और सिर की त्वचा के लिए मददगार होते हैं। मेथी में प्रोटीन बेहतर मात्रा में पाया जाता है। इसके बीजों में प्रोटीन और कई अमीनो एसिड पाए जाते हैं। बालों का मुख्य ढांचा ही केराटिन नाम के प्रोटीन से बना होता है। इसलिए बालों की अच्छी सेहत के लिए शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिलना जरूरी है। मेथी खाने से मिलने वाला प्रोटीन शरीर के पोषण में मदद करता है। वहीं, मेथी का लेप बालों पर लगाने से बालों की सतह मुलायम और बेहतर महसूस होती है। मेथी की एक खासियत यह भी है कि इसमें गैलेक्टोमैनन नाम का घुलनशील रेशा भी होता है। पानी में भिगोने के बाद मेथी के दाने चिपचिपे हो जाते हैं। यही चिपचिपापन मेथी के पेस्ट को बालों पर एक हल्की परत बनाने में मदद करता है। यह परत बालों में नमी को बनाए रखने में मदद कर सकती है। इसी वजह से मेथी का इस्तेमाल करने के बाद रूखे बाल ज्यादा मुलायम लगते हैं।

मेथी में आयरन, कैल्शियम, विटामिन और निकोटिनिक एसिड जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। आयरन शरीर के लिए जरूरी है और इसकी कमी होने पर बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। लेकिन सिर पर मेथी का पेस्ट लगाने से शरीर में आयरन की कमी पूरी नहीं होगी। इसके लिए डाइट में आयरन से भरपूर चीजों को शामिल करना पड़ेगा।

अब बात करते हैं इसे इस्तेमाल करने के तरीके की। मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखना सबसे आसान तरीका है। सुबह पानी निकालकर दानों को पीस लें। इससे गाढ़ा और चिपचिपा लेप तैयार हो जाएगा। इसे बाल धोने से पहले सिर की त्वचा और बालों की लंबाई पर लगाए। करीब 20 से 30 मिनट बाद बालों को सामान्य तरीके से धो लें। भिगोने की वजह से मेथी नरम हो जाती है और उसका चिपचिपा हिस्सा बाहर आता है, जो बालों को मुलायम बनाने में मदद करता है।

अगर बाल बहुत रूखे हैं, तो मेथी के लेप में थोड़ा नारियल तेल मिलाए। नारियल तेल बालों को मुलायम बनाने और उनकी सतह पर नमी बनाए रखने में मदद करता है।

मेथी का इस्तेमाल करते समय सावधानी भी जरूरी है। पहली बार लगाने से पहले थोड़ी मात्रा त्वचा के छोटे हिस्से पर लगाकर देख लें। अगर जलन, खुजली या लाल चकत्ते हों तो इसका इस्तेमाल न करें।

नए सिम कार्ड नियम लागू

अब एक व्यक्ति नहीं ले पाएगा नौ से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग की ओर से जारी किए गए नए सिम कार्ड नियम सोमवार से लागू हो गए हैं। इसके तहत कोई यूजर अपने नाम पर अधिकतम 9 मोबाइल कनेक्शंस रख सकता है। वहीं, कुछ इलाकों जैसे जम्मू एंड कश्मीर, असम और उत्तर-पूर्व के लिए यह सीमा छह निर्धारित की गई है। दूरसंचार विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान करें, जिनके पास पहले से ही निर्धारित सीमा के करीब मोबाइल कनेक्शन हैं और जानकारी दें कि नए नियमों के तहत अब वे नया कनेक्शन नहीं ले सकते हैं। इन निर्देशों के तहत ग्राहकों को 'कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म' (सीएएफ) में यह जानकारी देनी होगी कि उनके नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम ऑपरेटरों और लाइसेंस प्राप्त सर्विस एरिया में पहले से कौन-कौन से मोबाइल कनेक्शन हैं। डीओटी के सर्कुलर में बताया गया है कि जिन ग्राहकों ने तय सीमा से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन ले रखे हैं, उनकी जानकारी विभाग के द्वारा विकसित किए गए 'डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म' (डीआईपी) पर उपलब्ध है। डीओटी ने टेलीकॉम ऑपरेटरों की मदद के लिए यह सिस्टम बनाया है ताकि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान कर सकें, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की तय सीमा पूरी हो चुकी है।

नया सिस्टम उन ग्राहकों को पहचानने के लिए फोटोग्राफ का उपयोग करेगा और डीआईपी पर दूरसंचार विभाग उन सब्सक्राइबर्स की फोटो भेजेगा, जो अधिकतम कनेक्शन की सीमा तक पहुंच चुके हैं। डीआईपी से टेलीकॉम कंपनियां उन सब्सक्राइबर्स की फोटो डाउनलोड कर पाएंगी। नए सिस्टम के तहत अगर कोई यूजर तय सीमा से अधिक कनेक्शन ले लेता है, तो कनेक्शन के एक्टिव होने के बाद मामला सुलझने तक वह बंद रहेगा। सर्कुलर में कहा गया, जब तक टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म (सीएएफ) की शर्तों के आधार पर ऐसे उपाय लागू नहीं करते, तब तक तय सीमा से ज्यादा एक्टिवेट किए गए किसी भी मोबाइल कनेक्शन को तुरंत सस्पेंड कर दिया जाएगा। यह सस्पेंशन तब तक रहेगा जब तक मोबाइल कनेक्शन की तय सीमा पार करने से जुड़ा मामला सुलझ नहीं जाता।

पीयूष गोयल की जापानी कंपनियों से अपील

भारत में अपना परिचालन मजबूत करें; सुजुकी जैसी सफलता दोहरायें

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को जापानी कंपनियों से भारत में अपना परिचालन मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि वे सुजुकी जैसी सफलता को देश में दोहराये और हम भारत में काम कर रही जापानी कंपनियों में 1,580 सुजुकी को उभरते हुए देखना चाहते हैं। जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जेसीसीआई) की जापान-भारत बिजनेस कंसल्टेटिव कमिटी (जेआईबीसीसी) और भारतीय दूतावास के साथ एक गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि भारत की युवा वर्कफोर्स, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और लंबे समय की विकास की महत्वाकांक्षाएं जापानी व्यवसायों के लिए बड़े अवसर प्रदान करती हैं। गोयल ने देश में पिछले चार दशकों में सुजुकी के सफर का जिक्र करते हुए कहा, आज हम भारत से कुछ सबसे बड़े और सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले ऑपरेशन होते हुए देख रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम उन 1,580

कंपनियों के लिए ऐसा ही सफर देखना चाहते हैं जिनका आप प्रतिनिधित्व करते हैं। हम चाहते हैं कि भारत से 1,580 'सुजुकी' जैसी कंपनियां उभरें। गोयल ने कहा कि भारत और जापान को अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ का इस्तेमाल व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने और आने वाले दशक के लिए अपनी आर्थिक साझेदारी को आकार देने में करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत में पहले से ही बड़ी संख्या में जापानी कंपनियां काम कर रही हैं। मेरा मानना है कि इस दशक में यह संख्या मौजूदा स्तर से दोगुनी हो जानी चाहिए।

सोना 1,983 बढ़कर 1.63 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में 24 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,983 रुपए बढ़कर 1.63 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 297 रुपए कम होकर 2.46 लाख रुपए आ गई। इस महीने यानी अगस्त में 24 दिन में सोना 20 हजार और चांदी 28 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 30 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.63 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.46 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव

सेंसेक्स 172 अंक लुढ़का, निफ्टी 24,250 के नीचे

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 172 अंक नीचे बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 50 भी 24,250 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। दिनभर के कारोबार के बाद निवेशकों में थोड़ी चिंता देखने को मिली।बाजार बंद होते समय सेंसेक्स 171.72 अंक की गिरावट के साथ 77,369.11 पर पहुंच गया। निफ्टी 50 में भी 32.96 अंक की कमी आई और यह 24,219.05 पर बंद हुआ। यह गिरावट कुल मिलाकर 0.22 फीसदी और 0.14 फीसदी रही। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, यह मुनाफावसूली और वैश्विक संकेतों का असर हो सकता है। कई प्रमुख शेयरों में भी बिकवाली का दबाव देखा गया।

क्या रही बाजार की चाल और प्रमुख शेयरों का हाल?

सोमवार को बाजार की शुरुआत मिली-जुली रही, लेकिन दोपहर बाद बिकवाली हावी हो गई। सेंसेक्स ने दिन के निचले स्तर पर कारोबार समाप्त किया। निफ्टी 50 भी अपने शुरुआती लाभ को बरकरार नहीं रख पाया। एसबीआई लाइफ और बजाज फिन जैसे बड़े शेयरों में करीब 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इन शेयरों में आई कमी ने बाजार के समग्र प्रदर्शन को प्रभावित किया। निवेशकों ने इन कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली करना पसंद किया। यह दिखाता है कि बड़े शेयरों में भी अस्थिरता बनी हुई है।

ब्रॉडर बाजार का प्रदर्शन कैसा रहा?

ब्रॉडर बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 0.3 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। यह छोटे शेयरों में निवेशकों की सतर्कता को दर्शाता है। हालांकि, निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। यह मध्यम आकार की कंपनियों में कुछ हद तक स्थिरता का संकेत देता है। ब्रॉडर बाजार का यह मिश्रित प्रदर्शन बताता है कि निवेशक चुनिंदा शेयरों में ही दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

बाजार में गिरावट के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

ब्रॉडर बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 0.3 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। यह छोटे शेयरों में निवेशकों की सतर्कता को दर्शाता है। हालांकि, निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। यह मध्यम आकार की कंपनियों में कुछ हद तक स्थिरता का संकेत देता है। ब्रॉडर बाजार का यह मिश्रित प्रदर्शन बताता है कि निवेशक चुनिंदा शेयरों में ही दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	सिंह	मे	सिंह---	05-32 बजे
चंद्र	मकर	मे	कन्या---	07-38 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला-----	08-42 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक---	11-53 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु-----	14-08 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर---	16-12 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ---	18-04 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन---	19-41 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष-----	21-17 बजे
			वृष-----	23-00 बजे
			मिथुन--	01-04 बजे
			कर्क-----	03-20 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय 06-01 सूर्यास्त. 18-42
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष मंगलवार **25 August 2026**
तिथि - द्वादशी **06-21** तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **22-51** रात्रि तक उपरान्त श्रवण
योग - आयुष्मान **07-41** तक सौभाग्य
करण - बालव **06-21** तक उप कौलव

विशेष: भौमप्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-26 से 17-00 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-01 - 07-36	अशुभ
उत्पात	07-36 - 09-10	अशुभ
चंचल..	09-10 - 10-44	शुभ
लाभ.	10-44 - 12-18	शुभ
अमृत.	12-18 - 13-52	शुभ
काल.	13-52 - 15-26	अशुभ
शुभ.	15-26 - 17-00	शुभ
रोग	17-00 - 18-42	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल.	18-42 - 20-00	अशुभ
लाभ	20-00 - 21-26	शुभ
उत्पात	21-26 - 22-52	अशुभ
शुभ	22-52 - 00-18	शुभ
अमृत	00-18 - 01-44	शुभ
चंचल	01-44 - 03-10	शुभ
रोग	03-10 - 04-36	अशुभ
काल	04-36 - 06-01	अशुभ

प्याज की कीमतों में 50% की आग! महंगाई पर ब्रेक लगाने पटरी पर उतरी 'कांदा एक्सप्रेस'

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। देश भर में बढ़ती कीमतों को काबू में करने के लिए केंद्र सरकार सोमवार से प्याज का अपना बफर स्टॉक जारी करना शुरू करेगी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 'कांदा एक्सप्रेस' नाम की प्याज ले जाने वाली ट्रेनें नासिक से दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि और गुवाहाटी जैसे शहरों के लिए चलेंगी, जहां प्याज की रिटेल कीमतें नेशनल एवरेज से ज्यादा हैं. शनिवार को प्याज की औसत खुदरा कीमत 42 रुपए प्रति किलो हो गई, जो एक साल पहले के मुकाबले 45 फीसदी और पिछले महीने के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा है. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब बड़े शहरों में प्याज और चीनी दोनों की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे घरों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है. सरकार ने कहा है कि पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और प्याज को चरणों में कम कीमतों पर बाजार में उतारा जाएगा.

मेट्रो शहरों में प्याज की कीमतें ज्यादा

उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली में प्याज 65 रुपए प्रति किलो बिका, जबकि एक साल पहले यह 35 रुपए प्रति किलो था. चेन्नई में कीमत 58 रुपए प्रति किलो रही, जबकि पिछले साल यह 33 रुपए प्रति किलो थी. केरल और असम के कुछ हिस्सों में भी प्याज की कीमतें बढ़ी हुई हैं.

स्टॉक की कोई कमी नहीं

चीनी की खुदरा कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं. शनिवार को खुली चीनी 62.5 रुपये प्रति किलो बिकी, जो एक साल पहले के मुकाबले 34 फीसदी और एक महीने पहले (जब कीमत 46 रुपये प्रति किलो थी) के मुकाबले 28.5 फीसदी ज्यादा हैं. दिल्ली में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिकी, जबकि मुंबई में यह 69 रुपए प्रति किलो बिकी. अधिकारियों ने कहा कि प्याज को कम कीमतों पर एक व्यवस्थित तरीके से जारी किया जाएगा, क्योंकि कुछ व्यापारी आर्टिफिशियली

कीमतें बढ़ा सकते हैं. उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में मांग को पूरा करने के लिए सरकार और किसानों के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है. खाद्य मंत्रालय ने कहा कि चीनी का भी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है. सरकार ने इससे पहले अक्टूबर 2024 में कीमतों को काबू में करने के लिए नासिक से दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' ट्रेनें चलाई थीं.

प्याज के उत्पादन में गिरावट से बढ़ीं कीमतें

बाजार के जानकारों का कहना है कि सबसे ज्यादा प्याज उत्पादन करने वाले राज्य महाराष्ट्र में खरीफ प्याज के उत्पादन में 5 फीसदी से 7 फीसदी की गिरावट की खबरों ने कीमतों में बढ़ोतरी में योगदान दिया है. किसानों की सहकारी संस्थाओं एनएफेड और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए बफर स्टॉक के तौर पर लगभग 1.2 लाख टन प्याज खरीदा है. मई में, इन दोनों एजेंसियों ने प्याज खरीद की कीमत 1,270 रुपए प्रति क्विंटल तय की थी. पिछले हफ्ते खरीद की रफ्तार बढ़ाने के लिए उन्होंने इस कीमत को बदलकर 2,645 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया. कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 फसल वर्ष (जो जुलाई से जून तक चलता है) में प्याज का उत्पादन 307 लाख टन होने का अनुमान है. यह 2024-25 फसल वर्ष में दर्ज किए गए उत्पादन के बराबर ही है.

सरकार ने गेहूं के आटे, मैदा और सूजी के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाईं

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गेहूं से बने कई उत्पादों की निर्यात नीति में बदलाव करते हुए उन्हें प्रतिबंधित श्रेणी से मुक्त श्रेणी में डाल दिया है। यह जानकारी विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना में दी गई। संशोधित नीति के तहत अब गेहूं या मेस्लिन आटा, मैदा, सूजी, होलमील आटा और मिश्रित गेंहू के आटा के निर्यात की अनुमति बिना किसी प्रतिबंध के होगी। घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए केंद्र सरकार ने 2022 में गेहूं और गेहूं से बने उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए थे। 13 मई 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में कर दिया गया था। इसके बाद उसी साल अगस्त में गेहूं के आटे के निर्यात पर भी

प्रतिबंध लागू कर दिए गए। यह फैसला रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में आए व्यवधान के बीच लिया गया था। इससे भारतीय गेहूं की विदेशी मांग बढ़ गई थी और घरेलू कीमतों पर भी दबाव बढ़ा था। उस दौरान सरकार ने कहा था कि देश की 1.4 अरब आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गेहूं तथा गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए निर्यात प्रतिबंध जरूरी थे। हालांकि, प्रतिबंध के बावजूद गेहूं से बने कुछ विशेष उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई थी। इस साल फरवरी में सरकार ने बेहतर स्टॉक उपलब्धता का हवाला देते हुए 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं और अतिरिक्त 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। मई में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन 2025-26 में 5.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.6563 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 35.7732 करोड़ टन था। फसलवार आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में चावल का उत्पादन 15.4024 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के 15.0184 करोड़ टन से 38.4 लाख टन अधिक है। वहीं, गेहूं का उत्पादन 12.0657 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 11.7945 करोड़ टन की तुलना में 27.12 लाख टन अधिक है। -आईएएनएस

पेटीएम के 1,686 करोड़ रुपए के अप्रयुक्त आईपीओ फंड से संचालन में अनुशासन का संकेत

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)।आईपीओ आने के करीब पांच साल बाद भी पेटीएम के पास 1,686 करोड़ रुपए की आईपीओ राशि अप्रयुक्त है। अब कंपनी इन फंड के इस्तेमाल के अनुमत उद्देश्यों का दायरा बढ़ाने और इनके उपयोग की समयसीमा बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांग रही है। यह पूंजी के इस्तेमाल को लेकर कंपनी के संतुलित दृष्टिकोण और परिचालन अनुशासन को दर्शाता है।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस की 26वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के अनुसार, आईपीओ से मिले 2,000 करोड़ रुपए को मूल रूप से नए कारोबारी उपक्रमों, अधिग्रहण और रणनीतिक साझेदारियों में निवेश के लिए निर्धारित किया गया था। 20 जुलाई 2026 तक कंपनी 314 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी थी, जबकि 1,686 करोड़ रुपये अभी अप्रयुक्त हैं।मोबाइल भुगतान कंपनी ने बताया कि इस अवधि के दौरान उसने मुख्य कारोबार में निवेश पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें ग्राहक और मर्चेंट आधार बढ़ाना तथा पेमेंट्स और वित्तीय सेवाओं (जिसमें लेंडिंग, इंश्योरेंस और वेल्थ मैनेजमेंट शामिल हैं) के लिए तकनीक विकसित करना शामिल है। कंपनी के अनुसार, इन कारोबारों ने ऑर्गेनिक निवेश के जरिए मजबूत गति और आकर्षक यूनिट इकोनॉमिक्स विकसित किए हैं। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 26 में हासिल की गई पूरे वित्त वर्ष की लाभप्रदता से इस रणनीति को मजबूती मिली है और आगे भी उसका मुख्य कारोबारी इकोसिस्टम निवेश के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र बना रहेगा। अब पेटीएम ने प्रस्ताव दिया है कि बचे हुए 1,686 करोड़ रुपए में से एक हिस्से को इन मुख्य कारोबारी प्राथमिकताओं के लिए इस्तेमाल किया जाए। साथ ही, कुछ राशि का इस्तेमाल नए कारोबारी उपक्रमों, अधिग्रहण और रणनीतिक साझेदारियों के लिए जारी रखा जाएगा।प्रस्तावित बदलाव से कंपनी को इन मौजूदा उद्देश्यों के बीच फंड का इस्तेमाल करने की अनुमति मिलेगी और अलग-अलग आवंटन बनाए रखने की जरूरत नहीं होगी।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है । अपनी सक्रिय रुख के बारे में अपने नए नियोक्ता या सहकर्मी को अवगत कराइए । नई भूमिका की मांग के अनुरूप मानसिक रूप से तैयार रहें।

वृष — ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है। यदि आप एक व्यवसाय में हैं।

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्ययसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है । आपने कठिन समय के दौरान उत्कृष्ट भावना का परिचय दिया है और अब उसका अंत नजर आ रहा है ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यो का निष्पादन सही समय पर कर ले ताकि काम का कोई बोझ न रहे और आपको अपने मालिक की डाट न सुननी पड़े ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

मकर — भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है जिसमे भाग्य भी आपकी सहायता नहीं कर सकता।

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

500 सस्ती हुई चीनी फिर भी आम ग्राहक को राहत नहीं!

घटने के बजाय और बढ़ी खुदरा कीमत; सप्लाई और स्टॉक पर खाद्य सचिव की दो टूक

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। इन दिनों चीनी की कीमतें आम उपभोक्ता के रसोई का बजट बिगाड़ने से लेकर सत्ता के गलियारे तक हलचल पैदा कर रही हैं। देश के अधिकांश बाजारों में चीनी की कीमत 60-70 प्रति किलो तक पहुंच गई है। हालांकि सरकार की ओर से कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। शनिवार को निविदाओं के माध्यम से मिलों द्वारा बेची जाने वाली चीनी की कीमतों में 500 प्रति क्विंटल की गिरावट आई, लेकिन खुदरा दरें 60.26 प्रति किलोग्राम के एक और उच्च स्तर पर पहुंच गईं।

मिलों में कितनी है चीनी की कीमत?

रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र के सोलापुर में लोकनेते बाबूराव पाटिल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एस-30 ग्रेड की चीनी 5,850 प्रति क्विंटल के भाव से बेची है। मीडिया के इंडस्ट्री सूत्र ने बताया कि कंपनी ने 70 टन चीनी की बिक्री की है। इसके अलावा, जो भी अन्य खरीदारों ने चीनी खरीदने की इच्छा जताई है, उन्हें मिल ने उसे इसी भाव से चीनी उपलब्ध कराई है।

थोक में 500 की गिरावट, खुदरा महंगाई बढ़ी

चीनी की लगातार तेज बढ़ोतरी के बीच दामों में गिरावट भी देखी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते शुक्रवार को एक अन्य टेंडर में, एस-30 ग्रेड के दाम 6,600 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर 6,100 प्रति क्विंटल हो गए, जबकि एम-30 ग्रेड के दाम 6,725 से गिरकर 6,225 प्रति क्विंटल हो गए। हालांकि, उपभोक्ता मामलों के विभाग के मूल्य निगरानी प्रभाग के आंकड़ों के अनुसार, चीनी की खुदरा कीमतों में शनिवार को 2 प्रति किलोग्राम से अधिक की वृद्धि हुई जबकि शुक्रवार को यह 58.23 प्रति किलोग्राम थी। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने मीडिया को बताया कि चीनी की कीमतों में मौजूदा समय में बढ़ोतरी बाजार की बुनियादी बातों से प्रेरित नहीं है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर चीनी की उपलब्धता और भंडार पर्याप्त है।

अडानी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी

दिल्ली-हैदराबाद एयरपोर्ट्स पर 19,400 करोड़ निवेश करेगी जीएमआर

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। देश के दो बड़े एयरपोर्ट ऑपरेटर अडानी ग्रुप और जीएमआर में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ मची हुई है। देश में सालाना यात्रियों की संख्या के हिसाब से जीएमआर एयरपोर्ट्स भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट ऑपरेटर है। वहीं एयरपोर्ट्स की संख्या के हिसाब से देखें तो अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड सबसे बड़ी है।

हाल में खबर आई थी की अडानी ग्रुप अगले पांच वर्षों में अपनी एविएशन सुविधाओं में यात्री क्षमता बढ़ाने के लिए $15 अरब का निवेश की योजना बना रहा है। अब जीएमआर एयरपोर्ट्स भी दिल्ली और हैदराबाद में बड़े निवेश की तैयारी में है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड नई दिल्ली और हैदराबाद में अपने एयरपोर्ट्स के विस्तार पर 194 अरब रुपये ($2 अरब) तक खर्च करने की योजना बना रही है। कंपनी के फाइनेंस और स्ट्रैटेजी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सौरभ चावला ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगले पांच से सात वर्षों में किए जाने वाले इन निवेशों का मकसद क्षमता बढ़ाना और इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाना है। अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट है और इसमें मांग तेजी से बढ़ रही है।

सरकारी अनुमानों के अनुसार अगले 14 साल में भारत में हवाई यात्रियों की संख्या छह गुना बढ़कर लगभग 1.1 अरब होने का अनुमान है। इस दौरान कमर्शियल एयरलाइन फ्लीट यानी विमानों की संख्या बढ़कर 2,350 से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। साल 2014 में यह संख्या 400 थी। चावला ने कहा कि कंपनी हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए लगभग 138 अरब रुपये और नई दिल्ली एयरपोर्ट के लिए 56 अरब रुपये तक निवेश की योजना बना रही है। हैदराबाद का अपग्रेडेड एयरपोर्ट लगभग 80 मिलियन यात्रियों को हैंडल करने में सक्षम होगा। अभी यह सालाना 34 मिलियन यात्रियों को हैंडल कर सकता है।

'अपमान बर्दाश्त नहीं, खामियाज़ा भुगतेगी कांग्रेस'

अपनी ही पार्टी पर क्यों भड़के पूर्व मंत्री विश्वेन्द्र सिंह?

भरतपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के डीग जिले में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी और असंतोष एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। डीग जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राजीव सिंह द्वारा जारी की गई निकाय चुनाव के वार्ड प्रभारियों की सूची को लेकर भारी राजनीतिक बवाल मच गया है। इस सूची में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, क्षेत्रीय सांसद संजना जाटव, जिला प्रभारी देशराज मीणा और सह-प्रभारी हिम्मत सिंह सहित कई वरिष्ठ नेताओं के नाम तो पूरे मान-सम्मान के साथ शामिल किए गए, लेकिन राज्य सरकार में दो बार कैबिनेट मंत्री रह चुके और भरतपुर राजघराने के वरिष्ठ नेता विश्वेंद्र सिंह का नाम गायब कर दिया गया।

इधर, नाम के स्थान पर केवल 'कांग्रेस प्रत्याशी विधानसभा डीग-कुम्हेर' लिखे जाने से नाराज पूर्व मंत्री ने अपनी ही पार्टी के जिलाध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

गौरतलब है कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील माने जाने वाले मेवात और भरतपुर-डीग अंचल में निकाय चुनाव से ठीक पहले हुए इस घटनाक्रम ने संगठन की तैयारियों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष और इस निर्णय के पीछे शामिल लोगों को चेतावनी दी है।

पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने डीग जिलाध्यक्ष राजीव सिंह द्वारा प्रेषित सूची की प्रतिलिपि पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने लिखा कि पार्टी के भीतर एक सोची-समझी साजिश के तहत वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को नीचा दिखाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा, 'डीग कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजीव सिंह द्वारा आगामी निकाय चुनावों के लिए प्रभारियों की सूची जारी की गई है, जिसकी प्रतिलिपि को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। उसमें मेरा नाम ना लिखकर सिर्फ 'कांग्रेस प्रत्याशी विधानसभा डीग-कुम्हेर' लिखकर अपनी जिस ओछी मानसिकता का परिचय दिया गया है, उसकी मैं घोर निंदा करता हूं।'

पूर्व मंत्री ने आगे लिखा, 'मैं अपने राजनीतिक जीवन में 1 बार जिला प्रमुख, 3 बार MP, 3 बार MLA और 2 बार कैबिनेट मंत्री रहने के बावजूद इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता।'

विश्वेंद्र सिंह ने लिखा, 'राजीव सिंह द्वारा जिस ओछी मानसिकता का परिचय दिया गया है, उसका असर आगामी निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ सकता है और इस षडयंत्र में जो भी लोग शामिल हैं, उनको जनता जनार्दन मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है।'

डीग जिले के गठन और निकाय चुनाव की सुगबुगाहट के बीच भरतपुर-डीग के स्थानीय संगठन में लंबे समय से दो फाड़ की स्थिति बनी हुई है। विश्वेंद्र सिंह इससे पहले भी जिला स्तर पर संगठन के निष्क्रिय रहने और राहुल गांधी के कार्यक्रमों का आयोजन न करने को लेकर स्थानीय जिला नेतृत्व की आलोचना कर चुके हैं।

जारी की गई सूची में पीसीसी चीफ, सांसद और जिला प्रभारियों के नाम शामिल हैं, जबकि पूर्व मंत्री को केवल 'पूर्व प्रत्याशी' के रूप में चिन्हित करना विवाद की मुख्य वजह बना। डीग और कुम्हेर नगर पालिकाओं व नगर परिषदों में कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ते इस असंतोष का सीधा प्रभाव पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर पड़ने की संभावना है।

स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि शीर्ष नेतृत्व ने समय रहते डीग के इस अंतरकलह को शांत नहीं किया, तो आगामी स्थानीय निकायों के चुनाव में पार्टी को भारी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

'तीन साल से था इस पल का इंतजार'

मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीतने के बाद भावुक हुई कजिया लिज मेजो

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का ग्रैंड फिनाले आयोजित हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में केरल की कजिया लिज मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब अपने नाम किया। उन्हें मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 मनिका विश्वकर्मा ने क्राउन पहनाया। वहीं तमिलनाडू की वैष्णवी गणेश दूसरे स्थान पर और गुजरात की अनुश्री सातवलेकर पर रही। केजिया अब इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

खिताब जीतने के बाद कजिया ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास और यादगार पल है। कजिया ने कहा कि मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने इस पल के लिए पिछले तीन वर्षों से मेहनत की है। उन्होंने कहा कि वह यह ताज अपने होमटाउन केरल लेकर जाने और अपने शहर को दुनिया के सामने पहचान दिलाने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

कार्यक्रम में पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी मौजूद रहीं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि किसी को भी असफलता को असफलता के रूप में नहीं देखना चाहिए। हर अनुभव से सीखने और आगे बढ़ने की गुंजाइश हमेशा रहती है। उर्वशी ने कहा कि प्रतियोगियों ने जिस आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत किया, वही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

उर्वशी रौतेला ने कहा कि वह मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विजेता को मिस यूनिवर्स के मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करते देखने के लिए उत्साहित हैं। उर्वशी ने अपने शुरुआती सफर को याद करते हुए कहा कि एक दशक से अधिक समय पहले उनकी पहली मेंटर सुष्मिता सेन ने उन्हें मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीतने के बाद ताज पहनाया था। उन्होंने कहा कि मिस यूनिवर्स इंडिया जैसा मंच सिर्फ बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि किसी भी व्यवसाय या क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शानदार अवसर देता है। उन्होंने कहा कि इस मंच ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें उम्मीद है कि इस बार जीतने वाली युवती का जीवन भी यह मंच बदल देगा।

कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन, दो बार मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकीं उर्वशी रौतेला और मिस यूनिवर्स में फर्स्ट रनर-अप रह चुकीं सेलिना जेटली, फिल्म प्रोड्यूसर व पर्यावरणविद् प्रज्ञा कपूर और मिस यूनिवर्स इंडिया के मालिक निखिल आनंद ने इस पेजेंट को जज किया। इस दौरान मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा भी मौजूद रहीं।

हिंदुओं के पलायन के खिलाफ प्रदर्शन

जयपुर में निकाली गई 'भगवा रैली'

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के परकोटा क्षेत्र में हिंदू परिवारों के कथित पलायन और धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर आज युवा शक्ति मंच राजस्थान की ओर से विशाल भगवा आक्रोश रैली निकाली गई. रैली में देशभर से आए संत-महंतों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और आमजन शामिल हुए. आयोजकों ने पुराने जयपुर की सांस्कृतिक विरासत और हिंदू आबादी के पलायन को रोकने की मांग उठाई.

रैली की शुरुआत खोले के हनुमान जी मंदिर से हनुमान चालीसा के पाठ के बाद हुई. जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा और जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी रामचंद्रदास महाराज ने भगवा झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया. इस दौरान पूरे मार्ग पर जय श्रीराम के जयघोष और भगवा ध्वज नजर आए.

रैली का मुख्य फोकस जयपुर के पुराने शहर से हिंदू परिवारों के कथित पलायन पर रहा. युवा शक्ति मंच के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह शेखावत ने कहा कि मंच पिछले 13 वर्षों से समाज को जागरूक करने का काम कर रहा है. उन्होंने दावा किया कि परकोटा क्षेत्र के कुछ इलाकों में हिंदू परिवार अपने मकान बेचकर दूसरे स्थानों पर जाने को मजबूर हो रहे हैं.

शेखावत ने खास तौर पर रामगंज क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यहां हिंदू परिवारों के मकान बेचकर जाने के मामले सामने आए हैं. उन्होंने कथित धर्मांतरण को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि पुराने शहरों से हिंदू आबादी का पलायन गंभीर विषय है. हालांकि, ये दावे आयोजकों की ओर से किए गए हैं.

रैली में करीब 2100 महिलाओं ने सबसे आगे चलकर नेतृत्व किया. इसके पीछे बड़ी संख्या में आमजन पैदल शामिल हुए. आयोजकों के मुताबिक 10 हजार से ज्यादा दोपहिया और 500 से अधिक चौपहिया वाहन भी रैली में शामिल रहे.

रैली खोले के हनुमान जी मंदिर से गंगापोल रोड, जोरावर सिंह गेट, सुभाष चौक, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया, किशनपोल बाजार और अजमेरी गेट होते हुए रामनिवास बाग क्षेत्र तक पहुंची. रास्ते में एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर संतों और रैली में शामिल लोगों का स्वागत किया.

रैली का समापन रामनिवास बाग क्षेत्र में हुआ. यहां संतों और आयोजकों ने जयपुर की सांस्कृतिक विरासत को बचाने, पुराने शहर की पारंपरिक पहचान बनाए रखने और हिंदू परिवारों के कथित पलायन के मुद्दे पर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की बात कही.

'हम गांधी को मानते हैं, भगत सिंह को भी पूजते हैं': सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के बाद अब जोधपुर में कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े कार्यक्रम में हुए हंगामे के बाद विवाद ने और तूल पकड़ लिया है। जोधपुर में हुई घटना के बाद प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट डालते हुए प्रतिक्रिया दी है और। उन्होंने साफ संदेश दिया कि हिंसा के बावजूद उनकी यह लड़ाई जारी रहेगी। आगे उन्होंने यह भी कहा कि हम गांधी को मानते हैं लेकिन साथ ही भगत सिंह को भी पूजते हैं।

आशुतोष रांका ने कहा, "वे हिंसा और तोड़फोड़ का सहारा लेना जारी रखेंगे। सीजेपी हमेशा शांति बनाए रखेगी। और हम बेहतर स्कूलों के लिए अपनी लड़ाई नहीं रोकेंगे। लेकिन हमारी दृढ़ता को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। हम गांधी में विश्वास करते हैं, लेकिन हम भगत सिंह की भी पूजा करते हैं।" जोधपुर के रेजिडेंसी रोड स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र में सीजेपी के 'शिक्षा बचाओ, देश बचाओ' संवाद कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ। कार्यक्रम में एबीवीपी और भाजयुमो से जुड़े कार्यकर्ता पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। आरोप है कि कुछ कार्यकर्ता दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए। इसके बाद सीजेपी और विरोध करने पहुंचे कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की और झड़प की स्थिति बन गई। एक सीजेपी कार्यकर्ता के साथ मारपीट और कपड़े फाड़ने का आरोप भी लगाया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने करीब 10-11 कार्यकर्ताओं को डिटेन कर स्थिति संभाली। जोधपुर से पहले 21 अगस्त को जयपुर के बगरू स्थित रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सीजेपी की टीम के साथ विवाद हुआ था। टीम सरकारी स्कूल की स्थिति का जायजा लेने पहुंची थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई। सीजेपी की ओर से आरोप लगाया गया कि टीम के साथ मारपीट की गई और वाहनों में तोड़फोड़ व पथराव भी हुआ। इस दौरान सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका भी मौजूद थे।

पहली बार राजस्थान की महिला पुलिस कांस्टेबल बनेंगी एनएसजी कमांडो, दिखाएंगी अपनी ताकत, मानेसर में स्पेशल ट्रेनिंग शुरू

जयपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। आतंकी हमलों और बम धमाकों की घटनाओं के दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन करते हुए अब तक आपने स्पेशल कमांडोज को देखा होगा। ये कमांडो अपनी जान की बाजी लगाकर आतंकियों को दबोचने और बंधक बनाए गए लोगों को रेस्क्यू करते हैं। अब तक आपने केवल पुरुष कमांडों ही देखे होंगे लेकिन अब इन कमांडोज में पुरुष जवानों के साथ महिला पुलिस भी नजर आएंगी। राजस्थान पुलिस की महिला कर्मियों को आज से स्पेशल ट्रेनिंग दी जाने लगी है। ट्रेनिंग के बाद आगामी बड़े ऑपरेशन में आपको महिला कमांडो रेस्क्यू करते नजर आने वाली हैं।

राजस्थान पुलिस की 25 महिला कर्मियों को पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग आज 24 अगस्त से शुरू हो गई है। 12 सप्ताह तक लगातार ये महिला पुलिसकर्मी हरियाणा के मानेसर स्थित ट्रेनिंग सेंटर में स्पेशल ट्रेनिंग लेंगी। 13 नवंबर 2026 को ट्रेनिंग पूरी करके ये महिला पुलिसकर्मी राजस्थान लौटेंगी। इसके बाद उन्हें स्पेशल ऑपरेशन में भेजा जाएगा। आपातकाल परिस्थितियों में अब स्पेशल ट्रेनिंग वाली पुलिसकर्मी अपना दमखम दिखाते हुए नजर आएंगी।

आर्म्स बटालियन्स के एडीजी रूपींद्र सिंघ ने एनएसजी कमांडो ट्रेनिंग के लिए चयनित 25 महिला कांस्टेबलों को मानेसर रवाना करने से पहले स्पेशल ट्रेनिंग के बारे में ब्रीफ किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान कड़े अनुशासन, अत्याधुनिक हथियार तकनीक और जीरो एरर की नीति से जुड़ी बारीकियां सिखाई जाएंगी। इस स्पेशल ट्रेनिंग का उद्देश्य जवानों को ऐसी दक्षता और क्षमता प्रदान करना है, जिससे वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी क्षमता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। आरएसी की पांचवीं बटालियन घाटगेट से इन महिला पुलिसकर्मियों को मानेसर के लिए रवाना किया गया।

वर्ष 2008 में जब मुंबई के ताज होटल पर आतंकी हमला हुआ। तब एनएसजी कमांडो ने आसमान से उतरते हुए होटल में प्रवेश किया और एक आतंकी को जिंदा पकड़ा था। होटल में फंसे सैकड़ों लोगों को एनएसजी कमांडो ने रेस्क्यू किया था।

वर्ष 2016 में जब पठानकोट में आतंकी हमला हुआ। तब भी एनएसजी कमांडो ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर आतंकियों को ढेर किया और इलाके को सुरक्षित करने के लिए अभियान चलाया था।

वर्ष 2002 में जब गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर आतंकी हमला हुआ तब आतंकवादियों के खात्मे के लिए एनएसजी कमांडो को उतारा गया था।

वर्ष 1993 में जब इंडियन एयरलाइंस का विमान हाईजैक किया गया था। तब एनएसजी कमांडो ने विशेष ऑपरेशन चलाया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बचाया था।

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल के तलाक केस में नया मोड़, एकतरफा डिक्री रद्द

जालौर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भाजपा विधायक अमृता मेघवाल और भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल के तलाक मामले में फैमिली कोर्ट ने करीब 3 साल पुराने फैसले को पलट दिया है। अदालत ने एकतरफा डिक्री निरस्त करते हुए कहा कि अमृता को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर नहीं मिला था। जालौर फैमिली कोर्ट ने पूर्व भाजपा विधायक अमृता मेघवाल और भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल के करीब तीन साल पुराने तलाक मामले में महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने अमृता मेघवाल के आवेदन को स्वीकार करते हुए वर्ष 2023 में जारी एकतरफा तलाक की डिक्री निरस्त कर दी। अदालत ने माना कि तलाक की कार्रवाई के दौरान अमृता को विधि के अनुसार नोटिस की तामील नहीं हुई और उन्हें अपना पक्ष रखने का उचित अवसर नहीं मिला। अब मामले की दोबारा सुनवाई होगी और दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा। बाबूलाल मेघवाल ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 के तहत विवाह विच्छेद के लिए 22 सितंबर 2022 को जालौर फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी। अमृता मेघवाल को जयपुर स्थित उनके पुराने पते पर नोटिस भेजे गए थे। बताया गया कि मकान लंबे समय से बंद होने के कारण रजिस्टर्ड डाक से भेजे गए नोटिस वापस लौट आए। इसके बाद समाचार पत्र में नोटिस प्रकाशित करवाकर तामील की कार्रवाई की गई और अमृता की गैरमौजूदगी में मामले में एकतरफा कार्रवाई आगे बढ़ी।

जोजरी नदी प्रदूषण मामले में सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

तट के 100 मीटर के दायरे में 'नो-कंस्ट्रक्शन'

जोधपुर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजस्थान की जोजरी नदी के किनारे 100 मीटर के भीतर किसी भी निर्माण या विकास गतिविधि पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने जोजरी नदी में प्रदूषण से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले में यह आदेश दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की बांडी और लूनी नदियों में प्रदूषण के मुद्दे पर भी चिंता जताई थी। बेंच ने पर्यावरण को हुए गंभीर नुकसान और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के बड़े पैमाने पर विनाश का उल्लेख किया।

बेंच ने कहा कि 'हाई फ्लड लाइन' और जरूरी 'इकोलॉजिकल बफर जोन' तय करना आवश्यक है। इनकी सीमाएं तय करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया होनी चाहिए। इस दौरान नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को ठीक से सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण है। इसके लिए सुरक्षा का एक अंतरिम, निश्चित और मापने योग्य दायरा बनाना जरूरी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि नदी के किनारे से 100 मीटर की दूरी के भीतर कोई निर्माण नहीं होगा और किसी भी विकास गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बेंच ने यह भी देखा कि 'हाई फ्लड लाइन' को अभी वैज्ञानिक तरीके से तय और चिह्नित नहीं किया गया है। कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा 'फ्लड लाइन' या नदी के मौजूदा बहाव के रास्ते के दोनों ओर 500 मीटर की दूरी के भीतर कोई खतरनाक उद्योग नहीं होगा। ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी जिससे नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदूषण, गंदगी या कोई अन्य नुकसान पहुंचने की संभावना हो। यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक 'हाई फ्लड लाइन' और ज़रूरी 'इकोलॉजिकल बफर जोन' को तय करने और चिह्नित करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। बेंच ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने 7 अगस्त को राजस्थान सरकार को एक निर्देश दिया था, जिसमें सरकार को राज्य की जोजरी, बांडी और लूनी नदियों में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एक समूह बनाना था। यह इंटीग्रेटेड कोऑर्डिनेशन ग्रुप मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक हफ्ते के भीतर गठित होना था।

बता दें कि जोजरी नदी जोधपुर से होकर बहती है, बांडी नदी पाली से गुजरती है और लूनी नदी बालोतरा से होकर बहती है। बांडी और जोजरी नदियां आगे जाकर बालोतरा शहर के पास लूनी नदी में मिल जाती हैं।

रेलवे कर्मचारी का अजमेर से अपहरण

6 साल से पत्नी से चल रहा था विवाद, मां ने बहू और ससुराल वालों पर लगाए आरोप

दौसा, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के बैजूपाड़ा क्षेत्र के पूंदरपाड़ा गांव निवासी रेलवे कर्मचारी रवि कुमार मीणा के अजमेर से लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने उसके अपहरण की आशंका जताते हुए अजमेर के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया है। रवि अजमेर में रेलवे में कार्यरत है। परिजनों के अनुसार रवि 21 अगस्त की शाम रोजाना की तरह कार्यालय से छुट्टी होने के बाद बाहर निकला था, लेकिन इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। उसी दिन से उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। काफी तलाश के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। रवि की मां और अन्य परिजनों ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से बेटे की तलाश कर उसे सकुशल वापस लाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रवि की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार दौसा, बेजुपाड़ा गांव पुन्दरपाड़ा निवासी सामन्तीदेवी ने 22 अगस्त को रिपोर्ट दी कि उसका पुत्र रवि मीणा(28) अजमेर रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय में मुख्य कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत था। वह 21 अगस्त शाम करीब 5.30 बजे रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय से बांदीकुई स्थित अपने गांव के लिए रवाना हुआ था लेकिन अगले दिन तक घर नहीं पहुंचा। उन्होंने रवि के अपहरण की आशंका जताते हुए पुत्रवधू समेत कुछ लोगों पर संदेह जाहिर किया है। पुलिस ने परिवाद लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिवाद के अनुसार रवि मीणा प्रत्येक अपने गांव बांदीकुई जाता था। रिपोर्ट में बताया गया है कि 21 अगस्त को रवि शाम करीब 5.30 बजे रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय से बांदीकुई के लिए रवाना हुआ।

फसल बीमा घोटाले की कड़ियां खुलीं, लाखों का क्लेम दूसरे खातों में, बीमा कंपनी से जुड़े 3 आरोपी गिरफ्तार

नागौर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। नागौर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नाम पर किसानों के साथ कथित फर्जीवाड़े का नेटवर्क सामने आया है। पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए बीमा कंपनी की मुख्य शाखा से जुड़े तीन आरोपियों आदित्य पाटोदिया, अक्षय कुमार और विनीत कुमार दुबे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी किसानों के खेतों के खसरा नंबर और नाम-पते जुटाकर फर्जी तरीके से फसल बीमा करवाते और भुगतान की रकम आपस में बांटते थे।

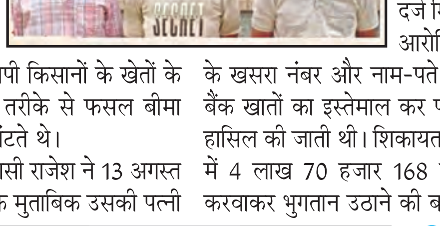

मामला तब सामने आया जब दुतासर निवासी राजेश ने 13 अगस्त को पुलिस थाने में शिकायत दी। शिकायत के मुताबिक उसकी पत्नी सुमित्रा के नाम दर्ज खेतों के खसरा नंबरों पर बिना उसकी जानकारी के फसल बीमा कर दिया गया था। जब उसने क्रॉप इंश्योरेंस ऐप के जरिए बीमा की जानकारी जांची, तो उसके खेतों पर पहले से बीमा दर्ज मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कथित तौर पर गांवों के लोगों के खसरा नंबर और नाम-पते जुटाए। इसके बाद उनके नाम और बैंक खातों का इस्तेमाल कर फर्जी तरीके से बीमा क्लेम की रकम हासिल की जाती थी। शिकायतकर्ता के खेतों से जुड़े बीमा के मामले में 4 लाख 70 हजार 168 रुपये की राशि दूसरे खाते में जमा करवाकर भुगतान उठाने की बात सामने आई है।

खेत में मिली बमनुमा वस्तु से खेलते समय हुआ धमाका, बच्चा बुरी तरह झुलसा, मां भी घायल

बाड़मेर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। बाड़मेर के शिव तहसील के नवातला क्षेत्र के भीलो का तला स्थित खेत में बमनुमा वस्तु के फटने से मासूम के हाथ-पांव पूरी तरह से जल गए। वहीं, धमाके की चपेट में आने से मां भी घायल हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब खेत में मिली बमनुमा वस्तु से सोमवार को बच्चा खेल रहा था। इस धमाके बाद पूरे इलाके के लोग सहम गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौक़े पर बीएसएफ व स्थानीय पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश में जुटी हुई है कि धमाका वाली वस्तु बम थी या कोई अन्य विस्फोटक सामग्री थी। बच्चे के पिता श्रवण कुमार ने बताया कि उसके 5 वर्षीय बेटे भेराराम को दिन में खेत में खेलते समय बमनुमा वस्तु मिली थी।

खूनी वारदात: *दो स्कॉर्पियो और कैंपर में आए हमलावर*

युवक पर बरसाईं गोलियां, अस्पताल में भर्ती

जालौर, 24 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के हाड़ेचा कस्बे के पास सरवाना थाना क्षेत्र के जाणवी गांव में सामाजिक विवाद को लेकर फायरिंग की घटना में नरेश पुत्र मिश्रा राम के गोली लगने से घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायल को सांचौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

नरेश सफेद रंग की कैंपर गाड़ी से अपने घर से जाणवी गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में घात लगाकर बैठे लोगों ने उसकी गाड़ी को रोक लिया। बताया जा रहा है कि दो स्कॉर्पियो और एक कैंपर गाड़ी में सवार करीब 8 से 10 लोगों ने नरेश की कैंपर को घेर लिया और उस पर कई राउंड फायर किए। अचानक हुई फायरिंग से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोली लगने से नरेश घायल हो गया, जबकि हमलावर मौके से फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल नरेश को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सरवाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और आरोपियों की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी करवाई। पुलिस की अलग-अलग टीमें गांव और आसपास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश में जुटी रही।

उत्तम ने हैदराबाद में कवेती इंटरनेशनल एआई फर्म के कार्यालय का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद में कवेती इंटरनेशनल एआई फर्म के कार्यालय का उद्घाटन किया। यह एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य सीमा पार कानूनी सहायता तक पहुंच में सुधार के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञता को कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम सेवाओं के साथ जोड़ना है।

इस अवसर पर बोलते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय कानूनी सेवा पहल की स्थापना का स्वागत किया और कहा कि पेशेवर क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते अनुप्रयोग से अपार अवसर खुल रहे हैं, साथ ही उभरती प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार, नैतिक और पारदर्शी उपयोग की आवश्यकता भी पैदा हो रही है। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद, अपने मजबूत प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र, उच्च कुशल पेशेवरों और वैश्विक संपर्कों के साथ, एआई-आधारित पेशेवर और कानूनी सेवाओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने के लिए आदर्श स्थिति में है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता से जोड़ने वाली पहल राज्य की वैश्विक छवि को और मजबूत करेंगी।

उत्तम कुमार रेड्डी ने हैदराबाद में इस पहल को लाने के लिए न्यूयॉर्क स्थित कवेती लॉ फर्म के संस्थापक और प्रबंध अटॉर्नी तथा कवेती इंटरनेशनल एआई फर्म के संस्थापक डॉ. श्रीनिवास राव कवेती को बधाई दी। डॉ. कवेती तेलंगाना मूल के अंतरराष्ट्रीय वकील हैं, जिन्हें भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय संघ सहित कई देशों में 35 वर्षों से अधिक का सीमा पार कानूनी अनुभव है। यह नया केंद्र एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी पहुंच केंद्र के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव करता है, जिससे भारत में रहने वाले व्यक्तियों, व्यवसायों, अनिवासी भारतीयों और निवेशकों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय न्यायक्षेत्रों में अभ्यास करने वाले वकीलों और कानूनी पेशेवरों से जुड़ने में मदद मिलेगी।

राज्यपाल आज निजामाबाद जिले का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल इस माह की 25 अगस्त को निजामाबाद जिले का दौरा करेंगे। राज्यपाल के विशेष प्रधान सचिव एम. दाना किशोर के साथ, वे सुबह 10:20 बजे निजामाबाद आईडीओसी परिसर के भीतर स्थित हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। सुबह 11:00 बजे, वे बोरगांव के माधव नगर स्थित भूमारेड्डी कन्वेंशन सेंटर में नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद, दोपहर 12:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक, राज्यपाल राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय में हल्दी किसानों से मुलाकात करेंगे और एक बाजार संपर्क कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। दोपहर 1:50 बजे, वे दिचपल्ली मंडल के बर्दीपुर-धर्माराम के बाहरी इलाके में स्थित पीएचआर कन्वेंशन सेंटर में अरविंद धर्मपुरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे दोपहर 3:20 बजे हेलीकॉप्टर से हैदराबाद लौटेंगे।

शुल्क वापसी की बकाया राशि जारी करने की मांग को लेकर भाजपा की भूख हड़ताल शुरू

पुलिस ने धरना चौक पर भूख हड़ताल की अनुमति नहीं दी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने सोमवार को छात्रों द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति की बकाया राशि की तत्काल रिहाई की मांग के समर्थन में 48 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की।

पुलिस द्वारा धरना चौक पर भूख हड़ताल आयोजित करने की अनुमति न दिए जाने के बावजूद राव ने राज्य भाजपा मुख्यालय के अंदर भूख हड़ताल शुरू कर दी। भाजपा की तेलंगाना इकाई ने 15,000 करोड़ रुपये के लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर 'फीसुला बकायी-भाजपा लड़ाई' के बैनर तले संघर्ष का मार्ग अपनाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा शुरू की गई 48 घंटे की भूख हड़ताल यहां धूमधाम से संपन्न हुई। भूख हड़ताल शिविर में सभा को संबोधित करते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार के हठधर्मी रवैये और निरंकुश रुख की आलोचना की, जो तेलंगाना में लगभग 40 लाख छात्रों के भविष्य को बर्बाद कर रहा है और शिक्षा व्यवस्था को गंभीर संकट में धकेल रहा है, क्योंकि शिक्षा मंत्रालय स्वयं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पास है।

उन्होंने कहा कि फीस का भुगतान न होने के कारण छात्रों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और वे अपने प्रमाण पत्र प्राप्त करने में असमर्थ हैं, जिससे वे उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित हो रहे हैं। राव ने कहा कि फीस वापसी योजना को ठप्प करने वाली राज्य कांग्रेस सरकार के खिलाफ कड़ा संघर्ष करते हुए भाजपा तेलंगाना में छात्र समुदाय को पूर्ण आश्वासन दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि फीस बकाया का मुद्दा हल होने तक यह संघर्ष नहीं रुकेगा।

छात्र और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए और अपना समर्थन व्यक्त किया। विरोध प्रदर्शन में भाजपा सांसद रेखा शर्मा, भाजपा सांसद नेता अलेटी महेश्वर रेड्डी, विधान परिषद नेता ए.वी.एन. रेड्डी, सांसद रघुनंदन राव और पलवाई हरीश बाबू, डी.के. अरुणा, विधायक वेंकट रमना रेड्डी, एमएलसी मलका कोमुरैया और अंजी रेड्डी, भाजपा के राज्य महासचिव डॉ. एन. गौतम राव, वीरेंद्र गौड़ और वेमुला अशोक, भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष, पूर्व विधायक श्रीमती बोदिगा शोभा, राज्य के आधिकारिक प्रवक्ता, पार्टी पदाधिकारी और छात्र संगठनों के बड़ी संख्या में प्रतिनिधि शामिल हुए।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा संयोजक मण्डल का गठन

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा आज खेमदास मठ चुडी बाज़ार में एक बैठक अध्यक्ष पुरषोत्तम लाला के सान्धिय में प्रधान संयोजक महेश अवस्थी की अध्यक्षता में रखी गई। गायत्री वन्दना के पश्चात महामंत्री रामदेव नागला ने शुक्रवार 28 अगस्त को श्री वेंकटेश्वरा बालाजी मन्दिर स्थित हरिप्रिया पुष्करणी में आयोजित उपाकर्म महोत्सव की जानकारी दी।

नागला ने बताया की श्रावणी उपाकर्म पर दशविधि स्नान, गायत्री पूजा, यज्ञोपवित्र पूजा पंच कुण्डीय महायज्ञ व अन्य धार्मिक अनुष्ठान अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के पुरोहितों द्वारा गोकुलचन्द उपाध्याय के सान्धिय में किया जाएगा। नागला ने सभी से अपील की के श्रावणी उपाकर्म विप्र बन्धुओं का एक मात्र त्यौहार है हर विप्र बन्धुओं का प्रथम धर्म है कि वो सब काम छोड कर श्रावणी उपाकर्म को महत्व दें।

इस वर्ष उपाकर्म महोत्सव पर अभी तक 22 यज्ञोपवित्र धारकों ने अपने नाम का पंजीकरण कराया है। इच्छुक भाई अपने नाम रामदेव नागला व सुरेश गान्धी से सम्पर्क करके लिखाये। महोत्सव पर रामचंद्र तिवारी, गोकुल चन्द उपाध्याय, हरीनारायण व्यास, सुखदेव जोशी, शांतिलाल चाण्डा, सुरेश कुमार व्यास पारीक, महावीर प्रसाद शर्मा, हुक्मीचंद थानवी, गोपाल शर्मा, हरीप्रसाद रिणवा दधीच व रामप्रकाश ओझा सहयोगी यजमान होंगे।

आज विभिन्न समितियों का गठन हुआ। उसमे महेश अवस्थी, सुरेश गांधी, ओमप्रकाश शर्मा, व दामोदर जोशी संयुक्त संयोजक होंगे। 28 को प्रातः 7:30 बजे से 9 बजे तक निशुल्क बस सेवा श्री रामनाथ आश्रम भगवानगंज से हरीप्रिया पुष्करणी जायेगी। संयोजक गोकुलचन्द उपाध्याय प्रभुदयाल पाण्डिया, मुरलिधर तिवाडी, रामनिवास ओझा होंगे। भोजन व्यवस्था दामोदर जोशी, सुरेश गान्धी, मुकेश साण्डिल्य, रामेश्वर लाल जोशी व शीलाल पारीक होंगे। प्रचार प्रसार का भार सन्दीप जायलवाल, विजयकुमार शर्मा पाण्डिया व जुगल किशोर उपाध्याय सम्भालेंगे। यज्ञोपवित्र पुजा व वितरण मोहनलाल शर्मा, अनिल जायलवाल, रामेश्वरलाल जोशी व प्रभुदयाल पाण्डिया द्वारा होगा। बस व्यवस्था के संयोजक घनश्याम तडबा तिवाडी, नितेश व्यास, प्रदीप चोटीया व गोपाल कृष्णा तिवाडी होंगे।

आयोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी भगवान व्यास, श्रवण कुमार दधीच, केशव शर्मा, मुरलीधर ओझा, रामबाबु कोशिक, अनिल जायलवाल, गोपाल डौबा, राजेंद्र शर्मा सम्भालेंगे। आज की बैठक में रामनिवास पारासर, दामोदर जोशी, मोहनलाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, शीलाल पारिक, अनिल जायलवाल, मुरलीधर तिवाडी, धीरज उपाध्याय जुगल किशोर उपाध्याय विशाल शर्मा भी उपस्थित थे।

24.5 लाख रुपये कीमत का 48 किलो गांजा सहित नाबालिग पकड़ा गया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (खैरताबाद) की टीम ने आबिद रोड पुलिस के साथ मिलकर रविवार को नामपल्ली में एक नाबालिग लड़के को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर अंतर-राज्यीय ड्रग तस्कर है। पुलिस ने 24.5 लाख रुपये कीमत का 48 किलो गांजा ज़ब्त किया, जो 24 पैकेटों में पैक करके बैग में छिपाया गया था। पुलिस के अनुसार, नाबालिग ने कथित तौर पर विशाखापत्तनम के नौशाद उर्फ सुनील और राजेश से गांजा हासिल किया था और बंदिया के कहने पर इसे नई दिल्ली तस्करी करके ले जा रहा था। अंकित कुमार उर्फ शिवा, जिसने कथित तौर पर इस सौदे में मदद की थी, वह भी फरार है। उसे पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

गच्चीबोवली में इमारत गिरने की घटना: हाइड्रा ने सुरक्षा अभियान का आदेश दिया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सात मंज़िला इमारत गिरने और उसमें दो मज़दूरों की मौत की घटना के बाद, हाइड्रा कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए गच्चीबोवली के अंजैया नगर में असुरक्षित इमारतों की पहचान की जाएगी और उन्हें गिराया जाएगा।

सोमवार को, रंगनाथ ने कुकटपल्ली ज़ोनल कमिश्नर मयंक सिंह के साथ घटनास्थल का दौरा किया और असुरक्षित इमारतों को गिराने के चल रहे काम का जायज़ा लिया। एक प्रेस बयान में उन्होंने कहा, "हम ऐसी स्थिति में हैं जहाँ यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई इमारत कब गिर सकती है। भविष्य में जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए उपाय किए जाने चाहिए।" स्थानीय निवासियों ने अधिकारियों से शिकायत की कि आस-पास की कई इमारतें भी इसी तरह असुरक्षित हैं।

गिरी हुई गैर-कानूनी इमारत के बारे में, अधिकारी ने कहा कि इन इमारतों की मज़बूती (स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी) से समझौता किया गया था क्योंकि स्टॉर्मवॉटर ड्रेन (तूफानी पानी की निकासी वाली नाली) पर आंशिक रूप से कब्ज़ा करके 50 वर्ग गज के प्लॉट पर सात और आठ मंज़िला इमारतें बनाई गई थीं।

उन्होंने यह भी कहा कि इतने छोटे प्लॉट पर केवल दो मंज़िल के लिए अनुमति ली गई थी और पिलर व नींव उसी हिसाब से डिज़ाइन किए गए थे, लेकिन बाद में इमारतों को सात मंज़िल तक बढ़ा दिया गया, जो उनकी भार सहने की क्षमता से कहीं ज़्यादा था।

गच्चीबोवली: कुछ घंटों के ब्रेक के बाद हाइड्रा ने अंजैया नगर में गिराने का काम शुरू किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी की डीआरएफ टीमों ने कुछ घंटों के ब्रेक के बाद सोमवार को गच्चीबोवली के अंजैया नगर में गिराने का काम शुरू किया।

हाइड्रा और सीएमसी अधिकारियों ने आस-पास के अपार्टमेंट का संयुक्त निरीक्षण करने के बाद यह फैसला लिया। उन्होंने देखा कि एक अवैध अपार्टमेंट के गिरने से एक और सात-मंज़िला अपार्टमेंट भी प्रभावित और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था, और रविवार को ही इसे गिराने का फैसला किया।

हालांकि, रात में कम दृश्यता और आस-पास के अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए, गिराने का काम सोमवार तक के लिए टाल दिया गया। ऊंची इमारत को गिराने के लिए 'बाहुबली' नाम की ऊंची पहुंच वाली हाइड्रोलिक मशीन का इस्तेमाल किया गया, ताकि आस-पास की इमारतों को नुकसान न पहुंचे।

भारी-भरकम, आधुनिक मशीनरी, जिसे आमतौर पर 'बाहुबली मशीन' कहा जाता है, का इस्तेमाल हाइड्रा ने ऊंची इमारतों को गिराने के दौरान कई बार किया है। लेकिन सोमवार को लगातार बारिश के कारण इमारत को गिराने के काम में बाधा आई।

एक आधिकारिक बयान में, हाइड्रा ने कहा कि अंजैया नगर के आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों की नींद में खलल न पड़े, इसलिए रात के समय गिराने का काम रोक दिया गया था। सोमवार को संयुक्त देखरेख में काम फिर से शुरू हुआ। इसमें कहा गया कि 'बाहुबली' ऊंची पहुंच वाली मशीन का इस्तेमाल करके गिराने का काम फिर से शुरू किया है।

जॉयलुक्कास ने 'प्रिमोरा' पेश किया

प्रकृति की सबसे बड़ी प्रेम कहानी से प्रेरित एक डिज़ाइनर डायमंड ज्वैलरी कलेक्शन

जोयालुक्कास दुनिया के प्रमुख ज्वेलरी रिटेलर्स में से एक है, जिसके 12 देशों में 190 से ज़्यादा शोरूम हैं। बेहतरीन कारीगरी, क्वालिटी, भरोसे और कस्टमर सर्विस के लिए मशहूर यह ब्रांड सोने, हीरे, कीमती पत्थरों, प्लेटिनम और चांदी की ज्वेलरी की एक बड़ी रेंज पेश करता है।

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जॉयलुक्कास, जो 12 देशों में 190 से ज्यादा शोरूम के साथ दुनिया का पसंदीदा ज्वैलर है, ने 'प्रिमोरा' के ग्लोबल लॉन्च की घोषणा की है। यह एक खास डिज़ाइनर डायमंड ज्वैलरी कलेक्शन है जो शानदार हॉर्नबिल पक्षी से प्रेरित है। यह पक्षी अपनी आकर्षक सुंदरता और अपने साथी के प्रति जीवन भर के अटूट समर्पण के लिए मशहूर है।

बेहतरीन कारीगरी और बारीकियों के साथ डिज़ाइन किए गए 'प्रिमोरा' कलेक्शन में डायमंड नेकलेस, इयररिंग्स, चूड़ियाँ, पेंडेंट और अंगूठियों की शानदार रेंज शामिल है। हर पीस आधुनिक डिज़ाइन और सदाबहार सुंदरता का बेहतरीन मेल है, जो इसे हर मौके के लिए प्यार और कमिटमेंट का एक खास इज़हार बनाता है। इस शानदार कलेक्शन की घोषणा करते हुए ग्रुप के चेयरमैन डॉ. जॉय अलुक्कास ने कहा 'प्रिमोरा' के लिए, हमें हॉर्नबिल के असाधारण समर्पण से प्रेरणा मिली, जो वफ़ादारी और साथ का एक सदाबहार प्रतीक है। इस कलेक्शन के ज़रिए, हम उन रिश्तों का जश्न मनाना चाहते हैं जो हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

'प्रिमोरा' कलेक्शन उन लोगों के लिए सोच-समझकर बनाया गया है जो अर्थपूर्ण ज्वैलरी को महत्व देते हैं। प्रिमोरा कलेक्शन 22 अगस्त, से दुनिया भर के सभी जोयालुक्कास शोरूम में उपलब्ध हो गया है।

एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे दक्षिण मध्य रेलवे के चार कबड्डी खिलाड़ी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के चार कबड्डी खिलाड़ियों का चयन जापान में होने वाले 20वें एशियाई खेल-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। इन खिलाड़ियों के चयन से दक्षिण मध्य रेलवे और भारतीय रेलवे में खुशी का माहौल है। 20वें एशियाई खेलों का आयोजन जापान के आइची-नगोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। प्रतियोगिता में 43 खेलों में 45 से अधिक देशों के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। कबड्डी प्रतियोगिताएं 21 से 26 सितंबर तक आइची प्रांत के तोकाई स्थित तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में आयोजित की जाएंगी। दक्षिण मध्य रेलवे की महिला कबड्डी टीम में ऋतु नेगी, कार्यालय अधीक्षक, वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक कार्यालय, विद्युत लोको शेड, लालागुड़ा तथा पिंकी रॉय, वरिष्ठ तकनीशियन, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, सिग्नल एवं दूरसंचार, मेट्टुगुडा का चयन हुआ है। वहीं पुरुष कबड्डी टीम में अयान लोहचब, वाणिज्यिक सह टिकट लिपिक, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक कार्यालय, सिकंदराबाद तथा सुमित सांगवान, वाणिज्यिक सह टिकट लिपिक, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक कार्यालय, सिकंदराबाद भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। चारों खिलाड़ी 12-12 सदस्यीय भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों के साथ एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा कि चार खिलाड़ियों का भारतीय दल में चयन संगठन के लिए गर्व की बात है।

यह दक्षिण मध्य रेलवे की अपने कर्मचारियों के बीच खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने चारों खिलाड़ियों को चयन पर बधाई दी और एशियाई खेलों में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों की खेल के प्रति लगन, कड़ी मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश, भारतीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे का नाम रोशन करेंगे।

श्रावण सोमवार पर भाजपा नेताओं ने किए भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आज पावन श्रावण सोमवार के शुभ अवसर पर जामबाग डिवीजन के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने श्रीशैलम देवस्थानम स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए।

इस अवसर पर उनके साथ जामबाग भाजपा परिवार के सदस्य एवं श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, वेंकटेश गौड़, अनिल यादव, तलवार श्रीनिवास, मोहन गौड़, सुधाकर गौड़, बालाजी ठाकुर, राजू यादव, नरसिंह ठाकुर, शंकर, शिव गुड्डेदार, सनैया गुड्डेदार एवं हरिनाथ सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी श्रद्धालुओं ने भगवान श्री मल्लिकार्जुन स्वामी की विधिवत पूजा-अर्चना कर पावन श्रावण सोमवार के अवसर पर उनके दिव्य आशीर्वाद की कामना की तथा सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए प्रार्थना की।

माता-पिता की हत्या की आरोपी नर्स ने हॉस्टल में आत्महत्या की

संगारेड्डी, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेम संबंध का विरोध करने पर माता-पिता की हत्या की आरोपी एक युवा नर्स की कहानी दुखद अंत के साथ खत्म हुई; रविवार रात शांति नगर के एक प्राइवेट हॉस्टल में उसने आत्महत्या कर ली।

पुलिस को शक है कि 20 साल की उम्र के आसपास की नक्काला सुरेखा ने खुद को एनेस्थेटिक इंजेक्शन का ओवरडोज़ दिया वही दवा जिसका इस्तेमाल उसने इस साल की शुरुआत में अपने माता-पिता की हत्या के लिए किया था। हॉस्टल में उसके साथ रहने वाली लड़कियों ने उसे कमरे में मृत पाया और पुलिस को सूचना दी। विकाराबाद जिले के बंटवारम मंडल के याचारम गांव की रहने वाली सुरेखा ने नर्सिंग में बीएससी किया था और संगारेड्डी के एक प्राइवेट अस्पताल में काम करती थी।

जांच के अनुसार, सुरेखा को एक युवक से प्यार हो गया था जिससे उसकी दोस्ती सोशल मीडिया पर हुई थी। उसके माता-पिता, दशरथ और लक्ष्मी, इस रिश्ते और उससे शादी करने की उसकी योजना का कड़ा विरोध करते थे। जनवरी में, एनेस्थेटिक इंजेक्शन का जानलेवा ओवरडोज देकर उनकी हत्या करने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया था। उसे हाल ही में ज़मानत पर रिहा किया गया था और वह संगारेड्डी के प्राइवेट हॉस्टल में रह रही थी। पुलिस का मानना है कि वह अपने भविष्य को लेकर परेशान थी और उसी दवा का इंजेक्शन लगाकर उसने यह चरम कदम उठाया। संगारेड्डी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25% फीस कटी

यशस्वी के बोल्ड होने पर दोनों भिड़ गए थे; दोनों ने गलती मानी

कोलंबो, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो के बीच हुए विवाद पर आईसीसी ने दोनों की 25-25% मैच फीस काटी है। दोनों खिलाड़ियों के खाते में 1-1 डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है।

फर्नांडो ने यशस्वी को बोल्ड किया था। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के सामने आ गए और एक-दूसरे के सिर से सिर मार दिया। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी गलती मान ली है और आईसीसी मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की ओर से प्रस्तावित सजा मान ली। इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

घटना भारतीय पारी के 17वें ओवर में हुई थी। असिथा फर्नांडो ने जायसवाल को बोल्ड किया था। इसके बाद भारतीय बल्लेबाज फर्नांडो की ओर गए और दोनों के बीच कुछ देर तक बहस हुई।

इसके बाद फर्नांडो ने अपना सिर जायसवाल की ओर बढ़ाया। जवाब में जायसवाल भी उनकी ओर झुके। इसी दौरान दोनों के सिर आपस में टकरा गए।

आईसीसी ने दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.12 के उल्लंघन का दोषी माना। यह नियम किसी खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से जुड़ा है। आीसीसी रिकॉर्ड में खिलाड़ियों के डिमेरिट पॉइंट्स 24 महीने तक रहते हैं। इस दौरान 4 डिमेरिट पॉइंट होने पर 2 सस्पेंशन पॉइंट मिलते हैं, जिसके कारण खिलाड़ी को 1 टेस्ट या 2 सीमित ओवरों के मैचों से बाहर रहना पड़ता है।

अगर खिलाड़ी 24 महीने में 8 डिमेरिट पॉइंट तक पहुंच जाता है, तो सजा बढ़कर 2 टेस्ट या 4 सीमित ओवरों के मैचों का प्रतिबंध हो जाता है।

आईसीसी के मुताबिक, जायसवाल और फर्नांडो के पिछले 24 महीनों में कोई पिछला अपराध दर्ज नहीं था। इसके बावजूद इस घटना के लिए दोनों के अनुशासन रिकॉर्ड में 1-1 डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है।

श्रीलंकाई गेंदबाज असिथा फर्नांडो से मैदान पर हुई भिड़ंत के बाद यशस्वी जायसवाल ने इंस्टाग्राम पर उसका जवाब दिया। ॉउन्होंने कहा कि लोगों को यह जाने बिना फैसला नहीं सुनाना चाहिए कि फर्नांडो ने उनसे क्या कहा था। जायसवाल ने क्रिकेटिंग वेबसाइट क्रिकबज में हर्ष भोगले के वीडियो में कमेंट किया, अगर कोई हद पार करेगा तो हमें उसे बताना होगा। यह भारत है, हम लड़ेंगे और जवाब देंगे।

टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय पारी 503/9 पर घोषित

श्रीलंका 8/2 ; जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक

खराब रोशनी से जल्दी स्टंप्स

कोलंबो, 24 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन श्रीलंका को बैकफुट पर धकेल दिया है। टीम ने पहली पारी 503/9 रन के स्कोर पर घोषित की। उसके बाद दिन का खेल समाप्त होने से पहले 8 रन पर श्रीलंका के 2 विकेट भी गिरा दिए। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में भारत ने सोमवार को 300/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया। पहले दिन नाबाद लौटे सारांश जैन 6 रन पर आउट हुए। जबकि, ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा किया। वे 177 बॉल पर 115 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने दूसरा टेस्ट शतक लगाया। टी-ब्रेक से पहले ऋषभ पंत 63 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पहले दिन 3 रन पर चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए पंत ने दूसरे दिन वापसी करते हुए अर्धशतक लगाया, लेकिन लंच के बाद पहली ही गेंद पर आउट हो गए। भारतीय टीम ने पहले सेशन में 119 रन जोड़े और एक विकेट गंवाया। डेब्यू कर रहे सारांश जैन 6 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने पहले ही ओवर में भारत को विकेट दिलाया। उन्होंने श्रीलंकाई पारी के दूसरे ओवर की दूसरी बॉल पर लाहिरू उदारा को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। ऑफ स्टंप की ओर आती गेंद ने उछाल लिया। इस पर उदारा को शॉट खेलना पड़ा, लेकिन बॉल उनके बल्ले के बाहरी किनारे पर लगकर स्लिप पर गई। तीसरे स्लिप में यशस्वी जायसवाल ने दाईं ओर फुल लेंथ डाइव लगाकर एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।

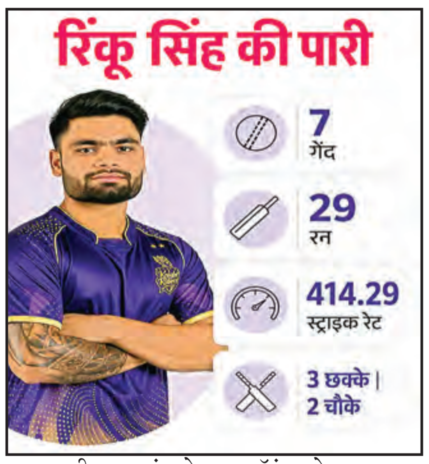

उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।

यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है। मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।

मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की। स्वास्तिक ने 24 गेंदों की पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। अक्षय दुबे 9 गेंदों पर 13 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए।

स्वास्तिक चिकारा यूपी टी20 लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 6 मैचों में 229 रन बनाए हैं। करन शर्मा 5 मैचों में 186 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

गेंदबाजों की लिस्ट में जीशान अंसारी 14 विकेट के साथ पहले नंबर पर हैं। अभिनंदन सिंह 13 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

यामागुची का सपना टूटा, एन से यंग ने जीता महिला सिंगल्स का विश्व खिताब

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की स्टार शटलर एन से यंग ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में महिला सिंगल्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। खेले गए फाइनल में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-14 से मात दी। यह एन से यंग का दूसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है। तेज रफ्तार वाले फाइनल में उन्होंने शानदार संयम दिखाते हुए यामागुची के आक्रामक खेल का प्रभावी ढंग से सामना किया और अहम मौकों पर मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी।

पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआत से ही कोई भी खिलाड़ी बड़ी बढ़त बनाने में सफल नहीं हुई। एन से यंग एक समय 15-12 से आगे थीं, लेकिन यामागुची ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 16-15 कर दिया। इसके बाद एन ने शानदार वापसी की। सटीक विनर्स और यामागुची की कुछ गलतियों का फायदा उठाते हुए उन्होंने लगातार चार अंक हासिल किए और 21-17 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत यामागुची ने बेहतर तरीके से की और 4-2 की बढ़त बनाई। हालांकि, एन से यंग ने जल्द ही लय हासिल कर ली और स्कोर को अपने पक्ष में करते हुए 7-6 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने 11-7 से मजबूत स्थिति हासिल कर ली। यामागुची ने अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन एन ने उन्हें वापसी का कोई मौका नहीं दिया। 16-11 की बढ़त के बाद एन लगातार दबाव बनाए रखती रही।

भारत की तैराकी टीम का हुआ ऐलान

एक्टर आर माधवन के बेटे वेदांत को मिला मौका

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत 19 सितंबर से होने वाली है. भारतीय एथलीट्स कई खेलों में कम्पीट करेंगे. भारतीय दल ने इतिहास रचने के लिए कमर कस ली है. भारत ने एशियन गेम्स के लिए 12 सदस्यीय तैराकी स्क्वॉड की घोषणा कर दी है. बड़ी खबर ये है कि इस बार तैराकी में बॉलीवुड एक्टर आर माधवन के बेटे वेदांत माधवन को भी शामिल किया गया है. वेदांत का नाम पिछले कुछ सालों से लगातार चर्चा में था. 21 साल के वेदांत अभी तक तैराकी में कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं. एशियन गेम्स 2026 में वेदांत माधवन भारत का झंडा लहराने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. तैराकी में जापान में वो अपना जलवा दिखाएंगे. वो भारत के लिए कई मेडल जीत चुके हैं. अब उनकी नजरें एशियन गेम्स पर टिकी हैं. उन्हें दो बार के ओलंपियन श्रीहरि नटराज और साजन प्रकाश के साथ 12 सदस्यीय स्क्वॉड में जगह मिली है.

आपको बता दें कि एशियन गेम्स में तैराकी का आयोजन 20 से 25 सितंबर तक होगा. वेदांत में की 200 मीटर बैकस्ट्रोक, मेंस की 200 मीटर फ्रीस्टाइल और मेंस की 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में प्रतिभाग करेंगे. उनसे इस बार करिश्मे की उम्मीद की जा रही है. अगर वो भारत के लिए मेडल लेकर आए तो फिर इतिहास रच देंगे.

वेदांत माधवन ने सबसे पहले जूनियर स्तर पर अपने आप को मजबूत बनाया. उन्होंने 2018 में थाइलैंड एज ग्रुप चैंपियनशिप में 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना जलवा दिखाया. उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता. ये उनका पहला इंटरेशनल मेडल भी था. इसके एक साल बाद वेदांत ने एशियन एज ग्रुप चैंपियनशिप में हिस्सा लिया. उन्होंने 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल में सिल्वर मेडल अपने नाम किया. वेदांत के लिए 2021 शानदार रहा था. जूनियर नेशनल में उन्होंने सात मेडल जीते. इसके अलावा लातविया ओपन में 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में ब्रॉन्ज मेडल जीता.

वेंदात ने सीनियर लेवल पर भी अच्छा प्रदर्शन किया. उन्होंने सीनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप में 800 मीटर और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में ब्रॉन्ज मेडल जीता. 2023 और 2024 में भी वेदांत ने कई मेडल अपने नाम किए. 2025 में वेदांत सीनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप में 800 मीटर फ्रीस्टाइल में 6वें नंबर पर रहे थे. इसके अलावा उन्होंने 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में ब्रॉन्ज जीता.

द्रोणाचार्य अवॉर्डी मलखंभ कोच पर पॉक्सो में केस

16 साल की छात्रा के यौन शोषण का आरोप, बोली- वॉट्सएप पर मैसेज करके बुलाया था

मुंबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पॉक्सोमें केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है।

मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार, 21 अगस्त की सुबह वह घर पर पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान मोबाइल पर कोच का वॉट्सएप मैसेज आया, जिसमें सिर्फ 'है (Hi)' लिखा था। छात्रा ने भी जवाब में "है (Hi)' लिखा और अपनी मां को इसकी जानकारी दी।

मां के कहने पर छात्रा ने कोच से मैसेज करने की वजह पूछी। शिकायत के मुताबिक कोच ने उससे पूछा कि वह कहां है और अगर फ्री हो तो जिम्नेजियम आकर उससे मिले। कई साल से कोच से ट्रेनिंग लेने के कारण छात्रा को लगा कि उसे जिमनास्टिक से जुड़ी किसी बात के लिए बुलाया गया है। इसके बाद वह जि म्ने जि य म पहुंच गई।

शिकायत के अनुसार, छात्रा जि म्ने जि य म पहुंची तो कोच वहां अकेला था। कोच ने छात्रा को चप्पल अंदर लाने और दरवाजा अंदर से बंद करने को कहा। इसके बाद दोनों के बीच कॉलेज और पढ़ाई को लेकर बातचीत हुई।

छात्रा ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान कोच ने उसका बायां हाथ पकड़ा और उसे खींचकर अपनी गोद में बैठा लिया। जब उसने उठने की कोशिश की तो कोच ने पीछे से उसकी कमर पकड़ ली और उसके साथ छेड़छाड़ की।

शिकायत के मुताबिक, छात्रा वहां से निकलकर सीधे कॉलेज पहुंची। परेशान देखकर उसकी सहेलियों ने उससे घटना के बारे में पूछा। इसके बाद उसने अपनी टीचर को पूरी बात बताई।

टीचर ने परिवार को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजन छात्रा को लेकर पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

मुंबई की पार्ले पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी कोच के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में केस दर्ज की है। पुलिस जिम्नेजियम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। जिम में हुई बातचीत को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम ने जीता कानिशा ओपन 2026 शतरंज टूर्नामेंट, उपलब्धि है खास

दुबई, 24 अगस्त (एजेंसियां)। प्रणेश ने खेले गए टूर्नामेंट के नौवें और आखिरी राउंड में जर्मनी के वादिम पेट्रोव्स्की को सफेद मोहरों से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल सात अंक हासिल किए और खिताब की दौड़ में खुद को मजबूत किया। प्रणेश की रेटिंग 2673 है और अगस्त 2026 की ताजा फाइड रैंकिंग में वह 44वें स्थान पर हैं। तमिलनाडु के कराईकुडी से आने वाले प्रणेश ने टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया।

नौ राउंड के बाद प्रणेश के अलावा इजराइल के ओर ब्रोंस्टीन, यूक्रेन के आंद्रेई वोलोकिटिन और भारत के कार्तिक वेंकटरमन ने भी सात-सात अंक हासिल किए। हालांकि, बेहतर टाईब्रेक के कारण प्रणेश ने पहला स्थान हासिल कर खिताब अपने नाम किया। कार्तिक वेंकटरमन के पास खिताब अकेले जीतने का मौका था, लेकिन आखिरी राउंड में वोलोकिटिन ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं ब्रोंस्टीन ने हमवतन आईएम बेनी आइजेनबर्ग को हराकर सात अंकों के साथ शीर्ष समूह में जगह बनाई।

प्रणेश की जीत पर हंगरी स्थित भारतीय दूतावास ने भी उन्हें बधाई दी। दूतावास ने अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, "नए भारतीय शतरंज चैंपियन से मिलिए!! प्रणेश एम। प्रतिष्ठित कानिज्सा ओपन 2026 में शानदार जीत के लिए भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम को हार्दिक बधाई!"

दूतावास ने आगे कहा, 'रोमांचक नौवें राउंड के बाद प्रणेश ने मध्य यूरोप के सबसे प्रतिस्पर्धी ओपन टूर्नामेंटों में से एक में शीर्ष स्थान हासिल किया। हमें बेहद गर्व है कि भारतीय प्रतिभा वैश्विक मंच पर इतनी शानदार चमक रही है। हंगरी भारतीय शतरंज के लिए लगातार भाग्यशाली जगह साबित हो रहा है। उनके शतरंज के सफर में आगे भी सफलता के लिए शुभकामनाएं!'

कानिज्सा ओपन 2026 के ग्रुप ए में कुल 226 खिलाड़ी शामिल थे। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में नीलाश साहा 6.5 अंकों के साथ 10वें स्थान पर रहे। वह बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर थे। नीतीश बेलुरकर छह अंकों के साथ 20वें, अजय संतोष पार्वथारेड्डी 21वें और भट्टाचार्य सोहम 23वें स्थान पर रहे। तीनों ने छह-छह अंक हासिल किए।

एशियाड टीम में चोटिल वेटलिफ्टर शामिल: सीडब्ल्यूजी पदकवीर

लवप्रीत को जगह नहीं; टेनिस-जूडो-रोइंग में भारी कटौती पर रोष

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के दल में एक ऐसे वेटलिफ्टर को शामिल कर लिया गया है जो चोटिल है और इन खेलों के लिए तैयारियां ही नहीं कर रहा है। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाले ऋषिकांत सिंह वेटलिफ्टिंग टीम में शामिल इकलौते पुरुष लिफ्टर हैं। ऋषिकांत को ग्लासगो में ही चोट लग गई थी और डॉक्टरों ने उन्हें तीन माह के आराम की सलाह दी थी। इसके बाद वह मोदीनगर में चल रहे कैंप में शामिल ही नहीं हुए, लेकिन साई की ओर से एशियाई खेलों के दल की समीक्षा में ऋषिकांत को टीम में शामिल कर लिया गया, लेकिन राष्ट्रीय शिविर में इन खेलों की तैयारियां कर रहे लिफ्टर लवप्रीत सिंह को बाहर कर दिया गया है। लवप्रीत ने भी सुपर हैवीवेट वर्ग में 400 किलो से ऊपर वजन उठाते हुए ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत जीता था। वह मई में गांधीनगर में हुई एशियाई चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से खेल मंत्रालय को मंजूरी के लिए 504 खिलाड़ियों का दल भेजा गया था, लेकिन मंत्रालय ने 492 खिलाड़ियों को मंजूरी दी है। सिर्फ वेटलिफ्टिंग ही नहीं टेनिस, जूडो और रोइंग की टीम में कई प्रमुख खिलाड़ियों के नाम काटे जाने पर भारी रोष है।

सच्चाई यह है कि राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले एम राजा और चोटिल होने के कारण ग्लासगो से वापस भेज दिए गए दिलबाग सिंह भी एशियाड की टीम में थे। ये दोनों लिफ्टर भी चोटिल होने के कारण राष्ट्रीय शिविर में शामिल नहीं हुआ। सूत्र बताते हैं कि ग्लासगो से लौटने के बाद ऋषिकांत, राजा और दिलबाग ने राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास ही नहीं किया। मीराबाई, ज्ञानेश्वरी, हरजिंदर, निरुपमा के साथ लवप्रीत कैंप में तैयारियों में जुटे रहे। साई ने राजा, दिलबाग, लवप्रीत, संजना का नाम तो काट दिया, लेकिन ऋषिकांत को टीम में रख लिया जो किसी भी कीमत पर एशियाड में नहीं जा सकते हैं। वहीं, लवप्रीत ग्लासगो से लौटने के तुरंत बाद ही कैंप में तैयारियों में जुटे हैं। जूडो में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने वाले हर्ष सिंह और पदक विजेता उन्नति शर्मा को टीमें जगह नहीं दी गई है। सिर्फ तीन महिला जुडोका टीम में हैं, जबकि जूडो महासंघ ने सात पुरुष और सात महिला जुडोकाओं को शामिल किया था। वहीं टेनिस में देश की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी सहजा यामलापल्ली, वैष्णवी अडकर, वैदेही चौधी, प्रार्थना थोंबारे और पुरुष खिलाड़ी मानस धामने को साई की समीक्षा में टीम से बाहर कर दिया गया। टेनिस महासंघ (आईटा) ने एशियाड के लिए 12 सदस्यी टीम चुनी थी, लेकिन मंजूरी सात को दी गई है। वहीं महिला एशिया कप रोइंग में पदक जीतने वाली दिलजोत कौर, सुमन देवी के अलावा भारती देवी को दल से बाहर किए जाने पर रोष है। ताइक्वांडो में पुरुष टीम को बाहर कर दिया गया है।

आईओए 36 खेलों की मंजूरी मांगी थी, लेकिन साई ने चार सदस्यी सर्फिंग टीम को रोक दिया है। इससे पहले साई ने अपनी प्रारंभिक समीक्षा में मॉडर्न पेंटाथलन (4) और ट्रायथलन (4) का नाम भी काट दिया था। टेनिस खिलाड़ियों के नाम प्रारंभिक समीक्षा में ही कटे हैं। इस दौरान साई ने 85 से अधिक खिलाड़ियों को मंत्रालय की चयन नीति के खिलाफ पाते हुए उनका नाम काटा था।

हथकड़ी में नजर आए इंग्लिश गेंदबाज ब्रायडन कार्स

इंग्लैंड क्रिकेट में मचा हड़कंप, ईसीबी ने शुरू की जांच

लंदन, , 24 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें मैदान के बाहर भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पुलिस की हथकड़ी में नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो में कार्स को डर्बी के एक नाइट क्लब के बाहर पुलिस अधिकारियों के बीच ले जाते हुए देखा गया।

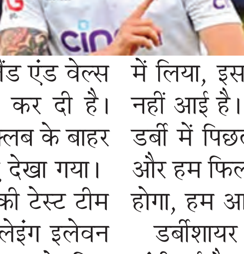

कार्स पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, लेकिन पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलने के बाद उन्हें डरहम के लिए काउंटी चैंपियनशिप मुकाबला खेलने की अनुमति दी गई थी। डरहम ने डर्बीशायर को तीन दिन के भीतर हराया। कार्स ने मैच में 26 रन बनाए और गेंदबाजी में कुल दो विकेट लिए। मुकाबला खत्म होने के बाद वह टीम के साथियों के साथ जश्न मनाने पहुंचे थे, तभी यह घटना हुई। सोशल मीडिया पर सामने आए एक छोटे वीडियो में कार्स के हाथ पीछे की ओर हथकड़ी में बंधे दिखाई दे रहे हैं। वह अपने डरहम टीममेट मैथ्यू पॉट्स से बात करते नजर आते हैं। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भी वीडियो के पीछे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, घटना की वजह और पुलिस ने कार्स को किस परिस्थिति में हिरासत में लिया, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ईसीबी ने बयान जारी कर कहा कि हमें डर्बी में पिछली रात हुई एक घटना की जानकारी है और हम फिलहाल इसकी जांच कर रहे हैं। जब संभव होगा, हम आगे की जानकारी देंगे।

डर्बीशायर पुलिस से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई है, जबकि डरहम ने टिप्पणी करने से इनकार किया है। कार्स के लिए यह घटनाक्रम ऐसे समय आया है जब वह लंबे समय बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की तैयारी कर रहे थे। पिछले एशेज में वह इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे, लेकिन इस समर में अब तक कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। कलाई और कोहनी की चोट के कारण वह न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर रहे थे।

सीएम ने किसान नेता सरमपल्ली मल्लारेड्डी के निधन पर जताया शोक

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने किसान नेता एवं कम्युनिस्ट नेता सरमपल्ली मल्लारेड्डी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मल्लारेड्डी ने किसानों की समस्याओं और उनके अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने याद किया कि मल्लारेड्डी ने किसानों के अधिकारों की रक्षा और कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए अनेक आंदोलनों का नेतृत्व किया। किसान संघ के नेता और अखिल भारतीय किसान सभा के उपाध्यक्ष के रूप में उनकी सेवाएं सदैव याद की जाएंगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि मल्लारेड्डी ने अपना पूरा जीवन किसानों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने भूमि अधिकार, सिंचाई के पानी, कृषि ऋण और बीज सहित कृषि से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लगातार उठाया और किसानों के हितों के लिए संघर्ष किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिवंगत मल्लारेड्डी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

4-सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर हों : टीजीएचआरसी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) की अध्यक्ष डॉ. जस्टिस शमीम अख्तर के नेतृत्व में आयोग ने सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं, कक्षाओं और शौचालयों की स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को सुरक्षित कक्षाएं, स्वच्छता सुविधाएं और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। आयोग ने 3 अगस्त 2026 को एचआरसी नंबर 2638/2026 में यह आदेश जारी किया। 3 जुलाई को प्रकाशित एक समाचार में राज्य के कई सरकारी स्कूलों में पर्याप्त कक्षाएं, शौचालय और अन्य सुविधाएं नहीं होने के कारण विद्यार्थियों के पेड़ों के नीचे, बरामदों तथा सामुदायिक भवनों में पढ़ने का मामला सामने आया था। इस समाचार का स्वतः संज्ञान लेते हुए आयोग ने मामले की सुनवाई शुरू की थी। आयोग के निर्देश पर आदिलाबाद, जंगांव, नलगोंडा और सूर्यापेट जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्टों की जांच में कई सरकारी स्कूलों में जर्जर कक्षाओं, मरम्मत की आवश्यकता वाली इमारतों तथा शौचालयों की कमी जैसी समस्याएं सामने आईं।नलगोंडा जिले के निडमनूर मंडल के ऊट्कूर गांव स्थित जिला परिषद उच्च विद्यालय का जिला शिक्षा अधिकारी ने स्वयं निरीक्षण किया। रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश के कारण पुराने टिन की छत वाले कक्षा-कक्षों में पानी टपकने लगा था। मरम्मत कार्य के दौरान विद्यार्थियों को अस्थायी रूप से पेड़ों के नीचे बैठाकर कक्षाएं संचालित करनी पड़ी थीं। आयोग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत शिक्षा का अधिकार केवल बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने तक सीमित नहीं है। बच्चों को सुरक्षित, सम्मानजनक और अनुकूल वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलना भी उनके शिक्षा के अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टीजीएचआरसी ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव से राज्य के सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों से सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे और आवश्यक सुविधाओं की स्थिति पर रिपोर्ट मंगाने की सिफारिश की है। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर सरकारी स्कूलों में सुरक्षित कक्षा-कक्ष, चालू हालत के शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, जरूरी मरम्मत कराने तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की भी सिफारिश की। मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 18(ई) के तहत आयोग की सिफारिशों पर की गई अथवा प्रस्तावित कार्रवाई का विवरण छह माह के भीतर आयोग को प्रस्तुत करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। इन सिफारिशों और टिप्पणियों के साथ टीजीएचआरसी ने एचआरसी नंबर 2638/2026 में आगे की कार्रवाई समाप्त कर दी।

मंत्री कोंडा सुरेखा मामले की जांच कांग्रेस अनुशासन समिति करेगी : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि मंत्री कोंडा सुरेखा से जुड़े मामले की जांच पार्टी की अनुशासन समिति करेगी और समिति के निर्णय का सभी को पालन करना होगा। हैदराबाद स्थित सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्णयों का पालन करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह पार्टी के आंतरिक मामलों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और इस मामले को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया भी नहीं देंगे। यह विवाद हाल ही में कोंडा सुरेखा की बेटी सुष्मिता पटेल द्वारा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को निशाना बनाकर की गई कथित विवादित टिप्पणियों के बाद शुरू हुआ। इन टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक वर्ग में तीखी नाराजगी सामने आई और विरोध प्रदर्शन भी हुए। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए पार्टी की अनुशासन समिति ने मामले की जांच शुरू की, जिसके बाद मंत्री कोंडा सुरेखा ने समिति को दो औपचारिक पत्र सौंपे। रेवंत रेड्डी ने दोहराया कि इस मामले की समीक्षा करने और उचित कार्रवाई करने का अधिकार केवल पार्टी की अनुशासन समिति के पास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समिति के निर्णय का सभी संबंधित लोगों को पालन करना होगा।

सारामपल्ली मल्लारेड्डी का निधन किसान आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति : अन्वेष रेड्डी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना किसान कांग्रेस के चेयरमैन अन्वेष रेड्डी सुंकेट ने वरिष्ठ किसान नेता सारामपल्ली मल्लारेड्डी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मल्लारेड्डी का निधन किसान समुदाय और किसान आंदोलनों के लिए अपूरणीय क्षति है। वे राष्ट्रीय स्तर पर किसान आंदोलन के लिए एक बड़े मार्गदर्शक और किसान हितों के प्रबल पैरोकार थे। अन्वेष रेड्डी ने कहा कि सारामपल्ली मल्लारेड्डी ने किसानों के अधिकारों के लिए जीवनभर अथक संघर्ष किया। कृषि और किसानों से जुड़े विषयों पर वे उनके लिए एक गुरु की तरह थे। किसान संगठनों तथा कृषि क्षेत्र में कार्यरत सभी संगठनों और संयुक्त आंदोलनों का सम्मान करने वाले मल्लारेड्डी एक बड़े भाई की भूमिका निभाते थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में भारत-अमेरिका व्यापार समझौतों से किसानों को होने वाले संभावित नुकसान को लेकर मल्लारेड्डी काफी चिंतित और व्यथित थे। कॉरपोरेट और साम्राज्यवादी ताकतों द्वारा किसानों के शोषण के खिलाफ एकजुट संघर्ष खड़ा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अन्वेष रेड्डी सुंकेट ने सारामपल्ली मल्लारेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसान हितों और उनके बताए मार्ग पर चलते हुए सारामपल्ली के विचारों एवं आशयों को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

तिरुपति जिले का उप पुलिस अधीक्षक बनकर 1.20 करोड़ की ठगी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय अपराध स्टेशन के जासूसी विभाग की आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने तिरुपति जिले का उप पुलिस अधीक्षक बनकर लोगों से भारी मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले एक कुख्यात आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले के रायचोटी निवासी कोंडूरु रेड्डी वेंकट राजू उर्फ केवीपी राजू उर्फ डीएसपी राजू (40) के रूप में हुई है। आरोपी वर्ष 2021 से फरार था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ आंध्र प्रदेश में दो और हैदराबाद के तुकारामगेट थाने में एक मामला दर्ज है। वर्तमान मामला केंद्रीय अपराध स्टेशन के आर्थिक अपराध शाखा की टीम-पांच में अपराध संख्या 192/2021 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 406, 420, 170 तथा 34 में दर्ज है। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक गिरोह के साथ मिलकर लोगों को गैर-मौजूद अथवा अघोषित कंपनियों और कारोबार में निवेश करने के लिए उकसाता था। गिरोह कम समय में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देता था।

पीड़ितों का विश्वास जीतने के लिए संपत्ति के दस्तावेज सुरक्षा के तौर पर देने और भविष्य की तारीख वाले चेक जारी करने का भी भरोसा दिलाया जाता था। पुलिस के मुताबिक, रकम वापस मांगने पर आरोपी खुद को मुठभेड़ विशेषज्ञ पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ितों को धमकाता था। वर्तमान मामले में आरोपी और उसके साथियों ने कथित तौर पर साझा मंशा के तहत शिकायतकर्ता को 1.20 करोड़ रुपये देने के लिए राजी किया। रकम वापस नहीं किए जाने से शिकायतकर्ता को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपी इसी तरह के तीन अन्य आपराधिक मामलों में भी शामिल रहा है। इनमें केंद्रीय अपराध स्टेशन, तिरुपति में अपराध संख्या 09/2021, तुकाराम थाने में अपराध संख्या 46/2022 तथा आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के वेदयापलेम थाने में अपराध संख्या 325/2022 शामिल हैं। केंद्रीय अपराध स्टेशन की आर्थिक अपराध शाखा टीम-पांच के उपनिरीक्षक जी. अनिल कुमार और कर्मचारियों ने जांच अधिकारी के. किरण, सहायक पुलिस आयुक्त, आर्थिक अपराध शाखा टीम-पांच, केंद्रीय अपराध स्टेशन, हैदराबाद के मार्गदर्शन में आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आम जनता को सतर्क करते हुए कहा कि कम समय में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देने वाले ऐसे लोगों के जाल में न फंसें और किसी भी संदिग्ध निवेश प्रस्ताव में रकम लगाने से पहले उसकी पूरी तरह जांच कर लें।

बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण तेलंगाना में बारिश होगी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मौसम विभाग ने तेलंगाना राज्य के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से राज्य भर में बारिश रुकी हुई थी, लेकिन आने वाले दिनों में व्यापक बारिश फिर से शुरू होने की संभावना है। उन्होंने इस बारिश का कारण उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र को बताया, जिसके साथ एक चक्रवाती परिसंचरण भी विकसित हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, मौसम विभाग ने आज और कल (सोमवार और मंगलवार) उत्तरी तेलंगाना के जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। कोमरम भीम आसिफाबाद, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मंचरियाल और करीमनगर जिलों में भारी बारिश की विशेष रूप से भविष्यवाणी की गई है; अधिकारियों ने इन जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। शेष जिलों में विभिन्न स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है। इस बीच, मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रविवार (23 अगस्त) को संगारेड्डी जिले के निज़ामपेट मंडल मुख्यालय में सबसे अधिक 6.5 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। पिटलाम (कामारेड्डी जिला) और मलकाजगिरि (मेडचल-मलकाजगिरि जिला) में 5.1 सेंटीमीटर, नरसपुर (मेडक जिला) में 4.7 सेंटीमीटर, श्रीरामपुर और मुत्तराम (पेद्दापल्ली ज़िला) में 4.5 सेंटीमीटर, कलहेर (सांगारेड्डी जिला) और टेकमल (मेडक जिला) में 4.2 सेंटीमीटर और बिचकंडा मंडल (कामारेड्डी जिला) में 3.8 सेंटीमीटर वर्षा हुई। हैदराबाद, मुलुगु, यादद्री भुवनगिरि, जगतियाल और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्राओं का उद्देश्य तेलंगाना का बेहतर विकास : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की नई दिल्ली की लगातार यात्राओं का बचाव करते हुए कहा कि ये यात्राएं पूरी तरह से तेलंगाना को केंद्रीय निधियों और करों के हस्तांतरण में उसका उचित हिस्सा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जाती हैं।

सोमवार को नागरकुर्नूल जिले के अचमपेट निर्वाचन क्षेत्र में स्थित बालमूर में 146.71 करोड़ रुपये की तीन हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने राज्य के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को हासिल करने में हाल ही में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री और मैंने सड़क एवं भवन विभाग के अंतर्गत महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। बुलेट ट्रेन प्रस्ताव, श्रीशैलम एलिवेटेड कॉरिडोर और सोमासिला पुल सहित 1 लाख करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा रही है। पर्यटन, संस्कृति और उत्पाद शुल्क मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव के साथ, कोमातिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि अचमपेट क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हाई-स्पीड सड़क नेटवर्क के विस्तार से इसे एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनने की राह पर अग्रसर किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, प्रस्तावित श्रीशैलम एलिवेटेड कॉरिडोर से दोनों तेलुगु राज्यों के श्रद्धालुओं की यात्रा में काफी आसानी होगी और साथ ही क्षेत्र में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित होगा।

14,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रेवेन्यू इंस्पेक्टर पकड़ा गया

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने सोमवार को यदाद्री भुवनगिरी ज़िले के अलेर मंडल के एक रेवेन्यू इंस्पेक्टर को पकड़ा। उस पर ज़मीन के रजिस्ट्रेशन में मदद करने वाली रिपोर्ट जारी करने के लिए ग्राम पालन अधिकारी (जीपीओ) के ज़रिए 14,000 रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है।

एसीबी के अनुसार, अलेर मंडल के रेवेन्यू इंस्पेक्टर वेमुगंती पूर्णचंद्र राव ने एक व्यक्ति से रिश्वत मांगी थी। यह रिश्वत शिकायतकर्ता की बहन द्वारा बेची गई ज़मीन के रजिस्ट्रेशन में मदद के लिए तहसीलदार को रिपोर्ट जारी करने के एवज में मांगी गई थी।

राव ने कथित तौर पर कोलनुपका गाँव के जीपीओ शेख अहमद के ज़रिए रिश्वत ली थी। नलगोंडा रेंज के एसीबी अधिकारियों ने इन दोनों अधिकारियों को पकड़ा और राव के कहने पर अहमद से 14,000 रुपये की रिश्वत की रकम बरामद की।

तेलंगाना को जापान की सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाना चाहिए : विवेक

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । विद्युत, श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना एवं खान मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि परमाणु बमबारी से हुई तबाही से उबरकर वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की जापान की यात्रा पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को जापान के विकास में योगदान देने वाली कई प्रथाओं को अपनाने और बढ़ावा देने की जरूरत है, विशेष रूप से अनुशासन, कौशल विकास, तकनीकी उन्नति, अनुसंधान और उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत संबंध।

जापान यात्रा के हिस्से के रूप में, मंत्री विवेक वेंकटस्वामी, शक्ति विभाग के सचिव दासारी हरिचंदना, टॉमकॉम के महाप्रबंधक नागभारती और अन्य लोगों के साथ सोमवार को किंडाई विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान, उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग पर विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि जापान ने एक ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित की है जो छात्रों को विश्वविद्यालय की शिक्षा प्राप्त करने के दौरान उद्योग की आवश्यकताओं, आधुनिक प्रौद्योगिकियों और नौकरी-उन्मुख कौशल से अवगत कराती है। उन्होंने कहा कि जापानी विश्वविद्यालय न केवल डिग्री प्रदान करने पर बल्कि अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे छात्रों को रोजगार के अवसरों और उद्योगों की बदलती जरूरतों के लिए तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को भी शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और कौशल विकास संगठनों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने की आवश्यकता है। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार उन्नत प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण, अनुसंधान, उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए जापानी संस्थानों के साथ सहयोग करने को तैयार है। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तेलंगाना के विश्वविद्यालयों और जापान के शैक्षणिक संस्थानों के बीच शैक्षिक और तकनीकी सहयोग को मजबूत करना सरकार के प्रमुख उद्देश्यों में से एक था। उन्होंने कहा कि इस यात्रा से तेलंगाना के उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) के लिए जापानी तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य तेलंगाना के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कौशल से लैस करने के लिए जापानी विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विनिमय कार्यक्रमों पर काम करना है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के बीच ज्ञान और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान नवाचार के नए अवसर पैदा करेगा और शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कौशल विकास में सहयोग को मजबूत करेगा।

सरकार के लिखित आश्वासन के बाद परिवहन कर्मियों की हड़ताल टली

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटो, कैब, लॉरी और अन्य परिवहन कर्मियों द्वारा प्रस्तावित हड़ताल सरकार के लिखित आश्वासन के बाद टाल दी गई है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के आधिकारिक प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने सोमवार को गांधी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने रविवार को संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की और उनकी कई प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाया। निजामुद्दीन ने कहा कि सरकार ने ऑटो किराया संशोधन, परिवहन श्रमिक कल्याण बोर्ड के गठन तथा ऑटोरिक्शा को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए वित्तीय सहायता सहित कई मांगों पर लिखित आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन जब सरकार बातचीत के माध्यम से समस्याओं के समाधान के लिए तैयार हो तो संवाद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आईएनटीयूसी के महासचिव आर.डी. चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि विभिन्न परिवहन यूनियनों ने सरकार के समक्ष 14 मांगें रखी थीं। इनमें से करीब 10 मांगों पर बैठक की कार्यवाही में तत्काल लिखित आश्वासन दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि रेवंत रेड्डी सरकार श्रमिकों की समस्याओं का समाधान बातचीत और परामर्श के जरिए करना चाहती है। निजामुद्दीन ने कहा कि ऑटोरिक्शा के मीटर किराये में संशोधन प्रमुख मांगों में शामिल है। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों के साथ-साथ वाहनों की लागत, रखरखाव, बीमा, स्पेयर पार्ट्स, श्रम और घरेलू खर्च में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि किराये में लंबे समय से संशोधन नहीं हुआ है। संवाददाता सम्मेलन में आर.डी. चंद्रशेखर रेड्डी, मोहन नाइक, सैयद रऊफ, राजेंद्र रेड्डी, रुद्राक्ष मल्लेश, भास्कर रेड्डी और राजशेखर रेड्डी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रजावाणी में 60 शिकायतें प्राप्त, मुख्यालय से सबसे अधिक मामले

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को आयोजित प्रजावाणी शिकायत कार्यक्रम में नागरिकों की कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुईं। कार्यक्रम के दौरान जीएचएमी आयुक्त आरवी कर्णन समेत नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रजावाणी कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन), सतर्कता विभाग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त आयुक्त (शहरी सामुदायिक विकास एवं संपदा), मुख्य नगर नियोजक, मुख्य अभियंता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, संयुक्त आयुक्त (राजस्व), दो अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी तथा भूमि अधिग्रहण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। शमशाबाद क्षेत्र से 9 शिकायतें, राजेंद्रनगर क्षेत्र से 3, चारमीनार क्षेत्र से 2 और सिकंदराबाद क्षेत्र से 5 शिकायतें प्राप्त हुईं। गोलकोंडा तथा खैरताबाद क्षेत्रों से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। सबसे अधिक 41 शिकायतें नगर निगम मुख्यालय से प्राप्त हुईं। इस प्रकार सभी क्षेत्रों और मुख्यालय से प्राप्त शिकायतों को मिलाकर कुल संख्या 60 रही। अधिकारियों ने शिकायतों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को अपनी स्थानीय समस्याओं और नगर निगम से संबंधित शिकायतों को सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर उपलब्ध कराया गया।

गंगापुत्र की महिलाओं के लिए सिलाई मशीनें

हैदराबाद, 24 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना गंगापुत्र संघम ने गंगापुत्र महिलाओं को सलाह दी है कि वे "इंटिंटा इंदिरम्मा कुट्टू मशीन" कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सिलाई मशीनों के लिए आवेदन करें और स्व-रोज़गार बनें। टीजीएस राज्य सचिव टी राजेश खन्ना गंगापुत्र ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, 18 से 55 वर्ष की महिलाएं सिलाई मशीनों के लिए आवेदन कर सकती हैं। विधवाओं, एकल महिलाओं, अनाथों और शारीरिक रूप से विकलांग महिलाओं को सिलाई मशीनों के आवंटन में प्राथमिकता मिलने की संभावना है। सरकार 100 प्रतिशत सब्सिडी के आधार पर सिलाई मशीनें दे रही है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है और उन्होंने महिलाओं से इस अवसर का लाभ अवश्य उठाने का आग्रह किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.